नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, गुरुवार 2 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 46 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

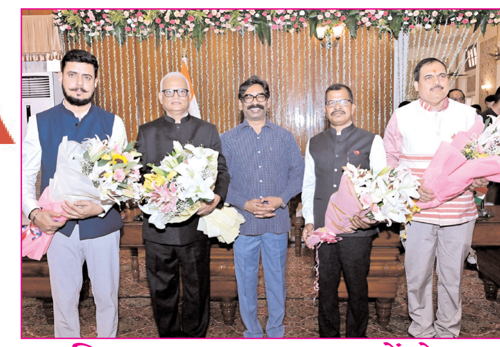

नवनियुक्त सूचना आयुक्तों के साथ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

संक्षिप्त समाचार

जमशेदपुर एसएसपी और सरायकेला एसपी बदले

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड सरकार ने जमशेदपुर में एसएसपी और सरायकेला में एसपी की पोस्टिंग कर दी है। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक वर्ष 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी एहतेशाम वकारिब को जमशेदपुर का नया एसएसपी बनाया गया है। वह इससे पहले सीआईडी में एसपी के पद पर कार्यरत थे। आईपीएस मनोज स्वर्गियारी को सरायकेला-खरसावां जिले का नया एसपी नियुक्त किया गया है।

सब रजिस्ट्रार हत्याकांड में सात आरोपित गिरफ्तार

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मांडू थाना क्षेत्र के हुवाग पंचायत अंतर्गत बलसगरा गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई गिरिडीह के सब-रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की निर्मम हत्या के मामले में रामगढ़ पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर बड़ी कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल खून से सनी ईंट और बांस का डंडा भी बरामद किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने दी।

14 किलो गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। रेलवे सुरक्षा बल ने हटिया रेलवे स्टेशन पर दो अलग-अलग अभियानों में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस क्रम में करीब 14 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 7 लाख रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के कैमूर जिला निवासी जयराम कुमार और दीपक कुमार के रूप में पहचान बताई है।

दसवीं की छात्रा ने की खुदकुशी

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। भरनो थाना क्षेत्र स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में बुधवार सुबह 10वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान बूढ़ी पाठ तेतर टोली निवासी चैतू उरांव की पुत्री के रूप में हुई है। परिजनों ने विद्यालय कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए घटना की गहन जांच की मांग की है। सूचना मिलते ही पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।

नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को राज्यपाल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

लंबित केसों की सुनवाई में आयेगी तेजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। काफी जद्दोजहद के बाद झारखंड में सूचना आयुक्तों का मनोनयन हो गया है। बुधवार को लोकभवन में चार नए सूचना आयुक्त अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। लोकभवन के दरबार हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदेश ग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल और

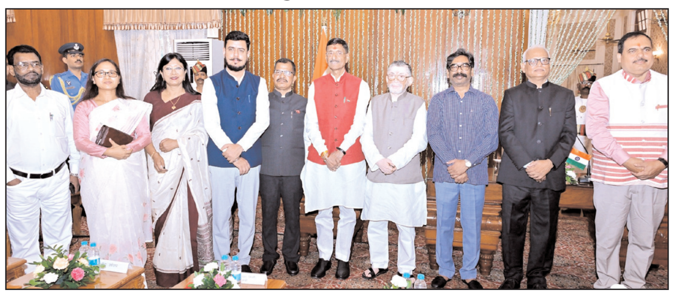

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई दी। सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के बाद झारखंड राज्य आयोग एक बार फिर गुलजार हो गया है। नए सूचना आयुक्तों के आने के बाद यहां लंबे समय से लंबित केसों की सुनवाई शुरू होगी। गौरतलब है कि 8 मई 2020 को तत्कालीन प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल समाप्त होते ही राज्य सूचना आयोग में सुनवाई पूरी तरह से ठप हो गई थी। सुनवाई नहीं होने की वजह से आयोग में करीब 25 हजार अपील लंबित है। यहां हर दिन जिलास्तर से करीब 100 अपील याचिका ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में आयोग में पहुंचता है। झारखंड राज्य सूचना आयोग का गठन राज्य सरकार द्वारा 24 जुलाई 2006 को किया गया था। राज्य के पहले मुख्य सूचना आयुक्त जस्टिस हरि शंकर प्रसाद (रिटायर्ड) बने थे। उन्होंने 30 जुलाई 2006 को पद और गोपनीयता की शपथ ली थी और 30 जून 2008 तक पद पर रहे थे। उनके साथ ही शपथ लेने वाले अन्य छह सूचना आयुक्त जुलाई 2011 तक अपने पद पर बने रहे थे। इसके बाद जस्टिस दिलीप कुमार सिन्हा (रिटायर्ड) ने 05 अगस्त 2011 को मुख्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ ली और 31 जुलाई 2014 तक इस पद पर रहे। तत्पश्चात मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर आदित्य स्वरूप आइएएस (रिटायर्ड) 24 अप्रैल 2015 को आसीन हुए। उनके साथ दो राज्य सूचना आयुक्त प्रबोध रंजन दास और हिमांशु शेखर चौधरी ने कार्यभार संभाला।

झारखंड के तीन जिलों में सड़क हादसा, छह लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के तीन जिलों में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ये हादसे साहिबगंज, गुमला और जामताड़ा जिलों में हुए, जहां प्रत्येक जिले में दो-दो लोगों की जान गई। साहिबगंज में मंगलवार देर रात जामनगर बंगालीपाड़ा के पास एक ई-रिक्शा और चार पहिया वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक पुरुष और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार करीब छह यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि ई-रिक्शा में सवार बनू टोला चुआर निवासी 45 वर्षीय अयुसुद्दीन शेख और नूर बहार बीबी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 26 वर्षीय यास्मीन खातून, 45 वर्षीय रहीम शेख, 55 वर्षीय तफनारा बीबी तथा ई-रिक्शा चालक, जिसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है, को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुमला जिले में बुधवार को मंदिर से घर लौट रहे गुरुदत्त उरांव (40) और उनकी पत्नी लक्ष्मी उरांव (38) की मोटरसाइकिल पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। जामताड़ा जिले में गोविंदपुर-साहिबगंज राज्य राजमार्ग पर एक मोटरसाइकिल और पिकअप वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। नारायणपुर थाना प्रभारी मुराद हसन ने बताया कि मृतकों की पहचान 24 वर्षीय मुशर्रफ अंसारी और 22 वर्षीय कुतुबुल अंसारी के रूप में हुई है। दोनों बुटबेरिया गांव के निवासी थे।

जमशेदपुर एसएसपी और सरायकेला एसपी पर कार्रवाई के बाद खलबली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जमशेदपुर एसएसपी और सरायकेला एसपी को तत्काल प्रभाव से हटाने का सीएम हेमंत का आदेश फिलहाल झारखंड में सबसे ज्यादा चर्चा में है। झारखंड में यह पहली बार हुआ है जब सीएम ने खुद सोशल मीडिया के जरिये दो जिलों के पुलिस प्रमुखों को हटाने की जानकारी दी। झारखंड में आईपीएस और आईएएस अफसरों की एक लंबी फ़ेहरिस्त है जिन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से हटाया गया था लेकिन जमशेदपुर और सरायकेला अब तक का सबसे अनूठा मामला निकला। जमशेदपुर के एक बार में हुई मारपीट के बाद पुलिस के सामने करणी सेना से जुड़े हिमांशु सिंह की हत्या ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को भी बेचैन कर दिया। वहीं सरायकेला में भी कानून व्यवस्था को अपराधी चुनौती दे रहे थे। यही वजह है कि हेमंत सोरेन ने एक ऐसा निर्णय लिया जो झारखंड के अफसरों के लिए बड़ी चेतावनी दे गया। यह पहली बार हुआ जब सीएम ने दो जिलों के पुलिस प्रमुखों को हटाने की जानकारी खुद दी और एक कड़ा संदेश दिया। जमशेदपुर एसएसपी पीयूष पांडे और सरायकेला एसपी निधि द्विवेदी को उनके पद से हटाने की जानकारी खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया हैंडल पर दी। मुख्यमंत्री ने लिखा कि पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक एवं सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक को विधि-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में लापरवाही के कारण तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध करने का निर्णय मैंने लिया है। सीएम ने स्पष्ट किया कि जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही या जवाबदेही से बचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीएम के इस कठोर निर्णय के बाद जिलों के एसपी और डीसी के बीच खलबली मची हुई है।

एसआइआर ड्यूटी से शिक्षकों को मिलेगी राहत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में विशेष परिस्थितियों में ही शिक्षकों को वालेंटियर के रूप में लगाया गया है। उन्होंने बुधवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि विभिन्न माध्यमों से यह संज्ञान में आया है कि वालेंटियर्स के रूप में चयनित शिक्षकों को अपने शिक्षण के कार्यों के साथ-साथ ट्रत्र्ट के कार्यों में बीएलओ के सहयोग में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य सरकारी पद पर कार्यरत पदाधिकारियों के साथऽसाथ विशेष परिस्थितियों में जहां इस संवर्ग के पदाधिकारी की उपलब्धता नहीं है, वहां ही वोलेंटियर्स के लिए शिक्षकों को भी चयनित किया गया है। रवि कुमार ने कहा कि शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का शिक्षण एक अति महत्वपूर्ण विषय है। इसके लिए पहले से ही निर्वाचन के कार्यों में कम से कम शिक्षकों को सम्मिलित किया गया है। चूंकि निर्वाचन सेवा के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की संख्या सीमित होती है, इसलिए निर्वाचन अथवा निर्वाचन से जुड़े कार्यों के लिए अन्य सेवा के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों के शिक्षण के साथऽसाथ भारत के प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची से जोड़ना भी महत्वपूर्ण कार्य है ताकि वे मताधिकार से वंचित न हों। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि उन्होंने अपने क्षेत्रीय दौरों के क्रम में देखा कि कई पात्र नागरिक पहचान दस्तावेज (जैसे आधार कार्ड आदि) की कमी के कारण अबतक मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हो सके है जबकि भारत के मतदाता होने के लिए केवल भारतीय नागरिक, 18 वर्ष की उम्र प्राप्त करना एवं उस मतदान क्षेत्र का सामान्य निवासी होना होता है, जिसके लिए कई तरह के दस्तावेज मान्य हैं। इसे ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग के आदेश पर वालेंटियर्स को तैनात किया गया है ताकि ऐसे मतदाताओं, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य संवेदनशील समूहों को हर संभव सहायता प्रदान किया जा सके। वालेंटियर्स यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे मतदाताओं को किसी भी तरह से परेशान न किया जाए।

एसटी सीट घटाने की कोशिश बर्दाशत नहीं करेगी झामुमो

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के साथ ही परिसीमन (डिलिमिटेशन) का मुद्दा तेजी से गरमा रहा है। आबादी के आधार पर विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण में अनुसूचित जाति-जनजाति की आरक्षित सीटें घटाए जाने की आशंका को लेकर राजनीतिक दलों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। संविधान के 84वें संशोधन (2002) के तहत 2026 तक परिसीमन पर रोक लगाई गई थी। अब केंद्र सरकार द्वारा गठित परिसीमन आयोग नए सिरे से सीटों और सीमाओं का निर्धारण करेगा। वर्तमान में झारखंड विधानसभा में 81 निर्वाचित सीटें हैं। जो अब 2027 के जनगणना के आंकड़े आने के बाद एक बार फिर से विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन होगा। परिसीमन के बाद आबादी के अनुपात के आधार पर झारखंड विधानसभा में सीटों की संख्या बढ़कर 108 से 125 या उससे अधिक हो सकती है। अगर सीटें 120 पार करती हैं तो राज्य में विधान परिषद के गठन का रास्ता साफ हो सकता है। झामुमो ने स्पष्ट कर दिया है कि परिसीमन के नाम पर राज्य में अनुसूचित जनजाति की आरक्षित लोकसभा व विधानसभा सीटें घटाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम हेमंत से मिला चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रतिनिधिमंडल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फ़ेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में उद्योग, व्यापार और निवेश के मौजूदा परिदृश्य पर सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि फ़ेडरेशन की ओर से जल्द ही एक राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें राज्यभर के उद्योगपति, व्यापारी और उद्यमी शामिल होंगे। प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और उद्योग एवं व्यापार से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर फ़ेडरेशन के अध्यक्ष आदित्य

मलहोत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया एवं राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, उदयशंकर, रमेश कुमार चिनी, विनय अग्रवाल, पलामू चैंबर के अध्यक्ष आनंद शंकर, कार्यकारिणी सदस्य फिराजुद्दीन और गुमला चैंबर के सदस्य अमर प्रदीप सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

जमशेदपुर के छह थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। बिस्टुपुर बार चाकूबाजी में इलाजरत हिमांशु की मौत के बाद शहर में तनाव का माहौल है। हालात पर नियंत्रण रखने के लिए धालभूम के अनुमंडल दंडाधिकारी ने शहर के छह थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। बार विवाद के बाद शहर की जनता में आक्रोश है। पुलिस के समक्ष हुई चाकूबाजी में दो युवक हिमांशु और प्रत्युष घायल हुए थे जिनमें हिमांशु की मौत इलाज के दौरान हुई है जबकि प्रत्युष का इलाज कोलकाता में चल रहा है। इधर हिंसक वारदात के बाद शहर में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। मामले में धरना-प्रदर्शन और कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। धालभूम के अनुमंडल दंडाधिकारी अर्नव मिश्रा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत शहर के कई प्रमुख थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। प्रशासन को खुफिया तंत्र और विभिन्न सूत्र से सूचना मिली थी कि बार विवाद को लेकर कुछ संगठनों द्वारा धरना-प्रदर्शन, रोड जाम, जुलूस निकालने की तैयारी की जा रही है। यह आदेश 1 जुलाई 2026 से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।

सीमेंट प्लांट बंद होने के विरोध में चाईबासा तक की महापदयात्रा

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के ऐतिहासिक सीमेंट कारखाना को बंद करने के प्रस्ताव के विरोध में बुधवार को झींकपानी से चाईबासा तक विशाल महापदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में सीमेंट प्लांट के मजदूरों के साथ ग्रामीण, छोटे व्यवसायी, सब्जी विक्रेता, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। आंदोलनकारियों ने कारखाने को बंद करने के निर्णय को वापस लेने की मांग करते हुए उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि करीब 80 वर्ष पुराने इस ऐतिहासिक सीमेंट प्लांट को 16 अगस्त से स्थायी रूप से बंद करने का नोटिस जारी किया गया है। कर्मचारियों का मानना है कि अगर यह फैसला लागू होता है तो इसका असर केवल कारखाने तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इससे पूरे झींकपानी और टोंटो क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

गौरवपूर्ण 37 वां वर्ष

NBT नवबिहार टाइम्स

नवबिहार टाइम्स के 37 वें स्थापना दिवस पर

सम्मान-सह-सांस्कृतिक समारोह

तिथि एवं समयः 4 जुलाई 2026 (शनिवार) संध्या 7 बजे से

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

स्थान-ए एन कॉलेज सभागार, बोरिंग रोड, पटना

सम्पर्क सूत्रः 7295863300 6206165107

सांस्कृतिक प्रस्तुतिः मुम्बई, कोलकाता एवं पटना के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा

बरौनी रिफाइनरी ने किया 210 किलोवाट पीक रूफटॉप सोलर पीवी सिस्टम स्थापित

कुल नवीकरणीय उर्जा 2.71 से बढ़कर 2.92 मेगावाट हुई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। बरौनी रिफाइनरी ने अपने सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) अभियान में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि स्थापित करते हुए 25 जून को बीआर-09 परियोजना के अंतर्गत एसआरआर-01 का 210 किलोवाट पीक (केवीपी) रूफटॉप सोलर पीवी सिस्टम सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। 210 किलोवाट पीक रूफटॉप सोलर पीवी सिस्टम का उद्घाटन सत्य प्रकाश, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख द्वारा किया गया। इस नई स्थापना के साथ, बरौनी रिफाइनरी की कुल नवीकरणीय ऊर्ज़ा क्षमता 2.71 मेगावाट से बढ़कर 2.92 मेगावाट हो गई है। जो इंडियनऑयल की स्वच्छ एवं सतत ऊर्ज़ा के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है। इसके पूर्व, बरौनी रिफाइनरी ने 25 अप्रैल को सबस्टेशन-44 पर 140 किलोवाट पीक (केवीपी) रूफटॉप सोलर पीवी सिस्टम का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया था जिसके परिणामस्वरूप रिफाइनरी की नवीकरणीय ऊर्ज़ा क्षमता 2.57 मेगावाट से बढ़कर 2.71 मेगावाट हो गई थी। इस परियोजना का आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव अत्यंत उल्लेखनीय है। इससे प्रतिवर्ष लगभग 30 लाख रुपये की ऊर्ज़ा बचत होने का अनुमान है। साथ ही, यह पहल प्रति वर्ष लगभग 1.57 लाख किलोग्राम को 2 उत्सर्जन में कमी लाकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगी। यह उपलब्धि बीआर-09 परियोजना के अंतर्गत चौथे रूफटॉप सोलर पीवी सिस्टम के सफल कमीशनिंग को दर्शाती है। नवीकरणीय ऊर्ज़ा क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ यह उपलब्धि बरौनी रिफाइनरी की संचालन उत्कृष्टता, पर्यावरणीय संरक्षण और स्वच्छ ऊर्ज़ा अपनाने की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करती है, जो इंडियनऑयल के नेट-जीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक (परियोजना एवं कोर ग्रुप) संजय रायजादा, मुख्य महाप्रबंधक (कोर ग्रुप) राजू मशाहारी, मुख्य महाप्रबंधक (कोर ग्रुप), रिफाइनरीज़ मुख्यालय, पीयूष डुंगराकोटी, महाप्रबंधक (परियोजना) रिफाइनरीज़ मुख्यालय, अजय सिंह, साथ ही पीएमसी (म/स टोयो), एलएसटीके ठेकेदार (म/स इसीजीईसी) के प्रतिनिधि तथा इंडियनऑयल परियोजना एवं कोर ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

बरौनी रिफाइनरी ने किया स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। बरौनी रिफाइनरी में बुधवार को स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ बड़े उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ किया गया। स्वच्छ भारत अभियान की भावना को आगे बढ़ाते हुए यह आयोजन इस वर्ष के केंद्रीय संदेश किसी की जिम्मेदारी है को समर्पित है।

कार्यक्रम की शुरुआत कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश के नेतृत्व में हुई। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक (परियोजना एवं कोर ग्रुप) संजय रायजादा, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) भास्कर हजारिका, मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) एस के सरकार, मुख्य महाप्रबंधक (टीएस एवं एचएसई) हंसराज गणवीर, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त) ए पी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (कोर ग्रुप) राजू माशाहारी, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) पी आर पराते, तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इस पखवाड़े का उद्देश्य यह भावना विकसित करना है कि स्वच्छता की जिम्मेदारी हर व्यक्ति की है चाहे वह कार्यस्थल हो, घर हो या आसपास का परिवेश। बरौनी रिफाइनरी ने इस दिशा में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए न केवल रिफाइनरी परिसर और टाउनशिप, बल्कि आसपास के गांवों में भी स्वच्छता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें स्वच्छता प्रतियोगिताएं, जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण, नुक्कड़ नाटक, ऑनलाइन वेबिनार और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम शामिल हैं। इसके साथ ही शौचालय निर्माण, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, ग्राम पंचायतों को ब्लीचिंग पाउडर का वितरण, तथा स्वच्छता किट का वितरण भी किया जाएगा। इस अवसर पर रिफाइनरी प्रमुख सहित सभी कर्मचारियोंने श्रमदान कर यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल निर्देशों से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत सहभागिता से संभव होती है। बरौनी रिफाइनरी ने आसपास के गांवों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष पहल भी की। एल.ई.डी. युक्त स्वच्छता जागरूकता रथ को सत्य प्रकाश द्वारा रिफाइनरी गेट संख्या 1 से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर स्वच्छता के संदेश का प्रसार करेगा। इसके अतिरिक्त, गांवों की छोटी-छोटी गलियों तक संदेश पहुंचाने हेतु स्वच्छता ई-रिक्शा भी प्रारंभ किया गया।यह पखवाडा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। एक ऐसा प्रयास जिसमें हर कर्मचारी, हर नागरिक और हर समुदाय मिलकर यह संकल्प ले कि स्वच्छता केवल सरकार या संगठन की नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। बरौनी रिफाइनरी का यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सहभागिता को भी सुदृढ़ करता है। यही सच्चे अर्थों में स्वच्छ भारतकी ओर बढ़ता हुआ कदम है।

भागलपुर में 11 व 12 जुलाई को होगा स्वदेशी जागरण मंच का प्रांतीय विचार वर्ग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। स्वदेशी जागरण मंच का दक्षिण बिहार का प्रांत स्तरीय दो दिवसीय विचार वर्ग 11 एवं 12 जुलाई को भागलपुर में आयोजित होगा। जिसमें दक्षिण बिहार के विभिन्न जिलों से आने वाले कार्यकर्ताओं को वैचारिक, आर्थिक एवं सामाजिक विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्वदेशी जागरण मंच के भागलपुर जिला संयोजक रणजीत राय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। जिसके बाबत इस विचार वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में स्वदेशी विचार, राष्ट्रीय चिंतन और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करना है। सदस्यों को यह बताया गया कि विचार वर्ग के दौरान एकात्म मानवदर्शन, स्वदेशी जागरण मंच का इतिहास एवं विकास, विकास भी विरासत भी, वर्तमान वैश्विक राजनीतिक एवं आर्थिक परिदृश्य, स्वावलंबी भारत, स्वरोजगार सृजन, जैविक कृषि तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मंच के मीडिया प्रभारी डॉ इन्दुभूषण झा ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने और समाज के विभिन्न वर्गों तक स्वदेशी विचार पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा होगी। साथ ही विचार वर्ग की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं एवं दायित्वों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभाग संयोजक निर्दोष मिश्रा, विचार वर्ग आयोजन समिति के संयोजक शेखर घोष, डॉ. प्रियतम सिन्हा, शिक्षाविद उत्तम कुमार, भागलपुर महानगर के सह संयोजक विनोद यादव, डॉ. कृष्ण बिहारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में शिक्षक-पेंशनरों का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। बिहार राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुटाब), पटना के आह्वान पर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर में शिक्षकों और पेंशनर्स ने एक दिवसीय शांतिपूर्ण प्रतिरोध-प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं पेंशनर्स की जायज मांगों, जैसे वेतन, पेंशन, एनपीएस के समयबद्ध भुगतान एवं नियमित पदोन्नति प्रक्रिया की प्रभावी व्यवस्था करने तथा राज्य सरकार द्वारा बेहतर व मानवीय कार्य-स्थिति मानदंडों को लागू करने के समर्थन में आयोजित किया गया था। शिक्षक संघ के सचिव डॉ0 आमिर महमूद ने बताया कि सभी शिक्षक और पेंशनर्स अपने शैक्षणिक व प्रशासनिक दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए इस आंदोलन में शामिल हुए। प्रो0 विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि यह अति संवेदनहीनता है कि पेंशनरों को और वेतन भोगियों को कई कई महीने वेतन एवं पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ता है। हर एक कार्य के लिए इतना विलंब होना यह शासन एवं प्रशासन की नाकामियां प्रदर्शित करता है। प्रो0 सत्येंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि जहां का शासन शिक्षकों को संतुष्ट नहीं कर सकता वह राज्य या देश निश्चित ही गर्त की ओर चला जाता है और उसका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। प्रो0 कमल सिंह ने कहा कि हमें वेतन और पेंशन के लिए यहां आ करके धरना देना पड़ रहा है हमारे अवकाश प्राप्त हुए भी 10 से 12 साल हो गए हैं फिर भी हम यहां धरने और प्रदर्शन करने पड़ रहे हैं बड़े दुर्भाग्य की बात है। प्रो0 किस्मत कुमार सिंह ने कहा कि फिर तीन महीने और चार-चार महीने तक वेतन का ना मिलना अति दुखदाई है। कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ अमित कुमार ने किया तथा नियमित वेतन एवं पेंशन का भुगतान होते रहे। इसके लिए प्रतिबद्धता जाहिर करें शासन एवं प्रशासन इस दिशा को तय करने के लिए आगे भी आंदोलन को धार दिया जाएगा इस निर्णय के साथ स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के सभी सदस्य सचिव डॉ आमिर मोहम्मद उपाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार एवं उपाध्यक्ष डॉ ट्विंकल केसरी, संयुक्त सचिव डॉ0 किरण शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ रामधनी राम, सदस्य डॉ0 फौजिया रहमान, सदस्य प्रियंका पाठक, सदस्य कुमारी प्रीतिका, अंकित मिश्रा आदि उपस्थित थे। इसके अलावा प्रो0 विजय कुमार सिंह, प्रो0 विश्वनाथ चौधरी, प्रो0 उमेश कुमार,डॉ0 पूनम त्रिपाठी, डॉ लक्ष्मी कुमारी डॉ0 एम डी रहमान, डॉ0 अन्नपूर्णा प्रसाद, डॉ अमरेंद्र नारायण, प्रो0 यशवंत कुमार, प्रो0 संजय सिंह, राजा राम सिंह, बलराम मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार, बृजेश कुमार, प्रो राजेंद्र प्रसाद, श्री प्रकाश राय,डॉ सत्येंद्र पांडेय, डॉ वाचस्पति दुबे, चंद्र किशोर सिंह, नरेंद्र कुमार सिंह राघवेंद्र प्रसाद सिंह आनंद भूषण पाण्डेय, पूर्ति माहौर, डॉ नवनीत कुमार राय, डॉ निलम्बुज सिंह, डॉ मुकेश कुमार राम प्रो पुष्पा द्विवेदी, प्रो अवध बिहारी सिंह, राधा मोहन सिंह, प्रो मृत्युंजय सिंह आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर शहर के आनंद अस्पताल में भाजपा (चिकित्सा प्रकोष्ठ) की तरफ से एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य चिकित्सक डॉ. के. एन. सिन्हा, डॉ. सागर आनंद एवं डॉ. सत्यम आनंद थे। डॉ. के.एन. सिन्हा ने कहा कि आज का दिन स्व. डॉ वी. सी. राय (डॉ. विधान चंद्र राय जी) की स्मृति में मनाया जाता है, जो डॉक्टर समाज के लिए एक आदर्श थे। एक कुशल चिकित्सक होने के साथ-साथ वह एक कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। बंगाल में वर्षों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किये। मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए भी वह गरीबों को और जरूरतमंदों को निःशुल्क देखा करते थे, उन्हें कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मान और उपाधियों से सम्मानित किया गया। डॉ. सागर आनंद ने कहा कि मैं अपने आदर्श पुरुष डॉ. बी. सी. राय के पद चिन्हों पर चलने का प्रयास और मेहनत करूंगा। डॉ. सत्यम आनंद ने कहा कि मुझे सम्मानित कर जनता ने और जिम्मेवारी देकर कर्तव्य बोध कराया। कार्यक्रम के अंत में एक जन संवाद सेमिनार का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टर और जनता के बीच के संबंधों के बारे में विचार विमर्श हुआ। जनता ने डॉक्टरों की सेवा के बदले में कृतज्ञता जाहिर की एवं उन्हें दीर्घायु होने, स्वस्थ रहने की शुभकामना दी। इस अवसर डॉ. जीउत शर्मा, डॉ. डी.एन. उपाध्याय, अवकाश प्राप्त डीएसपी अविनाश कुमार, डीएवी स्कूल की शिक्षिका अनीता सिंह, लल्लू भाई, दीपक, चर्च के फादर अनिल जीउत, समाजसेवी अमरदीप जय, अजीत कुमार मिश्रा और भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के डॉ. संदीप कुमार सिन्हा, भाजपा उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह आदि थे।

किरण नेत्रालय में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बरौनी। डॉक्टर्स डे के अवसर पर बुधवार को किरण नेत्रालय सेवा समिति, फुलवरिया (तारा अड्डा, ऑक्सीजन फैक्ट्री के निकट, कैड़ीबाड़ी, बरौनी) के तत्वावधान में किरण नेत्रालय अस्पताल में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। पिछले 15 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहे इस शिविर में इस वर्ष करीब 200 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाएं, चश्मे एवं आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया गया।किरण नेत्रालय के निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि संस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इसी संकल्प के तहत प्रत्येक वर्ष डॉक्टर्स डे पर निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जाता है, ताकि अधिक से अधिक लोग समय पर अपनी आंखों की जांच करा सकें। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें किरण नेत्रालय में ऑपरेशन के लिए आमंत्रित किया गया है। जिन मरीजों का ऑपरेशन आवश्यक होगा, उनका कम खर्च में आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण तकनीक से सुरक्षित ऑपरेशन किया जाएगा। डॉ अजीत कुमार ने जानकारी दी कि किरण नेत्रालय में अत्याधुनिक कंप्यूटरीकृत नेत्र जांच की सुविधा उपलब्ध है। यहां प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक बिना टांके की आधुनिक तकनीक से मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाता है। ऑपरेशन कराने वाले मरीजों को मुफ्त दवा, काला चश्मा, भोजन तथा शीतकाल में कंबल भी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि किरण नेत्रालय सेवा समिति द्वारा गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, दुर्गा पूजा एवं डॉक्टर्स डे जैसे विशेष अवसरों पर नियमित रूप से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों से क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।शिविर को सफल बनाने में ऑप्टोमेट्रिस्ट रितिक कुमार, सोनाली भारती, इंद्रजीत मिश्रा, त्रिलोकीनाथ, मिंटू पासवान, आरती कुमारी, बादल कुमार, डॉ. बासु, डॉ. ओम कुमार, राहुल, ईशान सहित किरण नेत्रालय सेवा समिति के सभी कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

एक नजर

केंद्रीय विद्यालय निर्माण की दिशा में बड़ा कदम, 5 एकड़ भूमि का निबंधन संपन्न

आरा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भोजपुर जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में नए केंद्रीय विद्यालय के निर्माण हेतु प्रस्तावित 5 एकड़ सरकारी भूमि का निबंधन (रजिस्ट्रेशन) आज दिनांक 01 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इससे जिले में नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना का मार्ग और अधिक प्रशस्त हो गया है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा आरा सदर अंचल के धनुपरा मौजा स्थित 5 एकड़ गैरमजरुआ मालिक भूमि को नए केंद्रीय विद्यालय के निर्माण हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) के पक्ष में 30 वर्षों की लीज पर टोकन मूल्य 1 पर बंदोबस्त किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई थी। इसके बाद आज भूमि का विधिवत निबंधन भी पूरा कर लिया गया। निबंधन प्रक्रिया पूर्ण होने पर केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य श्री शहनवाज अहमद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग, मार्गदर्शन एवं विशेष पहल से यह महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। भूमि निबंधन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब नए केंद्रीय विद्यालय के भवन निर्माण की दिशा में आगे की कार्रवाई तेज होने की उम्मीद है, जिससे भोजपुर जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण केंद्रीय शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

क्षतिग्रस्त पुलिया का विधायक ने लिया जायजा

शाहपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुहिया बुझाराय के डेरा पथ पर हिरखी पिपरा के समीप स्थित क्षतिग्रस्त पुलिया की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक राकेश रंजन मंगलवार को मौके पर पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से पुलिया की स्थिति एवं आवागमन में हो रही परेशानियों की जानकारी ली। साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों से भी क्षति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विधायक ने क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण आम लोगों को हो रही कठिनाइयों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिया को जल्द से जल्द सुरक्षित एवं सुचारु बनाया जाए। ताकि लोगों की आवाजाही सामान्य हो सके। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक इंतजाम करने और कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनसुविधाओं की रक्षा तथा नागरिकों की सुरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिया की मरम्मत कार्य की नियमित निगरानी की जाएगी और इसे जल्द पूरा कराया जाएगा।

जीवीबीरामजी के नए स्वरूप की दी गई जानकारी

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा भवन के सभागार में बुधवार को जी विकसित भारत-रामजी (जीवीबीरामजी) कार्यक्रम के नए स्वरूप की जानकारी देने के उद्देश्य से उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, मनरेगा कर्मियों एवं मजदूर मेठों ने भाग लेकर योजना के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम पदाधिकारी (पीओ) श्रीकांत ने की। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई से पूरे देश में मनरेगा का संचालन जी विकसित भारत-रामजी के नए स्वरूप में किया जा रहा है। इसके तहत अब पात्र मजदूरों को एक वर्ष में 100 दिनों के बजाय 125 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इच्छुक मजदूर आवेदन देकर अपने गृह पंचायत अथवा निकटवर्ती पंचायत में काम प्राप्त कर सकेंगे। यदि निर्धारित समय में रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान है। साथ ही मजदूरी दर को 255 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है। पीओ ने बताया कि योजना के संचालन में अब केंद्र एवं राज्य सरकार की 60:40 प्रतिशत की साझेदारी होगी।

प्रखंड के सभी विद्यालयों में शुरू हुई त्रैमासिक परीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखंड के विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बुधवार से नवम, दशम एवं बारहवीं कक्षा की त्रैमासिक परीक्षा शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं कदाचारमुक्त वातावरण में शुरू हो गई। सभी परीक्षा केंद्रों पर शिक्षकों की कड़ी निगरानी में परीक्षा आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार प्रथम दिन नवम एवं दशम कक्षा की प्रथम पाली में हिंदी तथा द्वितीय पाली में संस्कृत विषय की परीक्षा ली गई। वहीं बारहवीं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की प्रथम पाली में भौतिकी एवं द्वितीय पाली में रसायन विज्ञान तथा कला संकाय के विद्यार्थियों की प्रथम पाली में दर्शनशास्त्र एवं द्वितीय पाली में राजनीति विज्ञान की परीक्षा आयोजित की गई। बौधू सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रविकिशन ने बताया कि नवम कक्षा के 268, दशम के 273 एवं बारहवीं के 40 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रजाकपुर के प्रधानाध्यापक अरुण कुमार के अनुसार नवम के 207, दशम के 241 तथा बारहवीं के 78 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए। एपीएस उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक गणेश झा ने बताया कि नवम के 348, दशम के 268 तथा बारहवीं के 240 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। प्रखंड का यह इकलौता विद्यालय जिसमें मॉडल विद्यालय के नवम वर्ग के 40 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चकमुजफ्फर के प्रधानाध्यापक नंदकिशोर पंडित ने बताया कि नवम के 290, दशम के 200 एवं बारहवीं के 200 विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अकहा ररिऔना के प्रधानाध्यापक सरोज कुमार ने बताया कि नवम के 135, दशम के 127 एवं बारहवीं के 120 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सैदपुर विष्णुपुर के प्रधानाध्यापक अभिषेक आनंद ने बताया कि नवम के 70, दशम के 65 तथा बारहवीं विज्ञान संकाय के 38 एवं कला संकाय के 22 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर हेल्थ केयर क्लिनिक में सम्मान समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरौनी (बेगूसराय)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बरौनी स्थित हेल्थ केयर क्लीनिक में बुधवार को गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सकों की सेवा, समर्पण और मानवता के प्रति उनके अमूल्य योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान मोहम्मद गयासुद्दीन एवं डॉ. गणेश ने संयुक्त रूप से चिकित्सकों की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टर केवल बीमारियों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की निष्ठा और समर्पण से समाज को स्वस्थ और सुरक्षित जीवन मिलता है। इस अवसर पर डॉ. गणेश, डॉ. आकाश एवं डॉ. रौशनी प्रवीण ने क्लीनिक परिवार के सदस्यों के साथ केक काटकर समारोह की शुरुआत की और सभी को चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उपस्थित लोगों ने डॉक्टरों की सेवा भावना, कर्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में क्लीनिक के चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं सहयोगियों ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मोहम्मद गयासुद्दीन, मुर्तुजा आलम, मंचन कुमार, तनवीर आलम, जुनैद अयान, खुशबू चौधरी, अमिता सिन्हा, जूही कुमारी, रिंकी कुमारी, निश्चय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के अंत में डॉ. जी. कुमार ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन समाज की बेहतर स्वास्थ्य सेवा और मानवता की निरंतर सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

भगवानपुर में एबीवीपी का छात्र सम्मेलन संपन्न

भगवानपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में मंगलवार को भगवानपुर में भव्य छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रखंड भर के लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर भगवानपुर नगर इकाई का विधिवत गठन कर नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज अध्यक्ष रघुवीर कुमार ने की, जबकि मंच संचालन शशि कुमार ने किया। सम्मेलन में उत्तर बिहार प्रदेश सोशल मीडिया सह संयोजक विकास कुमार झा, निवर्तमान जिला सह संयोजक गोविंद कुमार, अनुमंडल प्रमुख रजनीश कुमार तथा जिला सेवा कार्य प्रमुख प्रिंस प्रभाकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। नई नगर इकाई में भीम को नगर अध्यक्ष, वैभव को नगर उपाध्यक्ष और गौरव कुमार को नगर मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। तरुण कुमार, सौरव जोशी एवं रोहित पाठक को नगर सह मंत्री, विशाल कुमार को सोशल मीडिया संयोजक, कुंदन कुमार को एसएफडी संयोजक, धीरज कुमार को एसएफएस संयोजक, अमन कुमार को कोषाध्यक्ष तथा शिवम कुमार को खेलो भारत संयोजक मनोनीत किया गया। प्रियांशु, प्रमोद, नीतीश, मिथुन एवं आजाद कुमार को नगर कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर अनुमंडल प्रमुख रजनीश कुमार एवं विकास कुमार झा ने कहा कि विद्यार्थी परिषद का मूल मंत्र ज्ञान, शील और एकता है। एबीवीपी छात्र हित और राष्ट्रहित के लिए समर्पित संगठन है, जहां पद विशेषाधिकार नहीं बल्कि समाज और संगठन के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक होता है। संगठन का उद्देश्य केवल छात्र राजनीति नहीं, बल्कि शिक्षण संस्थानों में रचनात्मक एवं राष्ट्रवादी वातावरण का निर्माण करना है।जिला सेवा कार्य प्रमुख प्रिंस प्रभाकर एवं गोविंद कुमार ने कहा कि नई टीम कॉलेज परिसरों में शैक्षणिक समस्याओं, समय पर परीक्षा और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर लोकतांत्रिक व अनुशासित तरीके से संघर्ष करेगी और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

प्रथम तिमाही में नगर निगम को मिले 6.09 करोड़ रुपये

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) में हजारीबाग नगर निगम को विभिन्न वार्डों से कुल 6 करोड़ 9 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। इस अवधि में निगम क्षेत्र में 649 नए हाउसहोल्ड का पंजीकरण भी किया गया है। नगर निगम क्षेत्र में सूचीबद्ध लगभग 42 हजार हाउसहोल्ड से प्रतिवर्ष करीब 18 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है, जो शहर के विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हजारीबाग नगर निगम द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राजस्व संग्रहण के मामले में वार्ड संख्या 12 सबसे आगे रहा। इस वार्ड से प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ 2 लाख 2 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त होता है, जबकि चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही यहां से लगभग 38 लाख रुपये की वसूली की गई है। राजस्व संग्रहण में वार्ड संख्या 5 दूसरे स्थान पर रहा, जहां वार्षिक राजस्व 94 लाख 98 हजार रुपये निर्धारित है और अप्रैल से जून के बीच करीब 38 लाख रुपये जमा हुए हैं। वहीं वार्ड संख्या 13 तीसरे स्थान पर रहा, जहां से प्रतिवर्ष लगभग 92 लाख 20 हजार रुपये राजस्व प्राप्त होता है तथा प्रथम तिमाही में करीब 34 लाख रुपये का संग्रह किया गया है। इसके अलावा वार्ड संख्या 6 से 35 लाख रुपये, वार्ड संख्या 8 से 25.50 लाख रुपये तथा वार्ड संख्या 7 से 20.58 लाख रुपये राजस्व के रूप में प्राप्त हुआ है। दूसरी ओर, वार्ड संख्या 1 राजस्व संग्रहण के मामले में सबसे पीछे रहा। इस वार्ड की वार्षिक देय राशि 20 लाख 32 हजार रुपये है, लेकिन पहली तिमाही में यहां से केवल 6.39 लाख रुपये ही जमा हो सके हैं। नगर निगम प्रशासन ने समय पर होल्डिंग टैक्स एवं अन्य करों का भुगतान करने वाले नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। निगम अधिकारियों का कहना है कि नागरिकों द्वारा जमा किए गए कर की राशि से ही शहर में सड़क निर्माण, नाली व्यवस्था, स्वच्छता अभियान, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट की स्थापना एवं रखरखाव सहित अन्य आवश्यक सेवाओं का संचालन किया जाता है। हजारीबाग नगर निगम ने बताया कि शहर के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, पेयजल आपूर्ति में सुधार, प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा आधारभूत संरचना के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय पर करों का भुगतान करें, ताकि शहर के विकास की गति और तेज हो सके तथा सभी वार्डों में बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

गिरिडीह में 1 से 10 जुलाई तक विशेष राजस्व शिविर अभियान शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले के लोगों को भूमि एवं राजस्व संबंधी सेवाएं घर के नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने 1 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक विशेष राजस्व शिविर अभियान की शुरुआत की है। उपायुक्त सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले के सभी अंचलों की कुल 124 पंचायतों में हल्कावार विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जाएंगे। उपायुक्त ने बताया कि शिविरों का उद्देश्य भूमि एवं राजस्व से जुड़े लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करना तथा आमजनों को पारदर्शी और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया है कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें और प्रत्येक दिन की प्रगति रिपोर्ट जिला स्तर पर उपलब्ध कराएं। इन विशेष शिविरों में भू-लगान जमा, दाखिल-खारिज (म्यूटेशन), जमाबंदी सुधार, भूमि अभिलेखों की त्रुटि सुधार, ऑनलाइन लगान रसीद, सीमांकन, भूमि विवादों से संबंधित आवेदन सहित अन्य राजस्व मामलों का निष्पादन किया जाएगा।जिला प्रशासन के अनुसार, शिविरों का आयोजन बेंगाबाद, पीरटांड़, बगोदर, सरिया, तिसरी, गांडेय, डुमरी, बिरनी, गिरिडीह सदर, देवरी, धनवार, गावां तथा जमुआ अंचलों की विभिन्न पंचायतों में निर्धारित तिथियों के अनुसार किया जाएगा। प्रत्येक शिविर में संबंधित हल्का कर्मचारी, राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपनी पंचायत में निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर से राहत दिलाना तथा लंबित राजस्व मामलों का शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

पतरातू में युवा राजद का 'युवा संवाद-युवा चौपाल' संपन्न, जिला अध्यक्ष इरफान आलम सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। रामगढ़ युवा राष्ट्रीय जनता दल (राजद), झारखंड द्वारा पतरातु स्थित मिडवे रिसोर्ट में आयोजित "युवा संवाद युवा चौपाल" कार्यक्रम का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यभर से आए युवा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया समारोह के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के गिरिडीह जिला अध्यक्ष इरफान आलम को उनके संगठनात्मक कार्यों एवं सक्रिय जनसेवा के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष रंजन प्रसाद यादव, राजद प्रदेश महासचिव कमलेश यादव, प्रदेश सचिव हाजी इनामुल हक तथा प्रदेश प्रवक्ता क्षितिज मिश्रा सहित अन्य नेताओं ने मेडल, स्मृति चिह्न,बुके पुस्तक एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि इरफान आलम अपने क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर जनता के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं और संगठन को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी भविष्य में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देने पर विचार करेगी। साथ ही उन्होंने गिरिडीह जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में राजद संगठन को मजबूत करने और आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटने का आह्वान किया कार्यक्रम में राजद प्रदेश अध्यक्ष एवं हुसैनाबाद विधायक संजय सिंह यादव, झारखंड सरकार के मंत्री संजय प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा, चतरा लोकसभा एवं कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव, औरंगाबाद सांसद अभय कुशवाहा, वरिष्ठ नेता गिरधारी गोप, युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के आयोजक रंजन प्रसाद यादव, प्रदेश सचिव इनामुल हक सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सभी वक्ताओं ने संगठन को गांव और बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, सामाजिक न्याय की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं को राजनीति और जनसेवा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। नेताओं ने संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने तथा वंचित, शोषित, दलित, आदिवासी, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया कार्यक्रम का समापन "सामाजिक न्याय ही हमारा संकल्प, युवाओं की भागीदारी ही हमारी ताकत" के संदेश के साथ हुआ। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा राजद की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सांसद मनीष जायसवाल के दो साल-बेमिसाल

एनडीए विधायकों और नेताओं ने सांसद मनीष जायसवाल के सेवा और विकास कार्यों को सराहा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के कार्यकाल के सफल दो वर्ष पूर्ण होने पर एनडीए गठबंधन के विधायकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सांसद मनीष जायसवाल के उपलब्धियों को लेकर पैराडाइज रिसॉर्ट में आयोजित एक विशेष प्रेस-वार्ता के दौरान उन्हें संयुक्त रूप से बधाई दिया। इस अवसर पर सदर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद, मांडू विधानसभा क्षेत्र के आजसू पार्टी के विधायक निर्मल महतो उर्फ़ तिवारी महतो, हजारीबाग भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, हजारीबाग आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो और रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बबला सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने सांसद मनीष जायसवाल के जनहित के सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और उनके कार्यकाल को बेमिसाल बताया। प्रेस-वार्ता में नेताओं ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल निरंतर अपने क्षेत्र के लोगों के बीच समय व्यतीत करते हैं और हर सुख-दुख में उनके सहभागी बनते हैं। उन्होंने क्षेत्र के विकास, उत्थान और जनता की समस्याओं को लेकर सड़क से लेकर देश के सर्वोच्च सदन तक हमेशा पूरी मुखरता के साथ आवाज बुलंद की है, जो उनकी जन-प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ का मनाया गया 76वां स्थापना दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। एलआईसी शाखा कार्यालय, गिरिडीह में बुधवार को अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ का 76वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ की उपाध्यक्ष कुमकुम बाला वर्मा द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन मंडलीय सांगठनिक सचिव अनुराग मुर्मू ने किया संघ के सचिव धर्म प्रकाश ने स्थापना दिवस के अवसर पर संघ के इतिहास और योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ की स्थापना 1 जुलाई 1951 को हुई थी। उन्होंने कहा कि संघ ने स्थापना काल से ही बीमा क्षेत्र के राष्ट्रीयकरण की मांग को लेकर संघर्ष किया, जिसके परिणामस्वरूप देश की 250 निजी बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण हुआ और 1 सितंबर 1956 को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की स्थापना हुई उन्होंने कहा कि एलआईसी ने 5 करोड़ रुपये की पूंजी से शुरुआत कर आज 55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियां अर्जित कर ली हैं। देश की आर्थिक मजबूती में एलआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है तथा आधारभूत संरचना के विकास में निगम ने 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।धर्म प्रकाश ने केंद्र सरकार द्वारा एलआईसी के शेयरों के विनिवेश पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची गई और अब 7 प्रतिशत अतिरिक्त शेयरों के विनिवेश की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने इसे निगम को कमजोर करने और निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाला कदम बताते हुए कहा कि संघ सरकार की निगम विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन करेगा स्थापना दिवस के अवसर पर एलआईसी शाखा कार्यालय परिसर में सत्तू शर्बत वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें 500 से अधिक लोगों को शर्बत पिलाया गया कार्यक्रम में पेंशनर संघ के लक्ष्मी नारायण गुप्ता, संहिता सरकार, डेनियल मरांडी तथा बीमा कर्मचारी संघ के अनुराग मुर्मू, कुमकुम बाला वर्मा, विजय कुमार, राजेश कुमार उपाध्याय, उमानाथ झा, रोशन कुमार, सुनील कुमार वर्मा, राजेश कुमार, विनय कुमार, अंशु सिंघानिया, सबा प्रवीण, प्रदीप कुमार, अभय कुमार, मो. महफूज़ अली, कुलजीत कुमार, देवनाथ दास, प्रभाष कुमार, संजय कुमार शर्मा, प्रदीप प्रसाद, घनश्याम साव सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

हूल दिवस पर माले ने शहीदों को किया नमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। हूल दिवस के अवसर पर माले के जिला पार्टी कार्यालय में मंगलवार को श्रद्धा एवं संकल्प के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान हूल आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद किया गया सभा को संबोधित करते हुए माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि 1857 की क्रांति से पहले वर्ष 1855 में ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले महान क्रांतिकारियों ने इसी क्रांतिकारी धरती से आजादी के संघर्ष की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि हूल आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसने अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध संगठित प्रतिरोध की मिसाल पेश की जिला कमिटी सदस्य मधुसूदन कोल ने हूल दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आंदोलन आज भी समाज के कमजोर, वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से शहीदों के आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को आगे बढ़ाने का आह्वान किया कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने हूल आंदोलन के अमर शहीदों के सपनों को साकार करने तथा अन्याय और शोषण के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया इस अवसर पर लखन कोल, अखिलेश राज, तबारक चुन्नू, कन्हैया सिंह, नौशाद आलम, मोहन कोल, किशोर राय, दिलचंद कोल, एकराम अंसारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हॉस्टल से 17 वर्षीय छात्रा लापता, पिता ने दर्ज कराई शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पचंबा थाना क्षेत्र स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, चेताडीह से 17 वर्षीय छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर छात्रा के पिता ने पचंबा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए एक युवक पर बहला फुसलाकर अपनी पुत्री को ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 11 की छात्रा है। वह विद्यालय के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। 30 जून को विद्यालय में अवकाश होने के बाद जब परिजन उसे घर ले जाने पहुंचे, तो छात्रा हॉस्टल में नहीं मिली परिजनों ने अपने स्तर पर खोजबीन शुरू की। इसी दौरान जानकारी मिली कि 29 जून की सुबह करीब 9 बजे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तिलैया गांव निवासी दुलारचंद मंडल नामक युवक कथित रूप से छात्रा को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया घटना के बाद छात्रा के पिता ने पचंबा थाना में आवेदन देकर पुत्री की सकुशल बरामदगी और आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है तथा छात्रा की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

रोटरी गिरिडीह ने की रक्तदान शिविर व सेवा कार्यक्रमों के साथ नए सत्र की शुरुआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रोटरी गिरिडीह ने नए सत्र 2026-27 के प्रथम दिवस पर बुधवार को सेवा संकल्प के तहत कई जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए। रोटरी नेक्सजेन के सहयोग से रोटरी नेत्र चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन पूर्व जिलापाल शिव प्रकाश बागड़िया एवं उप जिलापाल रवि चूड़ीवाला ने किया। शिविर में 32 लोगों ने रक्तदान किया, जिनमें चार महिलाएं भी शामिल रहीं। सभी रक्तदाताओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस के अवसर पर शहर के 10 चिकित्सकों तथा दो चार्टर्ड अकाउंटेंट को पौधा और स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा रोटरी नेत्र चिकित्सालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा "रोटरी प्यार बांटते चलो" अभियान के तहत 100 जरूरतमंदों को भोजन कराया गया कार्यक्रमों के सफल आयोजन में रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, सचिव मनीष बर्णवाल, रोटरी नेक्सजेन के अध्यक्ष विशाल पिलानिया, सचिव अमर गुप्ता सहित रोटरी सदस्यों एवं ब्लड बैंक कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संजय ऑर्थोपीडिक स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर में निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर संजय ऑर्थोपीडिक स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर की ओर से निःशुल्क अस्थि, जोड़, रीढ़ तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। इस दौरान लोगों को हड्डियों, जोड़ों, रीढ़ तथा महिला स्वास्थ्य से संबंधित रोगों की रोकथाम, समय पर उपचार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। चिकित्सक दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं प्रसिद्ध अस्थि एवं स्पाइन शल्य चिकित्सक प्रो. डॉ. बी.के.एस. संजय ने जयपुर स्थित एफएम रेडियो तड़का के विशेष कार्यक्रम "लेट्स माइक" पॉडकास्ट में भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने नवज्योति समाचार पत्र को विशेष साक्षात्कार भी दिया। अपने संबोधन में उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल, सड़क सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में चिकित्सकों की बदलती और महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने और बीमारियों की रोकथाम के उपाय अपनाने की अपील करते हुए कहा कि जागरूकता और समय पर उपचार से बेहतर स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन सुनिश्चित किया जा सकता है। दिनभर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रो. डॉ. संजय ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भी भाग लिया। समारोह में विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों के उत्कृष्ट चिकित्सकों को स्वास्थ्य सेवा और समाज के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में प्रो. डॉ. संजय ने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि करुणा, नैतिकता, अनुशासन और मानव सेवा का आजीवन संकल्प है। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी चिकित्सकों द्वारा निभाई जा रही समर्पित सेवाओं की सराहना करते हुए चिकित्सा समुदाय से ईमानदारी, संवेदनशीलता और उत्कृष्टता के साथ समाज की सेवा जारी रखने का आह्वान किया। संजय ऑर्थोपीडिक स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम जनस्वास्थ्य जागरूकता, सामुदायिक सेवा तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की संस्थान की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण रहा। चिकित्सक दिवस पर आयोजित इस पहल ने समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति संस्थान की निरंतर सेवा भावना को भी रेखांकित किया।

गिरिडीह में जिला युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में मंगलवार को जिला युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक जिला अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, जनसमस्याओं के समाधान तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल ने कहा कि संगठन को सक्रिय एवं मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक माह कार्यकारिणी बैठक आयोजित की जाती है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य करेगी बैठक में एसआईआर (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को हो रही परेशानियों पर विशेष चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान में हरसंभव सहयोग करेंगे इसके अलावा कांग्रेस द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ समन्वय स्थापित कर बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने की रणनीति तैयार की गई। बैठक में युवा कांग्रेस के संगठन विस्तार, नए युवाओं को पार्टी से जोड़ने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया बैठक में युवा गिरिडीह विधानसभा अध्यक्ष बेलाल अहमद हुसैनी, विक्की ठाकुर, शहनवाज अंसारी, अल्तमश निसार, मेराजुल हक नाजरी, कैलाश यादव, मुदस्सिर, अयान, सचिन कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पाकुड़ में लगे कैंप में उमड़ी लोगों की भीड़

पाकुड़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड सरकार के निर्देश पर पाकुड़ जिले में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए प्रखंड स्तरीय कैंप लगाया गया। आयोजित कैंप में सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ी और लाइसेंस के लिए आवेदन दिया। शिविर में परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने ऑन स्पॉट दर्जनों लोगों के कागजात जांच करने के उपरांत लर्निंग लाइसेंस हाथों हाथ दे दिया। जिला परिवहन पदाधिकारी मुजाहिद अंसारी ने बताया कि सरकार का उद्देश्य है चालकों को सरल तरीके से ड्राइविंग लाइसेंस मुहैया कराया जाए ताकि बिना लाइसेंस के कोई भी व्यक्ति वाहन न चलाये और ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सड़क दुर्घटना को रोकने में सहयोग करें। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि प्रखंड कार्यालय में लगाए गए शिविर में सदर प्रखंड के ग्रामीण इलाकों से दर्जनों लोग आवेदन लेकर पहुंचे और उनके सारे दस्तावेजों की जांच के बाद टेस्ट लिया गया और हाथों हाथ लर्निंग लाइसेंस दिया गया। उन्होंने बताया कि लगाए गये शिविर में कार्यालय के सभी कर्मी और अधिकारी एक साथ बैठकर काम किया ताकि किसी भी व्यक्ति को ड्राइविंग लाइसेंस अप्लाई करने के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। डीटीओ ने बताया कि लाइसेंस लेने के लिए आवेदक को पहले ऑनलाइन आवेदन अपलोड कराना होगा। उन्होंने बताया कि आवेदक को अपना आईडी प्रूफ, जन्म प्रमाण पत्र, ब्लड ग्रुप, मेडिकल फिटनेस आदि जमा करना होगा और ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे कैंप या कार्यालय में बुलाकर एक टेस्ट लिया जायेगा और उसके बाद उसे लर्निंग लाइसेंस दिया जायेगा।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी/हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: वरिष्ठ डीईएन/मुख्यालय/हावड़ा के अधीन। **ई-निविदा सं.: 162_2026-27, कार्य का विवरण :** रेल सदन, हावड़ा में टाइप-V क्वार्टर, 12 यूनिट का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 4,81,55,634.35, **बयाना राशि:** रु. 9,63,100/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 10 (दस) माह। **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु.0.00 । यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 21.07.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतानः ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-180/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 28-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 30.06.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल में अण्डाल-सांइथिया, देवघर-दुमका, मोहनपुर जंक्शन-हंसडीहा खंड में लेवल क्रॉसिंग गेटों का इंटरलॉकिंग जिसका टीवीयू 10000 से अधिक है और आसनसोल मंडल में अण्डाल-बाराबानी, अण्डाल/एलसी-बखतारनगर, मधुपुर-गिरिडीह खंड में लेवल क्रॉसिंग गेटों का इंटरलॉकिंग जिसका टीवीयू 10000 से अधिक है "। **निविदा मूल्य:** रु. 14,78,98,341.23, **बयाना राशि:** रु. 29,58,000/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 22.07.2026 को 15.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/**

ASN-158/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइटः www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ट्रक ने बाइक सवार सास-दामाद को रौंदा

❑ आक्रोशित लोगों ने स्टेट हाइवे किया जाम

❑ बालू लदे ट्रक को पुलिस ने किया जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा । भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाईवे पर नसरपुर गांव के पास एक बालू लदा अनियंत्रित ट्रक बाइक सवार सास और दामाद पर चढ़ गया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद दोनों ट्रक के नीचे फंस गए और काफी दूर तक घिसटते चले गए। दुर्घटना की भयावहता देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाईवे जाम कर दिया। लोगों ने ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

सूचना मिलते ही संदेश थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। पुलिस ने हादसे में शामिल बालू लदे ट्रक को जब्त कर लिया है। साथ ही चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक तेज रफ्तार और अनियंत्रित था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और भारी वाहनों की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर बालू लदे ट्रकों की बेलगाम रफ्तार अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनती है।

लापता युवक की लाश बरामद

छपरा। जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बरदहियां कुंवर टोला में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी बहारन राम के 22 वर्षीय पुत्र बिट्टू राम के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में युवक की गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद मढ़ौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया।

घटना के संबंध में बताया गया कि बिट्टू राम मंगलवार शाम से घर से लापता था। परिजन पूरी रात उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित एक बगीचे में उसका शव पड़ा देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ सविंद्र कुमार दास और थानाध्यक्ष राज किशोर प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

अपने ही थाना में एएसआई रंगे हाथ धराया

निगरानी की टीम ने बिछा रखी थी थाने में जाल ❑ 10 हजार की मांग, 8 हजार में हुआ था सौदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के राजेपुर थाना में पदस्थापित एएसआई मुन्ना यादव को रिश्वत लेते हुए निगरानी विभाग की टीम ने रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि एएसआई ने एक विवादित मामले में कार्रवाई और समझौता कराने के नाम पर पीड़ित से रिश्वत मांगी थी। बुधवार को उन्होंने पीड़ित को थाने बुलाकर 8 हजार रुपये की रिश्वत ली, तभी निगरानी विभाग की टीम ने छापेमारी कर उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल टीम आरोपी से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी एएसआई मुन्ना यादव राजेपुर थाना में एक मामले के जांच अधिकारी थे। ग्रामीण बब्बन पासवान का अपने पड़ोसी मोहन पासवान से पहले से विवाद चल रहा था। आरोप है कि मामले में कार्रवाई करने के नाम पर मुन्ना यादव ने 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। बाद में दोनों के बीच 8 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। लगातार रिश्वत की मांग से परेशान होकर बब्बन पासवान ने पटना स्थित निगरानी विभाग से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद विभाग ने मामले का सत्यापन कराया। आरोप सही पाए जाने पर रिश्वतखोर एएसआई को पकड़ने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

बुधवार को निगरानी विभाग की टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही एएसआई मुन्ना यादव ने बब्बन पासवान से 8 हजार रुपये रिश्वत के रूप में लिए, टीम ने उन्हें मौके पर ही रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

सरकारी अस्पतालों में लगेंगे सीसी टीवी कैमरे : मंत्री

कंट्रोल रूम से होगी सभी अस्पतालों की मॉनिटरिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री का पद संभालने के बाद निशांत कुमार लगातार एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। वह लगातार सरकारी अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं और जहां भी लापरवाही मिल रही है, वहां तुरंत कार्रवाई कर रहे हैं। अब स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया है। निशांत कुमार ने घोषणा की है कि बिहार के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य अस्पतालों में डॉक्टरों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर प्रभावी निगरानी रखना और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जिसकी मदद से स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम से ही सभी अस्पतालों की निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह खुद विभाग से अस्पतालों की मॉनिटरिंग करेंगे और जरूरत पड़ने पर निरीक्षण के लिए टीमों को भी भेजा जाएगा। हालांकि सरकार की प्राथमिकता यही रहेगी कि अधिकतर निगरानी कंट्रोल रूम से ही हो सके। अगर कहीं भी किसी तरह की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

निशांत कुमार ने कहा कि सरकार की सबसे बड़ी चिंता डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की अनुपस्थिति है। इसी समस्या को दूर करने के लिए तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार में करीब 15 हजार सरकारी स्वास्थ्य संस्थान हैं और सभी जगह चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जिसमें डॉक्टर के अस्पताल आने से लेकर जाने तक की पूरी गतिविधि दर्ज होगी।

उन्होंने कहा कि यदि कोई डॉक्टर सुबह 9 बजे अस्पताल पहुंचता है और दोपहर 1 बजे तक ड्यूटी पर रहता है तो इस दौरान उसने ओपीडी में कितने मरीज देखे, आईपीडी की जिम्मेदारी निभाई, सर्जरी की या अन्य कौन-कौन से कार्य किए, इसका पूरा रिकॉर्ड सिस्टम में सुरक्षित रहेगा। इस व्यवस्था से डॉक्टरों की कार्यप्रणाली पारदर्शी होगी और उनकी जवाबदेही भी तय की जा सकेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को मिलने वाली दवाएं सही मात्रा में और सही तरीके से उन तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार इस दिशा में काम कर रही है ताकि किसी भी मरीज को दवा मिलने में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उनका कहना है कि निगरानी व्यवस्था मजबूत होने से अस्पतालों में सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

निशांत कुमार ने घोषणा की कि राज्य के सभी जिला अस्पतालों को चरणबद्ध तरीके से सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को भी चरणबद्ध तरीके से स्पेशियलिटी अस्पताल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े और उन्हें अपने जिले तथा आसपास के सरकारी अस्पतालों में ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का उद्देश्य केवल निगरानी करना नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, डॉक्टरों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करना तथा मरीजों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और भरोसेमंद बनाया जाएगा।

शिक्षक का शव बरामद

मुंगेर। तारापुर प्रखंड के मध्य विद्यालय देवगांव में कार्यरत शिक्षक देवेंद्र कुमार का शव सोमवार की शाम उनके किराये के कमरे से बरामद किया गया। वह मूल रूप से पटना के एजी कॉलोनी के रहने वाले थे। घटना की सूचना मिलते ही तारापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। दरअसल, सोमवार को विद्यालय में अवकाश था। दिनभर शिक्षक कमरे से बाहर नहीं निकले। शाम में स्थानीय लोगों को संदेह हुआ। खिड़की से झांकने पर शिक्षक जमीन पर अचेत अवस्था में पड़े दिखे। इसके बाद चौकीदार को सूचना दी गई। सूचना पर अपर थानाध्यक्ष सुबन्ता कुमारी, दरोगा अनिल सिंह और मादार इरफान खान पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस ने खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में शिक्षक का शव जमीन पर पड़ा मिला। उनके शरीर पर केवल गमछा था और हाथ में झाड़ू था। कमरे में कुछ दवाएं भी बिखरी मिलीं। शिक्षक जिस मकान में रह रहे थे, वह सेवानिवृत्त फौजी शशिभूषण कुमार का बताया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया गया है।

अलग-अलग सड़क हादसे में छह लोगों की गयी जानें

नवबिहार टाइमस संवाददाता

रांची। झारखंड के तीन जिलों में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ये हादसे साहिबगंज, गुमला और जामताड़ा जिलों में हुए, जहां प्रत्येक जिले में दो-दो लोगों की जान गई।

साहिबगंज में मंगलवार देर रात जामनगर बंगालीपाड़ा के पास एक ई-रिक्शा और चार पहिया वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक पुरुष और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार करीब छह यात्री घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि ई-रिक्शा में सवार बनू टोला चुआर निवासी 45 वर्षीय अयुसुद्दीन शेख और नूर बहार बीबी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 26 वर्षीय यास्मीन खातून, 45 वर्षीय रहीम शेख, 55 वर्षीय तफनारा बीबी तथा ई-रिक्शा चालक, जिसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है, को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुमला जिले में बुधवार को मंदिर से घर लौट रहे गुरुदत्त उरांव (40) और उनकी पत्नी लक्ष्मी उरांव (38) की मोटरसाइकिल पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई।

इसी तरह जामताड़ा जिले में गोविंदपुर-साहिबगंज राज्य राजमार्ग पर एक मोटरसाइकिल और पिकअप वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई।

नारायणपुर थाना प्रभारी मुराद हसन ने पीटीआई को बताया, ₹मृतकों की पहचान 24 वर्षीय मुशर्रफ अंसारी और 22 वर्षीय कुतुबुल अंसारी के रूप में हुई है। दोनों बुटबेरिया गांव के निवासी थे।

राह चलती महिला की मौत

भागलपुर। तिलकामांझी थाना क्षेत्र स्थित सर्किट हाउस के सामने बुधवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां सड़क पर पैदल जा रही एक अज्ञात युवती अचानक गश खाकर जमीन पर गिर पड़ी और बेहोश हो गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से उसे आनन-फानन में इलाज के लिए लोकनायक जयप्रकाश सदर अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने युवती की स्वास्थ्य जांच की, जिसके बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही तिलकामांझी थाने की पुलिस टीम अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन और युवती की शिनाख्त की कोशिशें तेज कर दी हैं। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस टीम को मृत युवती के पास से एक फाइल बरामद हुई है। इस फाइल के ऊपर 'फातिमा जुबिन' लिखा हुआ पाया गया है, जिसके अंदर कुछ जरूरी कागजात भी मिले हैं। इसके अलावा, जांच में मृत युवती के हाथ पर मेंहदी से 'या हुसैन' लिखा हुआ भी पाया गया है,।

प्रेम के झांसे में फंसाकर नेपाल ले गया आरोपित

रेस्क्यू कर महिला को कराया मुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। प्यार के नाम पर युवतियों को झांसा देकर सीमा पार ले जाने और उन्हें बंधक बनाकर प्रताड़ित करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी की एक युवती को कथित तौर पर प्रेम के जाल में फंसाकर नेपाल के वीरगंज ले जाया गया, जहां उसे कई दिनों तक एक सुनसान मकान में बंधक बनाकर रखा गया। पीड़िता के अनुसार, उसे भूखा रखा गया, अंधेरे कमरे में बंद किया जाता था और तरह-तरह की यातनाएं दी जाती थीं। नेपाल पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच मानव तस्करी और जबरन बंधक बनाने के एंगल से कर रही है।

जानकारी के अनुसार, मोतिहारी की रहने वाली युवती को छपरा निवासी युवक प्रेम संबंध का झांसा देकर अपने साथ नेपाल के वीरगंज ले गया। आरोप है कि वहां रानीघाट स्थित एक सुनसान मकान में उसे कैद कर लिया गया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग रखता था और मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था।

इसी बीच एक दिन युवती के हाथ मोबाइल फोन लग गया। उसने किसी तरह अपने पिता से संपर्क कर अपनी पूरी आपबीती सुनाई और मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही परिजनों ने समाजसेवी संस्था स्वच्छ रक्सौल से संपर्क किया। इसके बाद संस्था ने नेपाल की एक सामाजिक संस्था और नेपाल पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त अभियान चलाया।

संयुक्त टीम ने वीरगंज के रानीघाट स्थित मकान पर छापेमारी की। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन टीम ने युवती को सकुशल बरामद कर लिया।

जुआरियों का अड्डा बना पंचायत भवन

खिड़कियां और दरवाजे भी टूटे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। स्थानीय प्रखंड की बैरिया पंचायत का पंचायत सरकार भवन पांच साल से ग्रामीणों का भूसा घर होने के साथ जुआरियों का अड्डा भी बन गया है। विभाग द्वारा लगभग पांच साल से लावारिस छोड़ दिए जाने के कारण भवन में कई जगह खिड़कियां और दरवाजे टूट फूट गए हैं।

पंचायत स्तर पर ही ग्रामीणों को आवास, आय, जाति प्रमाण पत्र और कृषि संबंधी तमाम विकास योजनाओं की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन द्वारा सभी पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने का जोर शोर से प्रयास किया जा रहा है। ठीक इसके विपरीत लगभग एक करोड़ रुपया खर्च कर बना एक पंचायत सरकार भवन बर्बाद होकर पूरी तरह अनुपयोगी बन गया है।

ब्रह्मपुर प्रखंड में चार पंचायत का एक क्लस्टर बनाकर बैरिया पंचायत में योजना विभाग द्वारा पंचायत सरकार भवन का निर्माण कर दिया गया। निर्माण के कुछ दिनों के बाद ही क्लस्टर के बदले पंचायत स्तर पर भवन बनाने की घोषणा के बाद दो पंचायत में विवाद के बाद विभाग द्वारा पंचायत सरकार भवन का विवाद भी हल कर दिया गया।

विवाद हल करने में भी तीन साल गुजर गए, लेकिन प्रशासन ने इसमें कामकाज शुरू नहीं कर लावारिस छोड़ दिया है। परिणाम यह हुआ कि भवन ग्रामीणों के लिए भूसा घर बन गया। कुछ लोग आराम से बैठकर जुआ का दांव भी लगते हैं। खिड़की और दरवाजे के साथ भवन कई जगह टूट फूट गया है।

चबूतरा और प्लास्टर भी टूटने लगा है। भवन के पास लगा हुआ समर सेबल बोरिंग और टंकी भी चोरी होकर सब बेकार हो गया। आश्चर्य तो यह है कि भवन निर्माण करने वाले विभाग ने पंचायती राज विभाग को आज तक इस भवन को हैंड ओवर तक नहीं किया गया। इस कारण विभाग के अधिकारी मरम्मत कराने में भी असमर्थ है।

स्कॉर्पियो ने साइकिल सवार पिता- पुत्र को कुचला, मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले के मखदुमपुर थाना क्षेत्र में पटना- गया एनएच - 22 पर वीर्रा मोड़ के समीप एक स्कॉर्पियो ने साइकिल सवार पिता-पुत्र को कुचल दिया, जिसमें दोनों की मौत हो गई।

मृतकों में अकौना गांव निवासी राम बिनोद पासवान एवं उनके 10 वर्षीय पुत्र मोनू कुमार शामिल हैं। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वीर्रा मोड़ के समीप एनएच को जाम कर प्रदर्शन किया। करीब चार घंटे बाद पुलिस के हस्तक्षेप पर मामला शांत हुआ।

राम बिनोद पासवान अपने छोटे पुत्र मोनू को डॉक्टर से दिखाने पटना जा रहे थे। अपने गांव अकौना से साइकिल पर सवार होकर पिता व पुत्र मखदुमपुर स्टेशन के लिए निकले, तभी तेज रफ्तार में एक स्कार्पियो ने साइकिल में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और भाग निकला।

टक्कर इतनी भीषण थी कि राम बिनोद पासवान ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल बच्चे को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल जहानाबाद पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों नें पीएमसीएच रेफर कर दिया।

लेकिन स्वजन जख्मी बच्चे को पटना न ले जाकर जहानाबाद के ही एक क्लीनिक में ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वीर्रा मोड़ के समीप सड़क जाम कर दिया, जिससे एनएच पर लगभग चार घन्टे तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर मखदुमपुर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित लोग मुआवजा की मांग पर अड़े रहे। सीओ रंजीत उपाध्याय भी पहुंचे ,लेकिन लोग अपनी मांग पर अड़े रहे।

करीब तीन घंटे बाद बीडीओ मृत्युंजय कुमार, एसडीएम राजीव रंजन सिंह आए और आक्रोशित लोगों को समझाकर मुआवजा की राशि दी ,तब सड़क जाम समाप्त हुआ। इस दौरान पटना -गया एनएच पर लगभग 5 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई । जाम हटने के बाद लोगों ने राहत के सांस ली।

रेफरल अस्पताल में सोते दिखे कर्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। चकाई रेफरल अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मी नींद भर रहे हैं और इसकी मॉनिटरिंग करने वाले जिम्मेदार कुंभकर्णी निंद्रा में सोए हुए हैं। आखिर तभी तो वरीय पदाधिकारी के निरीक्षण के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है और स्थिति जस की तस बनी हुई है। इसकी बानगी बुधवार को दिन के 11:00 बजे के करीब चकाई रेफरल अस्पताल में देखने को मिली।

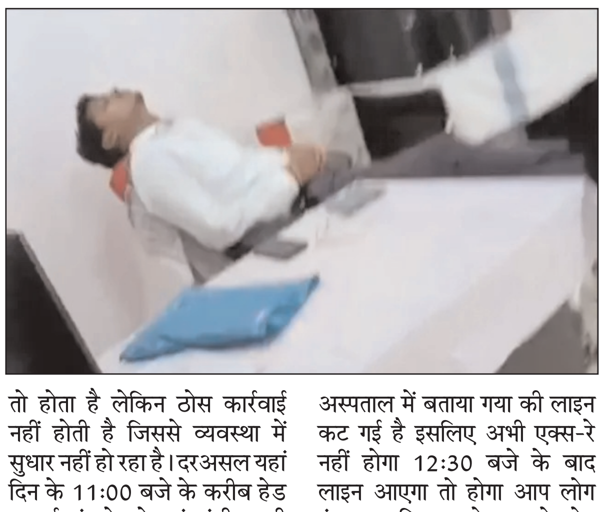

गौरतलब है कि बीते मंगलवार को सिविल सर्जन अशोक कुमार सिंह ने चकाई रेफरल अस्पताल सहित, करहि, सरौन, बटपार और बामदह अस्पतालों का निरीक्षण किया था। जिसमें चकाई अस्पताल प्रभारी डॉ गायत्री कुमारी, डॉ विक्रांत, बड़ा बाबू मुकेश सिंहा सहित कई कर्मी अनुपस्थित पाए गए थे। इसके बावजूद बुधवार को अस्पताल की व्यवस्था चरमराती दिखाई दी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल का निरीक्षण और जांच तो होता है लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं होती है जिससे व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। दरअसल यहां दिन के 11:00 बजे के करीब हेड चकाई गांव के सोनू चंद्रवंशी, गरही सोउतारी के सुरेश दास, कियाजोरी की मुन्नी देवी, चिहरा के नूनवा मरांडी, घाघरा के कांग्रेस दास सहित दर्जन से अधिक मरीज एक्सरे कराने के लिए पहुंचे थे। पहुंचते ही सभी मरीजों ने ऑनलाइन टोकन कटवाया।

सोनू चंद्रवंशी ने बताया कि अस्पताल में बताया गया की लाइन कट गई है इसलिए अभी एक्स-रे नहीं होगा 12:30 बजे के बाद लाइन आएगा तो होगा आप लोग इंतजार करिए। उसके बाद वे लोग लगातार लाइन आने का इंतजार करते रहे।

इस दौरान सोनू चंद्रवंशी ने अपने मोबाइल से अस्पताल की नाकामियों को उजागर किया। जिसमें अस्पताल के कई कमरों में ताला लटका हुआ था जबकि एक कमरे में राज्य स्वास्थ्य कर्मी शेखर सुमन नींद भरते दिखाई पड़े।

युवक ने बताया कि जब वह मोबाइल से वीडियो बना रहा था तो कई अस्पताल कर्मी ने अंदर से अपना दरवाजा बंद कर लिया। अस्पताल के कई कर्मी चाय की दुकान पर टहलते देखे गए।

मरीज ने बताया कि चकाई अस्पताल में वर्षों से यही समस्या है। लाइन कट जाने पर जनरेटर से एक्सरे मशीन नहीं संचालित होता है। जिससे आए दिन दूर दराज से पहुंचने वाले मरीजों को काफी कठिनाई होती है।

मरीज ने बताया कि लगभग 1:00 बजे के बाद बिजली आपूर्ति शुरू होने पर उन लोगों का एक्स रे का कार्य हो पाया। इसके बाद मरीज को राहत मिली। इधर बुधवार को भी प्रखंड के प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र बटपार में ताला लटका देखा गया जबकि उप स्वास्थ्य केंद्र कर्णगढ़ में एकमात्र सीएचओ राज रोशन मौजूद थे जबकि यहां कार्यरत एएनएम अनुपस्थित पाई गई।

साइबर ठग का शिकार हुआ नाबालिग

पटना। रील बनाने, देखने, लाइक व कमेंट करने तथा दूसरे को फॉरवर्ड करने के चक्कर में 14 वर्षीय नाबालिग एक माह तक डिजिटल अरेस्ट रहा और मां के खाते से 16 लाख रुपये भी गंवा दिए। पटना के फुलवारी शरीफ की रहने वाली एक महिला ने इस संबंध में ईओयू और पटना साइबर थाना में अज्ञात साइबर शातिरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मूल रूप से नौबतपुर के सरासत गांव की रहने वाली और वर्तमान में एम्स पटना के नजदीक रह रही नाबालिग की मां के मोबाइल नंबर पर बीते वर्ष मई महीने में एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। यह फोन उनके नाबालिग बेटे ने उठाया था। कॉल करने वाले अज्ञात शख्स ने पहले बच्चे से उसका नाम और उम्र पूछी और कहा कि तुम रील बनाते हो। कई ऐसे रील व सोशल मीडिया पर तुम्हारे द्वारा गलत काम किया गया है। अब तुम्हारे घर पर पुलिस जाएगी। यह सुन नाबालिग डर गया। आरोपित ने बच्चे को झांसा दिया कि अगर उसने पैसे नहीं भेजे, तो वह उसके खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज करा देगा और उसके घर पुलिस भेजकर पूरे परिवार को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नाबालिग छात्रा का घर से दूसरी बार अपहरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

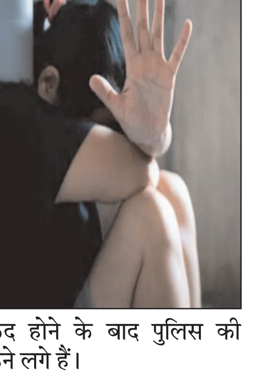

बिहारशरीफ। नगर परिषद क्षेत्र से 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के दूसरी बार कथित अपहरण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बुधवार को दिनदहाड़े घर से छात्रा को जबरन ले जाने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

पीड़िता के पिता ने हिलसा थाना में दोबारा प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि पहली घटना में समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोपितों का मनोबल बढ़ा और दूसरी घटना को अंजाम दिया गया। परिजनों के अनुसार, इससे पहले 4 दिसंबर 2025 को छात्रा ट्यूशन जाने के दौरान कथित रूप से अगवा कर ली गई थी। उस मामले में भी हिलसा थाना में कांड संख्या 832/2025 दर्ज हुआ था।

पिता का आरोप है कि मामले के अनुसंधान में लापरवाही बरती गई, जिससे आरोपितों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। उनका कहना है कि यदि पहली घटना में पुलिस ने सख्त कदम उठाए होते तो दूसरी बार ऐसी घटना नहीं होती।

दूसरी घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों का कहना है कि छात्रा की शीघ्र बरामदगी नहीं होने पर वे पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाएंगे। परिवार ने पुलिस से त्वरित कार्रवाई कर छात्रा को सकुशल बरामद करने और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

इधर, हिलसा थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अनुसंधानकर्ता को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छात्रा की तलाश में छापेमारी कर रही है।

मामले को लेकर स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है। लोग घटना के शीघ्र खुलासे और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच जारी है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन करने का डा. प्रेम कुमार ने दिए निर्देश

विधानसभा अध्यक्ष ने की सचिवालय की शाखाओं के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में विधानसभा की विभिन्न समितियों एवं सचिवालय की शाखाओं के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न समितियों के लंबित मामलों, कार्यप्रणाली एवं निष्पादन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लोक लेखा समिति, सरकारी उपक्रमों से संबंधित समिति, प्राक्कलन समिति, शून्यकाल समिति, याचिका समिति, निवेदन समिति, कारा सुधार समिति, गैर सरकारी संकल्प समिति, बिहार विरासत विकास समिति सहित कई अन्य समितियों एवं शाखाओं के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि लोक लेखा समिति एवं सरकारी उपक्रमों से संबंधित समिति में कई मामले वर्षों से लंबित हैं। अध्यक्ष ने बताया कि 23 विभागों से संबंधित कंडिकाएं अभी भी लोक लेखा समिति में लंबित हैं। उन्होंने अधिकारियों को वित्त विभाग एवं महालेखाकार कार्यालय के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर लंबित कंडिकाओं का निपटारा करने को कहा। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि विधानसभा सचिवालय की कार्यप्रणाली को इस प्रकार सुदृढ़ किया जाए कि कोई भी कंडिका लंबित न रहे। उन्होंने शून्यकाल, याचिका, निवेदन, ध्यानाकर्षण एवं गैर सरकारी संकल्प से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिन विभागों से समय पर जवाब प्राप्त नहीं हो रहे हैं, उन्हें नियमित रूप से स्मार पत्र भेजे जाएं। यदि तीन स्मार पत्र भेजने के बाद भी उत्तर प्राप्त नहीं हो तो मुख्य सचिव को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण समिति, कारा सुधार समिति, पुस्तकालय समिति, कृषि उद्योग विकास समिति तथा आवास शाखा के कार्यों की भी समीक्षा की गई। आवास शाखा के संबंध में अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि जिन विधायकों ने अब तक आवंटित सरकारी आवास का प्रभार ग्रहण नहीं किया है, उनकी सभी औपचारिकताएं पूरी कराकर जल्द से जल्द आवास का प्रभार दिलाया जाए। बैठक में विधानसभा सचिवालय के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे और विभिन्न समितियों के कार्यों की प्रगति से अध्यक्ष को अवगत कराया। अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों से समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी कार्यशैली अपनाने पर बल दिया।

विश्व खेल पत्रकार दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विश्व खेल पत्रकार दिवस के अवसर पर देश और दुनिया के सभी खेल पत्रकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह दिवस खेल पत्रकारों की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि खेल पत्रकारिता खेल संस्कृति के विकास, प्रचार-प्रसार और खिलाड़ियों की उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खेल पत्रकार अपनी निष्पक्ष, सटीक और त्वरित रिपोर्टिंग के माध्यम से खेल जगत की हर गतिविधि से लोगों को अवगत कराते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1994 में अंतरराष्ट्रीय खेल प्रेस संघ (एआईपीएस) ने अपनी 71वीं वर्षगांठ के अवसर पर विश्व खेल पत्रकार दिवस मनाने की शुरुआत की थी। एआईपीएस की स्थापना 2 जुलाई 1924 को पेरिस ओलंपिक के दौरान हुई थी। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह दिवस उन खेल पत्रकारों के प्रयास, समर्पण और प्रतिबद्धता को वैश्विक स्तर पर सम्मान देने का अवसर है जो खेल आयोजनों से जुड़ी नवीनतम और सटीक जानकारी आमजन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने सभी खेल पत्रकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए खेल पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने का आह्वान किया।

सीएम आज करेंगे भूतनाथ से मलाहीपकड़ी तक मेट्रो सेवा का विस्तार

तीन किलोमीटर और बढ़ी मेट्रो, आइएसबीटी से मलाहीपकड़ी तक शुरू होगा परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार को भूतनाथ से मलाहीपकड़ी तक मेट्रो सेवा का विस्तार करेंगे। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उद्घाटन के बाद आइएसबीटी से लेकर मलाहीपकड़ी तक मेट्रो का परिचालन शुरू हो जाएगा। विदित हो कि पटना में यातायात व्यवस्था बेहतर करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा मेट्रो सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद पटना मेट्रो का करीब 13,365 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। प्रथम फेज के पहले कॉरिडोर में 6 अक्टूबर 2025 को आइएसबीटी से भूतनाथ तक करीब 3.2 किलोमीटर मेट्रो का परिचालन शुरू किया गया था। उसके आठ माह बाद 2 जुलाई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भूतनाथ से मलाहीपकड़ी तक इस मेट्रो सेवा का विस्तार करेंगे। इसके बाद से पटनावासियों को आइएसबीटी से लेकर मलाहीपकड़ी तक करीब 6 किलोमीटर की दूरी तक मेट्रो की सेवा मिलने लगेगी। इससे लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा। बताया जाता है कि पहले चरण में मेट्रो का परिचालन बैरियाचक से पाटलिपुत्र बस स्टैंड, जीरो माइल से होकर भूतनाथ तक शुरू किया गया था। दूसरी बार इसका विस्तार किया जा रहा है।

मलाहीपकड़ी के बाद से भूमिगत हो जाएगी मेट्रो

मलाहीपकड़ी के बाद से मेट्रो को शुरू करने के लिए कार्यदायी संस्था द्वारा तेजी से कार्य किए जा रहे है। बताया जाता है कि मलाहीपकड़ी स्टेशन के बाद मेट्रो भूमिगत हो जाएगी और पीएमसीएच, गांधी मैदान, डाकबंगला होते हुए पटना जंक्शन तक जाएगी। इसमें छह भूमिगत स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है जिसमें राजेंद्र नगर, मोइन उल हक स्टेडियम, पटना साइंस कॉलेज, पीएमसीएच, गांधी मैदान और आकाशवाणी मेट्रो स्टेशन शामिल है।

एक पखवाड़े में शुरू होगा खेमनीचक मेट्रो स्टेशन

विभागीय अधिकारियों के अनुसार भूतनाथ से मलाहीपकड़ी के बीच खेमनीचक स्टेशन का निर्माण किया गया है। वहीं से मेट्रो मीठापुर, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, करबिगहिया होते हुए पटना जंक्शन पहुंचेगी। एक पखवाड़े के अंदर खेमनीचक स्टेशन को शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

भूतनाथ से मलाहीपकड़ी तक मुख्यमंत्री द्वारा दो जुलाई को मेट्रो सेवा का विस्तार किया जाएगा। इसके बाद लोगों को आइएसबीटी से मलाहीपकड़ी तक लोगों को करीब 6 किलोमीटर की दूरी तक मेट्रो की सेवा मिलने लगेगी। पटनावासियों को बेहतर यातायात सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार तेजी से कार्य कर रही है।

- विनय कुमार, प्रधान सचिव (नगर विकास एवं आवास विभाग)

स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल कयूम अंसारी की 122वीं जयंती पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व मंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल कयूम अंसारी की 122वीं जयंती बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि अब्दुल कयूम अंसारी स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी सेनानी, समाज सुधारक और सांप्रदायिक सौहार्द के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने हमेशा देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका जीवन त्याग, सेवा और सामाजिक न्याय के आदर्शों से प्रेरित रहा जो आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी उनके बताए आदर्शों और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा समाज में भाईचारा, समानता और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी से मिले पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह

बटाने और उत्तर कोयल जलाशय परियोजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी से मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। सुशील कुमार सिंह ने बताया कि बैठक के दौरान बटाने जलाशय परियोजना (हड़ियाही) तथा उत्तर कोयल जलाशय परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा क्षेत्र के विकास से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दोनों जलाशय परियोजनाएं क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से सिंचाई व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और स्थानीय लोगों को भी इसका व्यापक लाभ मिलेगा। सुशील कुमार सिंह ने बताया कि विजय कुमार चौधरी ने परियोजनाओं की प्रगति से संबंधित बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा की और आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन योजनाओं के कार्यों में तेजी आने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

सरकारी अस्पतालों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम से होगी निगरानी: निशांत कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की निगरानी एक केंद्रीय कंट्रोल रूम से की जाएगी, ताकि डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके और अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर लगातार नजर रखी जा सके। निशांत कुमार ने कहा कि अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता और उनके वितरण की भी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। यदि किसी भी स्तर पर दवाओं की आपूर्ति, वितरण या अन्य व्यवस्थाओं में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों को सरकारी अस्पतालों में बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के लिए राज्य के राष्ट्रीय और राज्यीय राजमार्गों पर 100 नई एम्बुलेंस की सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे दुर्घटना के बाद गोल्डन आवर के दौरान मरीजों तक शीघ्र चिकित्सा सहायता पहुंचाना संभव होगा और गंभीर मरीजों की जान बचाने में मदद मिलेगी।

निशांत कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। नई निगरानी व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं के विस्तार से सरकारी अस्पतालों की कार्यक्षमता में सुधार होगा तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

वैज्ञानिक जैविक कृषि तकनीक से किसानों को मिलेगा आधुनिक खेती का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। इनेरा क्रॉप साइंस और क्रॉपनेक्स्ट सॉल्यूशंस ने बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा के किसानों तक विज्ञान आधारित जैविक कृषि तकनीक पहुंचाने के लिए बहुवर्षीय रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक जैविक कृषि समाधान उपलब्ध कराना और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देना है। कंपनियों के अनुसार इस साझेदारी से लगभग 500 करोड़ रुपये के कारोबारी अवसर सृजित होने की संभावना है। साथ ही 5000 से अधिक चैनल पार्टनर्स और खुदरा केंद्रों के जरिए 65 लाख से अधिक किसानों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल करीब 20 लाख एकड़ कृषि भूमि में जैविक कृषि इनपुट्स के उपयोग को बढ़ावा देगी।

अर्थव्यवस्था के दमदार आंकड़ों ने राहुल गांधी के झूठ और भ्रम की राजनीति की खोली पोल : ऋतुराज सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था के ताजा आंकड़ों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की झूठ, भ्रम और निराशा फैलाने वाली राजनीति को करारा जवाब दिया है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत की 6.5 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि यह साबित करती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। श्री सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी ने पिछले कई वर्षों से देश की अर्थव्यवस्था को लेकर लगातार गलत नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया है जब भी भारत कोई आर्थिक उपलब्धि हासिल करता है, राहुल गांधी और कांग्रेस उसे स्वीकार करने के बजाय देश में निराशा फैलाने और विदेशों में भारत की छवि पर सवाल खड़े करने का काम करते हैं, लेकिन हर बार देश की उपलब्धियां उनके दावों को झूठा साबित कर देती है। उन्होंने कहा कि चीन की विकास दर लगभग 4 प्रतिशत, अमेरिका की करीब 2 प्रतिशत और कई यूरोपीय देशों की औसत विकास दर 1 प्रतिशत के आसपास है। ऐसे समय में भारत का 6.5 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ना इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार की नीतियां मजबूत हैं और देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्री सिन्हा ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट और अंतरराष्ट्रीय तनाव के हर दौर में राहुल गांधी ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं जताईं। उन्होंने बार-बार यह माहौल बनाने की कोशिश की कि भारत आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा है, लेकिन मोदी सरकार के मजबूत आर्थिक प्रबंधन ने हर चुनौती का सामना किया और भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनाए रखा। आज जीडीपी के आंकड़ों ने राहुल गांधी के हर झूठे दावे को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि सरकार का विरोध करना और भारत का विरोध करना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। राजनीतिक विरोध के नाम पर देश की आर्थिक उपलब्धियों को नकारना, निवेशकों का भरोसा कमजोर करने वाले बयान देना और दुनिया के सामने भारत की नकारात्मक तस्वीर पेश करना केवल उनकी हताशा को दर्शाता है। श्री सिन्हा ने कहा कि रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह, बढ़ता विदेशी निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था का तेज विस्तार, तेजी से विकसित होता इंफ्रास्ट्रक्चर और लगातार मजबूत होती जीडीपी इस बात के प्रमाण हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बुनियाद पर आगे बढ़ रही है। इन उपलब्धियों ने राहुल गांधी के झूठे नैरेटिव और कांग्रेस के दुष्प्रचार की हवा निकाल दी है।

उद्योग विभाग की अभिनव पहल: एसआइपीबी समाधान शिविर से निवेशकों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन

शिविर के प्रथम दिन 48 औद्योगिक इकाइयों के मामलों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के दूरदर्शी नेतृत्व में उद्योग विभाग, बिहार राज्य में निवेशकों को अधिक सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने तथा कारोबार करने में आसानी को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। निवेशकों की लंबित समस्याओं के त्वरित समाधान तथा विभिन्न स्वीकृतियों एवं वित्तीय प्रोत्साहनों के समयबद्ध निष्पादन के उद्देश्य से विभाग द्वारा एसआईपीबी समाधान शिविर की अभिनव पहल प्रारंभ की गई है। 1 जुलाई से 9 जुलाई, 2026 तक राज्य के विभिन्न जिलों के उद्यमियों के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें निवेशकों की लंबित समस्याओं तथा विभिन्न आवेदनों की संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा समीक्षा कर उनके त्वरित निष्पादन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उद्योग निदेशक-सह-सदस्य सचिव, राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद सचिवालय मुकुल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को एसआईपीबी समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

बाढ़ से पशुओं की मृत्यु होने पर पशुपालकों को मिलेगी सहायता राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पशुपालकों की आय बढ़ाने और उन्हें सहयोग देने के लिए बिहार सरकार का डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में विभाग ने बाढ़ के समय पशुओं की मृत्यु होने पर पशुपालकों को होने वाली आर्थिक क्षति से निपटने के लिए सहायता राशि देने की घोषणा की है। योजना के तहत सूखा, वज्रपात और अग्निकांड से भी पशुओं की मृत्यु होने पर पशुपालकों को सहायता राशि दी जाती है। माना जा रहा है कि इस पहल से बाढ़ प्रभावित पशुपालकों को राहत मिलेगी। इस योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं एवं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित स्थानीय आपदाओं में पशुपालकों के पशुओं की मृत्यु की स्थिति में सरकार सहायता अनुदान दे रही है। विभाग ने सहायता अनुदान के दावे एवं भुगतान की प्रक्रिया बताई है जिसमें कहा गया है कि पशु की मृत्यु के पश्चात यदि शव प्राप्त हो तो ऐसी स्थिति में पशुपालक को निकटतम पशु चिकित्सा पदाधिकारी को सूचना देनी होगी और विहित प्रपत्र (प्रपत्र-क) में आवेदन करना होगा। आवेदन मुखिया/पंचायत समिति सदस्य/जिला परिषद सदस्य/सरपंच/वार्ड सदस्य द्वारा अग्रसारित होना चाहिए।

राज्य में वीबी-जी राम जी योजना लागू, अधिवेशन भवन में शुभारंभ समारोह आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में 1 जुलाई से देश के साथ ही विकसित भारत-ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका गारंटी अधिनियम (वीबी- जीरामजी), 2025 लागू हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर लागू इस नए अधिनियम की शुरुआत से संबंधित विशेष कार्यक्रम गुरुवार को पटना के अधिवेशन भवन में आयोजित किया जाएगा। इसकी अध्यक्षता ग्रामीण विकास के मंत्री श्रवण कुमार करेंगे जिसमें विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति रहेगी। इस दौरान केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथों तिरूपति में होने वाले शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी होगा। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की मानें तो इस शुभारंभ समारोह में योजना से संबंधित कंपेडियम का विमोचन मंत्री श्री कुमार के हाथों किया जाएगा। साथ ही केंद्रीय मंत्री श्री चौहान का वीडियो कांफ्रेंसिंग संबोधन और राज्य के कुछ लाभार्थियों से उनकी बातचीत होगी। पूर्व के मनरेगा के स्थान पर लागू इस नई योजना के क्रियान्वयन को लेकर विभागीय मंत्री श्री कुमार ने बताया कि बिहार में लगभग सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। राज्य स्तरीय योजना/अनुसूची कोड सृजित करने के साथ राज्य बजट में अकुशल मजदूरी मद में भारी-भरकम राशि का प्रावधान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बिहार जैसे राज्य में योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार से 6 हजार 715 करोड़ रुपए का अंतरिम बजट निर्धारित किया गया है। यह राशि आगामी सिर्फ 9 महीने के लिए है। योजना के लागू होने के बाद अब श्रमिकों को वर्ष में 100 की बजाय 125 दिनों का रोजगार मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि नई योजना में मजदूरों को मांग के बाद 15 दिन में रोजगार उपलब्ध नहीं कराने पर उन्हें बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान है। बेरोजगारी भत्ते का दर प्रथम 30 दिनों के लिए अधिसूचित मजदूरी दर का एक चौथाई और शेष वित्तीय वर्ष के लिए अधिसूचित मजदूरी दर के आधा की दर से देय होगा।

युवा प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ाने लालगंज पहुंचेंगे डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली / पटना। निर्मल इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान 2026' (लालगंज एपिसोड) का आयोजन 4 जुलाई 2026 (शनिवार) को प्रातः 9:00 बजे से कैलाश वाटिका मैरिज हॉल, लालगंज में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस गरिमामयी समारोह में प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. प्रो. के. सी. सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी के संचालक एवं शिक्षाविद् डॉ. आनंद रंजन झा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होकर युवा प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करेंगे। डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों और उनके परिश्रम का सम्मान है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाते हैं तथा उन्हें शिक्षा, कौशल और समाज सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने निर्मल इंडिया न्यूज के संचालक रवि कुमार का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से प्रतिभाओं को सम्मानित करने की यह सराहनीय पहल व्यापक स्तर पर सफल हो रही है। साथ ही कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. झा ने मुख्य अतिथि डॉ. प्रो. के. सी. सिन्हा का भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि उनकी गरिमामयी उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। आयोजकों ने विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

राज्य में पांच नए केंद्रीय विद्यालयों के खुलने का रास्ता साफ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने पांच नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। बुधवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रत्येक विद्यालय के लिए पांच-पांच एकड़ सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इन नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना पूर्णिया, राजगीर (नालंदा), शेखपुरा, मधेपुरा और मधुबनी में की जाएगी। भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विद्यालय की स्थापना की दिशा में आगे की कार्रवाई होगी। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बताया कि ये विद्यालय पूर्वी पूर्णिया के मधुबनी, राजगीर के पिलखुआ, शेखपुरा के नीमी, मधेपुरा के साहूगढ़ तथा मधुबनी जिले के राजनगर प्रखंड स्थित सतिहारपुर में खोले जाएंगे।

रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने डॉक्टर्स डे एवं नेशनल सीए डे पर किया सम्मान समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने डॉक्टर्स डे एवं नेशनल सीए डे के अवसर पर स्थानीय होटल प्रेसिडेंट में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रति डॉक्टरों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की समर्पित सेवाओं, उत्कृष्ट योगदान और पेशेवर प्रतिबद्धता का सम्मान करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीजी नम्रता द्वारा समाज के विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 7 डॉक्टरों एवं 7 सीए का सम्मान किया गया। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम के अध्यक्ष रोटेरियन राजेश अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट समाज के दो ऐसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर जहां मानव जीवन की रक्षा करते हैं, वहीं सीए देश की आर्थिक व्यवस्था और वित्तीय पारदर्शिता को मजबूत बनाने में योगदान देते हैं। वहीं क्लब के सचिव रोटेरियन विशाल बिजपुरिया ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि समाज के उन पेशेवरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है जिन्होंने अपनी निष्ठा, ईमानदारी और सेवा भाव से लोगों का विश्वास जीता है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया में समझौते पर संकट के बादल

अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया।पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने को लेकर हुए प्रारंभिक समझौते से यह माना जा रहा था कि क्षेत्र में शांति कायम करने का स्थायी हल निकाल लिया जाएगा और वैश्विक स्तर पर पैदा हुए ऊर्जा संकट से भी राहत मिलेगी। मगर अमेरिका और ईरान के फिर तल्ख होते तेवर से अब इस समझौते पर ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया।हालांकि अमेरिका की ओर से कहा जा रहा है कि ताजा घटनाक्रम का द्विपक्षीय बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ईरान ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उसके क्षेत्र में हमले जारी रहे, तो युद्ध खत्म करने के लिए जारी वार्ता पूरी तरह रोकी जा सकती है। यह विचित्र है कि एक तरफ दोनों देशों ने समझौते को स्थायी रूप से लागू करने के लिए शांति वार्ता को लेकर प्रतिबद्धता जताई है और इस बीच वार-पलटवार का सिलसिला भी जारी है।मौजूदा हालात में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अमेरिका और ईरान इस समझौते को लेकर वास्तव में गंभीर हैं भी या नहीं? यह आशंका इसलिए गहरा रही है, क्योंकि दोनों देशों की ओर से समझौते के नियमों का पालन करने को लेकर कोई संजीदगी नजर नहीं आती है। हमले और वार्ता दोनों साथ-साथ कैसे चल सकते हैं? और अगर ऐसा होता भी है, तो जाहिर है कि कोई सकारात्मक परिणाम सामने आने की गुंजाइश बेहद कम होगी।अमेरिका के रुख के बाद ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत पर ये हमले ऐसे समय हुए, जब अमेरिकी नौसेना की निगरानी में काम करने वाली एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संस्था ने बीते शनिवार को कहा कि होर्मुज जलमार्ग में ओमान के पास स्थित एक मार्ग का विस्तार किया जाएगा, ताकि उससे खाड़ी में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले पोतों की आवाजाही आसान हो सके। इस कदम से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का एक नया मोर्चा खुल सकता है, क्योंकि ईरान इस महत्त्वपूर्ण जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखना चाहता है।

जब हम प्यार के इजहार की बात करते हैं, तो उसमें सिर्फ आई लव यू शामिल नहीं होता, बल्कि शारीरिक स्तर पर एक-दूसरे को चाहना भी शामिल है। आज के कपल्स फिजिकल लव के एक्सप्रेशन में यानी सेक्स्टिंग में बेड से कहीं ज्यादा माहिर हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक प्रसिद्ध स्टडी के अनुसार, लगभग 82 प्रतिशत एडल्ट्स मानते हैं कि वे अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से सेक्स्टिंग करते हैं। रिसर्च के मुताबिक, सेक्स्टिंग कपल्स के लिए एक डिजिटल फोरप्ले की तरह काम करती है। कई लोग स्वभाव से शर्मीले होते हैं। वे अपनी वाइल्ड फैंटेसीज, अपनी पसंद या नापसंद को खुलकर नहीं बता पाते।

बेड पर खामोश, डिजिटल चैटिंग पर बोल्ड! क्यों बदल रहा है प्यार करने का तरीका?

(नमिता जोशी)

जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते है और फिर सेंड करते हैं। कहते है प्यार अंधा होता है, लेकिन आजकल का प्यार अंधा होने के साथ-साथ थोड़ा अंगूठा प्रधान भी हो गया है। वह दौर गया जब दिल और जिस्म की बात जुबान पर आते-आते रुक जाती थी। आज चाहे भावनाओं का इजहार हो या शारीरिक इच्छाओं का, सब कुछ जुबान तक आने से पहले सीधे अंगूठे से होते हुए वॉट्सऐप की स्क्रीन पर टाइप हो जाता है। चौंकिए मत, यह कोई फिल्मी जुमला नहीं, बल्कि इंटरनेट पर मौजूद दर्जनों मनोवैज्ञानिक रिसर्च और समाजशास्त्रीय अध्ययनों का कड़वा या कहें कि मीठा सच है।

अक्सर माना जाता है कि कपल्स जब एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं यानी जब वे बेड पर साथ होते हैं, तब उनके बीच प्यार और शारीरिक आकर्षण का इजहार पूरे परवान पर होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट है। आज के दौर के कपल्स बिस्तर पर एक-दूसरे के बगल में लेटे हुए जितने इमोशनली और फिजिकल ब्लॉक महसूस करते हैं, फोन की स्क्रीन पर वे उतने ही बड़े शायर और बोल्ड रोमियो बन जाते हैं। जो बातें या जो फैंटेसीज वे एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर बेड पर नहीं कह पाते, उन्हें वे इमोजी, सेक्स्टिंग और हॉट मैसेजेस के सहारे बड़े धड़ल्ले से लिख भेजते हैं।

ऑनलाइन रहता है कंट्रोल – दरअसल जब आप आमने-सामने होते हैं, तो जो मुंह से निकल गया, सो निकल गया। उसे आप डिलीट या एडिट नहीं कर सकते। बेड पर रोमांटिक या हॉट होने के चक्कर में कई बार मुंह से कोई ऐसी अजीब बात निकल जाती है कि पूरे मूड का ही बंटाधार हो जाता है। इसके उलट, जब आप टेक्स्ट पर अपनी फीलिंग्स या डिजायर्स का इजहार कर रहे होते हैं, तो आपके पास पूरा कंट्रोल होता है। आप एक लाइन लिखते हैं, फिर सोचते हैं, नहीं, यह थोड़ी कम अट्रैक्टिव है। आप उसे मिटाते हैं, एक फ़ायर या विंक वाला इमोजी जोड़ते हैं, थोड़ा और हॉट शब्द ढूंढते हैं और फिर सेंड करते हैं। यानी आप अपनी कामुकता और प्यार का बेस्ट, सबसे पॉलिश्ड वर्जन सामने वाले को परोसते हैं। यह एडिटिंग की सुविधा बिस्तर पर उपलब्ध नहीं होती। वहां तो जो है, सो ऑन-एयर लाइव है!

तो आखिर ऐसा क्यों है कि बेडरूम की असली गर्माहट पर स्मार्टफोन की डिजिटल स्क्रीन भारी पड़ रही है? आइए, विज्ञान और रोजमर्रा के जीवन के चश्मे से इस डिजिटल लव-लाइफ का पूरा पोस्टमार्टम करते हैं। मनोविज्ञान में एक बेहद मशहूर टर्म है ऑनलाइन डिसविहेशन इफेक्ट आसान भाषा में कहें तो, जब हमारे और सामने वाले के बीच एक कांच की स्क्रीन आ जाती है, तो हमारे अंदर की झिझक, डर, शर्म और लोक-लाज अचानक गायब हो जाती है।

डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए सुरक्षा कवच – डिजिटल स्क्रीन इंसानों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। बिस्तर पर जब दो लोग साथ होते हैं, तो वहां आई कॉन्टैक्ट और शारीरिक मौजूदगी होती है। सामने वाले के चेहरे के हाव-भाव, उसकी सांसें एक तरह का अदृश्य दबाव बनाती हैं। हमें डर होता है कि अगर हमने अपने दिल की कोई गहरी बात कही या अपनी कोई शारीरिक इच्छा जताई, तो पार्टनर का तुरंत रिएक्शन क्या होगा ? कहीं वह हमें जज न करने लगे? कहीं वह रिजेक्ट न कर दे? लेकिन फोन पर आपके पास एक अदृश्य ढाल होती है। इस विषय पर जर्नल ऑफ कंप्यूटर-मीडिएटेड में छपी एक रिसर्च साफ बताती है कि टेक्स्टिंग या सेक्सिटंग कपल्स को अपनी असुरक्षा को छिपाने में मदद करती है। जो बातें वे बेड पर आमने-सामने बैठकर झिझकने के कारण नहीं बोल पाते, उन्हें वे स्क्रीन के पीछे छिपकर आसानी से लिख देते हैं।

क्या कहती है रिसर्च – जब हम प्यार के इजहार की बात करते हैं, तो उसमें सिर्फ आई लव यू शामिल नहीं होता, बल्कि शारीरिक स्तर पर एक-दूसरे को चाहना भी शामिल है। आज के कपल्स फिजिकल लव के एक्सप्रेशन में यानी सेक्स्टिंग में बेड से कहीं ज्यादा माहिर हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक प्रसिद्ध स्टडी के अनुसार, लगभग 82 प्रतिशत एडल्ट्स मानते हैं कि वे अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से सेक्स्टिंग करते हैं। रिसर्च के मुताबिक, सेक्स्टिंग कपल्स के लिए एक डिजिटल फोरप्ले की तरह काम करती है। कई लोग स्वभाव से शर्मीले होते हैं। वे अपनी वाइल्ड फैंटेसीज, अपनी पसंद या नापसंद को खुलकर नहीं बता पाते।

उन्हें लगता है कि सीधे मुंह ऐसी बातें बोलना उनके पार्टनर को अजीब लग सकता है। लेकिन टेक्स्ट मैसेज पर वे अचानक बोल्ड हो जाते हैं। फोन पर वे अपनी हर दबी हुई शारीरिक इच्छा को बिना किसी हिचक के शब्दों में पिरो देते हैं। यह जो टेक्स्ट पर फिजिकल लव का खुलकर इजहार है, वह बेडरूम की पारंपरिक झिझक को तोड़ देता है। लोग स्क्रीन पर जितने सेक्शुअली एक्सप्रेसिव हैं, बेड पर लाइट ऑफ होते ही उतने ही पारंपरिक या शांत हो जाते हैं। कई बार लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में एक दूसरे पर इम्प्रेशन झाड़ने के लिए सेक्स्टिंग करते हैं, भले ही सामने आने पर उनकी बत्ती गुल क्यों न हो जाए। जो लोग सीधे मुंह दो सीधे शब्द नहीं बोल पाते, वे टेक्स्ट पर कामदेव बन जाते हैं। इसके पीछे काम करता है प्रसिद्ध समाजशास्त्री वाल्थर द्वारा दिया गया हाइपरपर्सनल मॉडल। यह थ्योरी बताती है कि टेक्स्ट या डिजिटल मीडिया पर हम खुद को ज्यादा बेहतर, आकर्षक, सिडक्टिव और परफेक्ट तरीके से पेश कर सकते हैं।

इस डिजिटल रोमांस पर कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने एक बेहद दिलचस्प स्टडी की है। मशहूर शोधकर्ता जेफ्री हैनकॉक के अनुसार, डिजिटल मीडिया पर मेसेज भेजते वक्त लोग अक्सर आमने-सामने की तुलना में अधिक गहरी और हाइपर-पर्सनल बातचीत करते हैं। इसका कारण यह है कि लिखते समय हमारे पास सोचने, समझने और सही शब्दों को चुनने का पर्याप्त समय होता है जिसे रिफ्लेक्शन टाइम कहते हैं। बिस्तर पर लेटे हुए अक्सर कपल्स के बीच एक अजीब-सा सन्नाटा पसर जाता है। दिनभर के काम की थकान, ऑफिस का स्ट्रेस और घरेलू चिंताएं दिमाग में बैकग्राउंड म्यूज़िक की तरह बज रही होती हैं।

ऐसे में फिजिकल होने का मूड बनाना भी एक भारी काम लगने लगता है। लेकिन फोन की दुनिया रंग-बिरंगी है। वहां अगर आपके पास शब्द नहीं भी हैं, तो भी आपके पास हॉट जीआईएफ ,डर्टी टॉक्स, विडियोज और इमोजी की पूरी बारात है। कपल्स को लगता है कि टेक्स्ट पर इन विजुअल्स का इस्तेमाल करके वे अपने बीच की शारीरिक और मानसिक दूरी को ज्यादा मसालेदार तरीके से पाट पाते हैं।

एक और कड़वा सच यह है कि बेडरूम में कपल्स के ऊपर बॉडी इमेज और परफॉर्मेंस का एक अनकहा शारीरिक दबाव होता है। पेट थोड़ा बाहर निकला है, बाल बिखरे हुए हैं, चेहरे पर थकान है या स्ट्रेस के कारण मूड नहीं बन रहा, ये सब चीजें इंसान को अपने ही शरीर को लेकर कॉन्शस कर देती हैं। जब आप खुद को लेकर पूरी तरह कॉन्फिडेंट नहीं होते, तो आप बेड पर खुलकर न तो प्यार जता पाते हैं और न ही शारीरिक रूप से पूरी तरह इंवॉल्व हो पाते हैं।

दूसरी ओर, जब आप ऑफिस की कैब में बैठे हों, या घर के किसी दूसरे कोने में हों, तब आप कैसे दिख रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब्ज़ी के दाग़ लगे टी शर्ट पहने हुए भी दुनिया के सबसे सिडक्टिव और रोमांटिक इंसान की तरह टेक्स्ट टाइप कर सकते हैं। वहां सिर्फ आपकी कल्पनाएं और भावनाएं यात्रा करती है, आपका असल शरीर नहीं। इसलिए, शरीर के बंधनों और कमियों से मुक्त होकर कल्पनाओं का वो अंगूठा ज्यादा बेहतर तरीके से फिजिकल लव एक्सप्रेस कर पाता है।

लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी है, जिसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। इस डिजिटल परफेक्शन के चक्कर में कहीं हम अपनी असल दुनिया की शारीरिक और मानसिक अंतरंगता को खो तो नहीं रहे? मेसेज पर इंटरनेट के वाइल्ड लवर बन जाना और बेड पर आते ही स्मार्टफोन की स्क्रीन स्क्रॉल करने लगना, यह आधुनिक रिश्तों की एक बड़ी विडंबना बन चुका है। स्क्रीन पर होने वाली सेक्स्टिंग और प्यार बेशक खूबसूरत, उत्तेजक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है, लेकिन जब तक वह बोल्डनेस फोन से बाहर निकलकर बेड पर एक-दूसरे को छूने, आंखों में देखने और असल जिंदगी में बिना झिझक के अपनी इच्छाएं पूरी करने में नहीं बदलेगी, तब तक रिश्ता सिर्फ एक डिजिटल भ्रम ही रहेगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

अयोध्या से एनजीओ फंडिंग तक- एक हफ्ते की सियासत में कैसे बदलते रहे मुद्दे?

(सुधीश पचौरी)

राम मंदिर चढ़ावा विवाद, एनजीओ फंडिंग, पासपोर्ट, महाराष्ट्र, पंजाब, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार से जुड़े घटनाक्रमों के बीच सियासत और विमर्श पर टिप्पणी।अमेरिकी-ईरानी 'डील' में इजराइल 'आउट'। फिर एक दिन 'पुष्पा' वाला संवाद तमिल राजनीति में छाया दिखा। एक दिन द्रमुक के एक नेता ने अपनी गर्दन के नीचे पुष्पा की तरह हाथ फिराकर कहा कि 'अपुन झुकने का नहीं', तो जवाब में तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने इसी तरह गर्दन के नीचे हाथ फिराकर कहा, 'अपुन भी झुकने का नहींज।'

अब इसके बाद ऑपरेशन टाइगर। उद्धव पक्ष के छह सांसद 'असली शिवसेना' में शामिल और अमित शाह का तंज- अब सिर्फ एक ही शिवसेना हैज। फिर एक दिन बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा 'सुहरावर्दी लेन' का नाम 'गोपाल पाठा लेन' करने की खबर। और विपक्ष का विलाप कि भगवाकरण किया जा रहा है।फिर एक चैनल पर प्रधानमंत्री का संबोधन कि हमारा मंत्र है- 'देश प्रथम'। कश्मीर में लगता था कि कुछ नहीं हो सकता। हमने करके दिखाया नक्सलवाद आखिरी सांसें ले रहा है। बारह वर्ष में भारत की निराशा को आशा में बदला। लोग अपेक्षा किससे करेंगे? जो करेगा, उसी से करेंगे। इसके बाद सभागार में देर तक 'मोदी-मोदी, मोदी-मोदी' होता रहा।

इसी बीच विदेश मंत्रालय द्वारा 'एनजीओ फंडिंग' को लेकर कुछ नई शर्तें लगाना और इसके बाद गैर-सरकारी संगठन खड्गहस्त दिखे। फिर आई राम मंदिर की 'चंदा चोरी' को लेकर बैठाई गई 'एसआईटी' की रिपोर्ट और बहसों में विपक्ष की मांग कि सीबीआई जांच करती या न्यायालय जांच करता, तो बेहतर होता'एसआईटी' तो किसी को बचाने, किसी को फंसाने के लिए बनाई गई है। जबकि सत्ता पक्ष कहता रहा कि किसी को नहीं बख्शा जाएगा। शाम तक कई चैनल बताने लगे कि एसआईटी की रिपोर्ट में बताए गए आठ आरोपियों पर एफआईआरज मालूम हुआ कि ये सब चंदे-चढ़ावे को गिनकर बैंक में जमा करने का काम करते थे।

उधर, विपक्ष कहता रहा कि बड़ी मछलियां छोड़ दी गई हैं, सिर्फ छोटी मछलियां पकड़ी गई हैं। हर बहस में चंदे-चढ़ावे का प्रबंधन करने वाले प्रमुख चंपत राय तथा कुछ अन्य बड़े नाम आते रहे। कई एंकर और चर्चक तक कहते रहे कि यह कैसे हो सकता है कि नीचे के लोग चोरी करते रहें और ऊपर वालों को खबर ही न हो।एक विपक्षी ने कहा भी कि आरोपियों में चंपत राय का नाम क्यों नहीं है? कांग्रेस ने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होनी चाहिएज मौजूदा ट्रस्ट को भंग करें। बहसों में इसे 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जाने लगा और कई कहते रहे कि अगर जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' न हुआ, तो इसका असर सत्तादल की साख पर पड़ सकता है। इसी क्रम में एक चैनल पर मंदिर निर्माण के प्रमुख नृपेंद्र मिश्र तक ने कह दिया कि चंदे जैसी व्यवस्था ही नहीं थी। यह मंदिर की प्रबंधन प्रणाली पर बड़ा धब्बा है। इसके बाद 'लव, शव और धोखा' वाली एक भयावह कहानी सामने आई। अब तक की कहानी के अनुसार, शादी से कुछ दिन पहले एक युवती ने अपने मंगेतर को 'निपटाने' की कोशिश की, लेकिन कामयाब न हुई। आरोप है कि अगली बार 'लौहगढ़' जाकर रील बनाने के बहाने अपने प्रेमी के जरिए उसने मंगेतर को धक्का देकर चार सौ फुट गहरी खाई में गिरवा दिया। इसके बाद भी आरोपी युवती इंस्टाग्राम पर मंगेतर को लेकर भावुकता भरी पोस्ट डालती रही कि 'तुम मेरे जन्मदिन पर मुझे यूं ही छोड़कर चले गएज'

इसके बाद सिख धर्म की 'बेअदबी' मामले में दो-दो वीडियो आए और आरोप लगा कि 'बेअदबी' के 'दोषी' पंजाब के मुख्यमंत्री मान हैं। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता कहते रहे कि यह आरोप उन्हें फंसाने की साजिश हैज फिर बहसें विवाद की राजनीति पर आ गई और कुछ कहते रहे कि यह सारा विवाद पंजाब के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए किया जा रहा है।

फिर शुरू हुई जातिवाद की 'तिरछी' राजनीति। एक दिन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के कथित जमीन घोटाले को लेकर जैसे ही खबर आई, वैसे ही विपक्ष के कुछ नेता भाजपा को 'भ्रष्टाचारी' बताकर कूदने लगे। इसके बाद विदेश मंत्रालय का स्पष्टीकरण आया कि पासपोर्ट नागरिकता का अधिकार नहीं देताज। विपक्ष के एक हिस्से ने इसे तुरंत पकड़ा कि यह 'एनआरसी' लाने का बहाना हैज कि एक झटके में जनता की नागरिकता छीन ली जाएगी।

दूसरी ओर, मुहर्रम पर उज्जैन में आतंकवादी हमले से बचने के अभ्यास के वीडियो ने कई लोगों को झकझोर दिया। एक एंकर ने साफ कहा कि 'क्रेन' पर कार को चालीस फुट ऊंचाई पर ले जाकर टांगा गया। उस पर खड़े कुछ युवाओं ने 'वी हैव अराइव्ड' (हम आ गए हैं) के नारे वाले झंडे फहराएज फिर विस्फोट किया और कार देर तक जलती रही।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी ने एक सभा में आलोचकों से कहा कि 'एसआईटी' की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हुई है। दूध का दूध, पानी का पानी होगाज अयोध्या को बदनाम न करें।

सीमाओं की सुरक्षा से विकसित भारत तक- रक्षा और अर्थव्यवस्था का नया समीकरण

(जयंती लाल भंडारी)

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु हथियारों को तैनात 'लांचर' से अलग रखता है। हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ हथियारों को 'लांचर' के साथ जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुतः चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप में उभर रहा है।

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती चुनौतियों और बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारत को आर्थिक विकास के साथ रक्षा क्षमता को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाना होगा। दुनिया में अस्थिरता के साथ रक्षा संबंधी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। इसके मद्देनजर भारत को भी तेज विकास के साथ बहुआयामी स्तर पर रक्षा के मोर्चे मजबूत करने होंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री ने देश में निर्मित तीन नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि देश में शांति और विकास के लिए सुरक्षा मजबूत करना आवश्यक है। हालांकि, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कुछ पड़ोसी देशों से मिल रही चुनौतियों के बीच दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक भरोसा बढ़ रहा है। यहां विदेशी निवेश बढ़ रहा है और नए व्यापार समझौते आकार ले रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में अब भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ आधुनिक रक्षा प्रणाली के मामलेमें भी खुद को सुदृढ़ करना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में हाल में जारी दो रिपोर्ट उल्लेखनीय हैं। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.6 फीसद होगी और उभरते हुए देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर दुनिया में हथियारों पर नजर रखने वाली ग्लोबल संस्था 'स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सिपरी) की परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत परमाणु हथियार के मोर्चे पर बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षा बजट के मामले में भारत दुनिया में पांचवें क्रम पर है। जनवरी 2026 तक भारत के पास कुल 190 परमाणु हथियार थे। इनमें से बारह परमाणु बमों को मिसाइल, पनडुब्बी और लड़ाकू विमानों के साथ जोड़ दिया गया है। साथ ही उन्हें संचालन अड्डे पर तैनात किया गया है। स्पष्ट है कि परमाणु हथियारों को अलग रखने की भारत की दशकों पुरानी नीति अब बदल गई है।

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु हथियारों को तैनात 'लांचर' से अलग रखता है। हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ हथियारों को 'लांचर' के साथ जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुत~ चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप में उभर रहा है। निश्चित रूप से ऐसे समय में जब देश की सीमाएं भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक असुरक्षित और संवेदनशील हो गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, बल्कि उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की जरूरत दिखाई दे रही है। स्पष्ट है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान आधुनिक चीनी हथियारों से भारत में घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है। इन दिनों ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों से उसकी निकटता बढ़ी है। चीन की ओर से भी सीमा पर भारत के संप्रभु इलाकों में चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं। यह चिंता की बात है कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी और विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास भी चुनौतियां पैदा कर रहा है। पिछले दिनों उसने शरारत पूर्ण तरीके से अक्साई चीन में नया 'प्रशासनिक क्षेत्र' बनाया है। चीन हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग आफ पर्ल्स' नीति के जरिए भी भारत को चुनौती दे रहा है। पिछले वर्ष पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 'आपरेशन सिंदूर' चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। चीन ने पाकिस्तान को उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं उसने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है।

पिछले दिनों अमेरिकी खुफिया संस्थान की 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया के लिए बड़ा खतरा बन गया है। मगर आर्थिक और रक्षा विकास की नई रणनीति के तहत भारत आर्थिक और सामरिक रूप से मजबूती आगे बढ़ रहा है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। पूरी दुनिया ने देखा है कि पिछले वर्ष आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वस्तुत~सैन्य अभियान के तहत भारत ने एआइ के उपयोग से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर मिसाल पेश की है। तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने और मजबूत सैन्य शक्ति बनने के लिए भारत को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना होगा।

इस समय मजबूत घरेलू बाजार, पूंजीगत व्यय, रेकार्ड खाद्यान्न उत्पादन और विदेशी मुद्रा भंडार देश की शक्ति है। साथ ही ये सभी कारक भारत को बाहरी आर्थिक झटकों से बचा रहे हैं। मगर अभी देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के लिए रफ्तार से बढ़ना होगा। युवाओं को देश की शक्ति बनाना होगा। हमें युद्ध पर आधारित ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में भी तैयार होना होगा, जहां जरूरत पड़ने पर तेजी से औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का इस्तेमाल करते हुए युद्ध सामग्री का निर्माण हो सके। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से रक्षा इकाइयों को तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोड़ कर सैन्य साजो-सामान को अत्याधुनिक बनाने में भी तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश में साइबर और सूचना क्षमताओं का विस्तार करना होगा। क्योंकि अब युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि ये आधुनिक चिप से निर्मित मिसाइलों व उन्नत ड्रोन के इस्तेमाल से हवा, समुद्र तथा अंतरिक्ष में भी लड़े जाते हैं। भारत को हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ एआइ की नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की हाल की उपलब्धियां दुनिया भर में रेखांकित की जा रही हैं। इस उपलब्धि के साथ भारत रूस के बाद व्यावसायिक 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' संचालित करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। इससे देश दुनिया की परमाणु महाशक्ति के रूप में उभरेगा। भारत ने पिछले एक दशक में रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक से निर्यातक के रूप में खुद को बदला है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 38424 करोड़ रुपए का रेकार्ड रक्षा निर्यात किया है। मगर अभी भी रक्षा मजबूती के लिए मीलों चलना बाकी है। 'मेक-इन-इंडिया' के तहत आधुनिक हथियारों का मजबूती से स्वदेशीकरण होगा। भारत को सैन्य साजो-सामान के आधुनिकीकरण के साथ साइबर तकनीक और आधुनिक मिसाइलों से सुसज्जित होना होगा। उम्मीद है देश आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

'बिरसा कृषि रथ-2026' रवाना

किसानों तक पहुंचायेगी आधुनिक खेती की जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक खेती और सरकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को समाहरणालय परिसर से 'बिरसा कृषि रथ-2026' को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक किसान तक पहुंचाना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि बिरसा कृषि रथ जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों का भ्रमण कर किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, फसल प्रबंधन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, उन्नत बीजों के उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, सिंचाई प्रबंधन तथा फलों एवं सब्जियों के वैज्ञानिक उत्पादन एवं विपणन की जानकारी देगा। श्री यादव ने कहा कि जिला प्रशासन कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने और किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। कृषि रथ के माध्यम से चौपालों, जनसंवाद कार्यक्रमों और दृश्य-श्रव्य माध्यमों द्वारा किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, अनुदान आधारित कार्यक्रमों, प्राकृतिक खाद के उपयोग, कृषि यंत्रीकरण तथा कृषि आधारित स्वरोजगार और आय बढ़ाने के नए अवसरों की भी जानकारी दी जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी किसान आधुनिक कृषि तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी से वंचित न रहे। बिरसा कृषि रथ किसानों और कृषि विभाग के बीच एक प्रभावी सेतु बनकर कृषि क्षेत्र में जागरूकता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को नई गति देगा। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी आशुतोष कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

पत्नी और उसके प्रेमी को अर्धनग्न कर गांव में घुमाने का वीडियो वायरल

पांच नामजद तथा 40 अज्ञात के विरूद्ध प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झारखंड के पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। पत्नी के प्रेम-प्रसंग से नाराज पति ने अपने सहयोगियों के साथ प्रेमी युवक को पकड़कर उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया। पत्नी और उसके प्रेमी को एक साथ अर्धनग्न अवस्था में घुमाया गया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

पुलिस के अनुसार, महिला के पति और उसके सहयोगियों को दोनों के बीच प्रेम संबंध होने का संदेह था। आरोप है कि दोनों को पकड़कर बंधक बनाया गया और कपड़े फाड़कर अर्धनग्न अवस्था में पूरे गांव में घुमाया गया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे, लेकिन किसी ने विरोध नहीं किया।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अनुप रोशन भेंगरा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के विरोध के बीच काफी मशक्कत के बाद 29 जून को दोनों को मुक्त कर थाना लाया गया। मामले में पांच नामजद एवं 40 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस छापेमारी कर रही है।

इधर, एसडीओ साइमन मरांडी और एसडीपीओ विजय कुमार ने पीड़िता का बयान दर्ज किया। थाना प्रभारी अनुप रोशन भेंगरा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

पीड़ित महिला का ससुराल और मायका दोनों अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में हैं, जबकि प्रेमी साहेबगंज जिले के बोरियो प्रखंड का निवासी है। पीड़िता को सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित करने का काम उसके पति के इशारे पर किया गया। इस मामले में पीड़िता के बयान पर 49/2026 के तहत आईटी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गांव के मुखिया साहेबजन टुडू ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। किसी भी विवाद की सूचना प्रशासन को देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर परिस्थिति में महिलाओं का सम्मान सुरक्षित रहना चाहिए।

एसआइआर को ले घर-घर पहुंचे रहे बीएलओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेशार्नुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई आर) कार्यक्रम के अंतर्गत 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर प्रगणना अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) पूरी सक्रियता के साथ घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच प्रगणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) का वितरण कर रहे हैं। संबंधित क्षेत्र के ईआरओ एवं एईआरओ द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में शत प्रतिशत घरों में फॉर्म का वितरण कार्य सुनिश्चित कराया जा रहा है।

इस दौरान बीएलओ मतदाताओं को प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की जानकारी भी दे रहे हैं तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण रूप से भरे हुए प्रपत्र उपलब्ध कराने का आग्रह कर रहे हैं।

अभियान के दौरान मतदाता सूची के शुद्धिकरण, पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, अपात्र एवं स्थानांतरित मतदाताओं से संबंधित विवरण के अद्यतन का कार्य भी किया जा रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाताओं से अपील की गई है कि वे प्रगणना प्रपत्र को सही एवं पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने संबंधित बीएलओ को समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है।

झारखंड में उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने पर सीएम से एफजेसीसीआई ने की चर्चा

सीएम को राज्यस्तरीय सम्मेलन में आने का दिया न्योता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ झारखंड चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में उद्योग, व्यापार, निवेश और औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि फेडरेशन की ओर से शीघ्र ही एक राज्यस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपति, व्यापारी एवं उद्यमी भाग लेंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और राज्य में उद्योग एवं व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि झारखंड में निवेश और औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में सरकार लगातार कार्य कर रही है। प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के अध्यक्ष आदित्य मलहोत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया एवं राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, उदयशंकर, रमेश कुमार चिनी, विनय अग्रवाल, पलामू चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर, कार्यकारिणी सदस्य फिराजुद्दीन, गुमला चेम्बर के सदस्य अमर प्रदीप सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विधवा के साथ सामूहिक बलात्कार

सभी आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। चंडी थाना क्षेत्र में 40 वर्षीय विधवा महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार तड़के तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, नगरनौसा थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता की बातचीत लक्ष्मी बिगहा निवासी विकास कुमार से होती थी।

मंगलवार शाम विकास ने फोन कर महिला को बुलाया और वाहन से लक्ष्मी बिगहा-रामपुर के खंधा इलाके में ले गया। वहां पहुंचने के बाद उसने अपने दो साथियों शैलेश कुमार और नीतीश कुमार को भी बुला लिया।

पीड़िता के अनुसार, तीनों आरोपितों ने जबरन उसे मक्के के खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपित उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। घटना के बाद बदहवास हालत में निकली महिला को रामपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास एक राहगीर मिला, जिसने उसकी मदद की। इसके बाद डायल-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पीड़िता को थाने ले जाकर उसकी शिकायत दर्ज की।

थानाध्यक्ष अखिलेश झा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने रात में ही लक्ष्मी बिगहा में छापेमारी की। बुधवार सुबह करीब तीन बजे तीनों आरोपितों को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि मामले में तकनीकी टीम की मदद से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आरोपितों के खिलाफ कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उपायुक्त ने शिक्षक-अभिभावक जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने आज समाहरणालय परिसर से शिक्षक-अभिभावक बैठक के व्यापक जनजागरूकता अभियान के तहत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं विद्यालयों में भ्रमण कर अभिभावकों को शिक्षक-अभिभावक बैठक में सहभागिता के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर शिक्षण परिणाम सुनिश्चित करने में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक एवं अभिभावकों के बीच नियमित संवाद से बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति, व्यवहार तथा सीखने में आने वाली कठिनाइयों का समय पर समाधान संभव हो सकेगा। इसलिए अभिभावकों से अपील है कि वह बैठक में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

जागरूकता रथ के माध्यम से अभिभावकों को शिक्षक-अभिभावक बैठक के उद्देश्य, बच्चों की नियमित उपस्थिति, लर्निंग गैप को कम करने, विद्यालय एवं परिवार के संयुक्त प्रयासों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका के संबंध में जागरूक किया जाएगा। साथ ही सभी अभिभावकों से निर्धारित तिथियों में अपने बच्चों के विद्यालय पहुंचकर शिक्षक-अभिभावक बैठक में अनिवार्य रूप से भाग लेने की अपील की जाएगी।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता सुषमा लकड़ा, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी अमित कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मानवाधिकार संगठन हेल्पिंग कॉर्प्स फाउंडेशन के राज्य महासचिव राजेश सिन्हा ने प्रेस वार्ता कर जिले में कथित रूप से संचालित अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्रों, भ्रूण लिंग जांच और भ्रूण हत्या जैसे गंभीर मामलों पर चिंता जताते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। श्री सिन्हा ने कहा कि जिले के सरिया, डुमरी, राजधनवार और जमुआ सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई अवैध नर्सिंग होम एवं अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालित होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन केंद्रों में अल्ट्रासाउंड की आड़ में भ्रूण लिंग जांच और भ्रूण हत्या जैसे गंभीर अपराधों को बढ़ावा दिए जाने की आशंका है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक उदासीनता, प्रभाव, पैरवी और धनबल के कारण कई मामलों में जांच आगे नहीं बढ़ पाती और शिकायतें ठंडे बस्ते में चली जाती हैं। उनका आरोप है कि कुछ स्थानों पर योग्य चिकित्सकों के नाम और दस्तावेजों का उपयोग कर अन्य लोग अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड मशीनों का संचालन कर रहे हैं तथा भारी रकम लेकर भ्रूण लिंग जांच जैसी गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त होते हैं। राजेश सिन्हा ने कहा कि यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह न केवल पीसीपीएनडीटी अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि समाज के लिए भी अत्यंत चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि भ्रूण लिंग जांच रोकने के लिए कानून में सख्त प्रावधान हैं, इसलिए संबंधित विभागों को प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि संदिग्ध अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। बेटी बचाओ अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से सरिया, डुमरी और राजधनवार क्षेत्रों में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीनों के कथित दुरुपयोग की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

4 लेबर कोड और 12वें वेज बोर्ड की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजमहल। संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को केंद्र सरकार द्वारा लागू किए जा रहे चार श्रम संहिताओं (4 लेबर कोड) के विरोध तथा 12वें वेज बोर्ड की समय पर घोषणा एवं क्रियान्वयन की मांग को लेकर राजमहल ओसीपी में कर्मचारियों और संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान गेट मीटिंग आयोजित कर श्रमिकों की विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। प्रदर्शन के दौरान श्रमिकों ने एकजुट होकर सरकार और प्रबंधन से श्रमिक हितों की रक्षा करने, श्रमिक विरोधी प्रावधानों को वापस लेने तथा 12वें वेज बोर्ड को बिना किसी विलंब के लागू करने की मांग की। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि श्रमिकों की जायज मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और व्यापक तथा निर्णायक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने श्रमिक एकता का परिचय देते हुए अपने अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के अंत में संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राजमहल एरिया कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रबंधन को सौंपा।

विवाह योग्य कन्या को भेंट की विदाई सामग्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा की रोकथाम के लिए कार्यरत सामाजिक संस्था आशा पायल फाउंडेशन ने गोड्डा प्रखंड के रानीडीह पंचायत अंतर्गत मल्हारा गांव निवासी गोपाल पंडित की पुत्री सुमित्रा कुमारी के विवाह अवसर पर उपहार स्वरूप विदाई सामग्री प्रदान की। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में संस्था की ओर से ट्रंक, तोषक, कंबल, बेडशीट, तकिया, चुनरी, स्टील बर्तन सेट, वर-वधू के वस्त्र तथा श्रृंगार का सामान भेंट किया गया।

यह सामग्री रानीडीह पंचायत की मुखिया पिंकी देवी के पति अजय पंडित के हाथों कन्या को सौंपी गई इस अवसर पर संस्था के गोड्डा जिला प्रबंधक दीपक कुमार सिंह, उप जिला प्रबंधक आशीष कुमार, गौतम कुमार दास, हराधन शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपस्थित लोगों ने संस्था के इस सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

संस्था के बिहार-झारखंड प्रभारी जितेंद्र कुमार यादव ने दूरभाष पर बताया कि आशा पायल फाउंडेशन जरूरतमंद कन्याओं को विदाई सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ बाल विवाह एवं दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चला रही है। उन्होंने कहा कि समाज को इन कुरीतियों से मुक्त बनाने के लिए लोगों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट ने किया वृक्षारोपण, लगाए 50 फलदार पौधे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नए लायन वर्ष की शुरूआत के अवसर पर लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट की ओर से बुधवार को किरण पब्लिक स्कूल, कोल्डिहा परिसर में 50 फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। यह कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट स्तर पर आयोजित वन डिस्ट्रिक्ट, वन एक्टिविटी अभियान के तहत संपन्न हुआ।

क्लब के अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन ने बताया कि नए सत्र की शुरूआत पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ की गई है। उन्होंने कहा कि क्लब ने इस वर्ष गिरिडीह एवं आसपास के क्षेत्रों में कम से कम एक हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि क्लब आगामी वर्ष में मानव सेवा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने का निरंतर प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में क्लब के सचिव डॉ. सुमन, कोषाध्यक्ष मसरूर सिद्दीकी, लायन अमरनाथ मंडल, सौरभ महासेठ, दशरथ प्रसाद, सुदीप गुप्ता, विकास गुप्ता, गौतम सागर, सचिन कुमार, उदय भदानी, राहुल कुमार, किरण पब्लिक स्कूल के संस्थापक अशोक सिंह, निदेशक राजीव रंजन सहित क्लब के कई सदस्य एवं विद्यालय परिवार के लोग उपस्थित रहे।

शिविर के पहले दिन 38 लोगों को मिला लर्निंग लाइसेंस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सरकार के निर्देश पर गिरिडीह जिले में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के लिए विशेष अभियान की शुरूआत हो गई है। अभियान के तहत बुधवार को बेंगाबाद प्रखंड मुख्यालय में दो दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया, जहां पहले दिन 61 लोगों ने आवेदन किया। दस्तावेजों की जांच के बाद 38 पात्र आवेदकों को उसी दिन लर्निंग लाइसेंस जारी कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

यह अभियान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के निर्देश तथा उपायुक्त रामनिवास यादव के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को उनके प्रखंड स्तर पर ही ड्राइविंग लाइसेंस की सुलभ और पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराना तथा अधिक से अधिक नागरिकों को वैध चालक अनुज्ञप्ति से जोड़ना है।

गैरमजरूआ जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बेंगाबाद प्रखंड के कोईरीडीह मौजा स्थित 29.5 एकड़ कथित सरकारी गैरमजरूआ भूमि पर अवैध कब्जे के आरोप को लेकर मामला अब तूल पकड़ने लगा है। मधवाडीह पंचायत के मुखिया मो. सिद्दीक अंसारी ने मुख्यमंत्री से लेकर राज्यपाल सहित राज्य के वरीय प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित शिकायत भेजकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

मुखिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अंचल बेंगाबाद के हल्का संख्या-7, मौजा कोईरीडीह, थाना संख्या-48, खाता संख्या-10 एवं प्लॉट संख्या-05 की कुल 29.5 एकड़ भूमि को तत्कालीन अंचल अधिकारी, बेंगाबाद ने पत्रांक-351, दिनांक 20 मई 2025 के माध्यम से झारखंड सरकार की गैरमजरूआ भूमि घोषित किया था। इसके बावजूद विजय सिंह द्वारा उक्त भूमि पर कथित रूप से कब्जा कर सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसआईटीई) का संचालन किए जाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि इसी भूमि पर पूर्व में भूदान योजना के तहत दलित एवं पिछड़े वर्ग के कई परिवारों को जमीन आवंटित की गई थी। कथित अवैध कब्जे के कारण वे लाभुक अपनी जमीन से वंचित रह गये। जिससे भूदान योजना का उद्देश्य भी प्रभावित हुआ है।

उन्होंने बताया कि मामले की जांच प्रमुख द्वारा भी कराई गई थी, लेकिन अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। साथ ही सूचना का अधिकार के तहत संबंधित भूमि से जुड़े अभिलेख भी मांगे गए हैं। कई अधिकारियों को भेजी गई शिकायत मो. सिद्दीक अंसारी ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव, उपायुक्त, एसडीओ अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता, सीओ, आयुक्त तथा भू-अर्जन पदाधिकारी, को शिकायत भेजकर जांच की मांग की है।

जीएसटी वसूली में दो अंकों की शानदार बढ़ोतरी, जून में आए 1.95 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली या जीएसटी को लागू हुए नौ साल बीत चुके हैं। एक जुलाई 2017 से यह पूरे देश में लागू है। इस साल जून महीने के दौरान भारत में वस्तु एवं सेवा कर की वसूली 13.9 प्रतिशत बढ़ी है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के

अनुसार इस महीने ऋ्य 1,94,812 की वसूली हुई है। एक साल पहले इसी महीने ऋ्य 1,71,105 की वसूली हुई है। अभी तक 6 लाख करोड़ से ज्यादा आ चुके हैं चालू वित्त वर्ष के दौरान यदि जीएसटी वसूली की बात करें तो इसमें 8.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस साल अप्रैल से लेकर जून तक की अवधि में कुल 6,31,699 करोड़ रुपये की जीएसटी वसूली हुई। एक साल पहले इसी अवधि के दौरान जीएसटी मद में 5,82,542 करोड़ रुपये आए थे। शुद्ध वसूली भी बढ़ी इस साल महीने महीने में जीएसटी की शुद्ध वसूली भी साल-दर-साल के अधार पर 11.2 प्रतिशत बढ़ी है। अब यह बढ़ कर 1,62,377 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी महीने में यह 1,45,084 करोड़ रुपये रहा था। इस महीने कुल रिफंड भी 29.1 प्रतिशत बढ़कर 32,436 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी महीने का

शेयरहोल्डर्स की पहले दिन ही हो गई भारी कमाई, 36 प्रतिशत बढ़ कर लिस्ट हुए शेयर

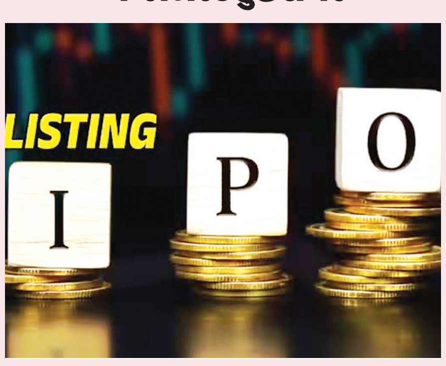

मुंबई : राजस्थान के जयपुर की हेंडक्राफ्टेट ज्वेलरी बनाने वाली कंपनी है अद्वित ज्वेल्स । इसके शेयरों की आज बीएसई और एनएसई में जबरदस्त लिस्टिंग हुई। इस कंपनी के इश्यू प्राइस से 36 प्रतिशत तक प्रीमियम पर लिस्ट हुए। इस कंपनी का आईपीओ पिछले सप्ताह आया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज या एनएसइ पर इसके शेयर 188.90 रुपये प्रति शेयर के भाव से खुले। यह इश्यू प्राइस 138 रुपये से 36.8 प्रतिशत अधिक है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज या बीएसइ पर यह 187 रुपये पर डेब्यू किया। यह आईपीओ के इश्यू प्राइस से 35.5 प्रतिशत का प्रीमियम दर्शाता है। अद्वित ज्वेल्स की यह लिस्टिंग अनलिस्टेड मार्केट की उम्मीदों के अनुरूप रही। ग्रे मार्केट में कल तक इस स्टॉक का ग्रे मार्केट प्रीमियम लगभग 50 रुपये के आसपास था। यह प्राइस बैंड के अपर इश्यू प्राइस से लगभग 36 प्रतिशत का प्रीमियम दर्शा रहा था। अद्वित ज्वेल्स के आईपीओ को निवेशकों के सभी वर्गों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। अंतिम दिन तक इस आईपीओ को 83.97 लाख शेयरों के मुकाबले 212.63 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। इसमें रिटेल (खुदरा) निवेशकों का हिस्सा 95.30 गुना और गैर-संस्थागत निवेशकों का कोटा 536.38 गुना भरा था।

कंपनी कहां करेंगी पैसे का इस्तेमाल?

यह आईपीओ पूरी तरह से 1.20 करोड़ इक्विटी शेयरों का बिल्कुल फ्रेश इश्यू था, यानी इसमें कोई ऑफर फॉर सेल कंपोनेंट नहीं था। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल अपने वर्किंग कैपिटल की जरूरतों, कर्ज चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

पासपोर्ट महंगा, बदल गए नियम

गैस और पेट्रोल-डीजल सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। जुलाई का महीना अपने साथ कई बदलाव लेकर आया है। महीने के पहले दिन कमर्शियल एलपीजी और छोटू सिलेंडर की कीमत में कटौती हुई है। साथ ही देश की सबसे बड़ी प्राइवेट रिटेलर नयारा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में कमी की है। साथ ही टैक्सपेयर्स के लिए भी यह महीना खास है क्योंकि आईटीआर-1 और आईटीआर-2 भरने की डेडलाइन 31 जुलाई है। 1 जुलाई 2026 से लागू होने वाले अहम बदलावों पर। ईरान में शांति की उम्मीद में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इसका असर पर भारत पर दिख रहा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 183.50 रुपये की कटौती की है। इस साल पहली बार रेट घटाए गए हैं। इसी के साथ 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 13 रुपये की कटौती की गई है। 1 जुलाई से, यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आधार कार्ड पर रजिस्टर्ड ईमेल एड्रेस अपडेट करने के लिए लगने वाली 75 की फीस को कुछ समय के लिए हटा दिया है। यह सर्विस छह महीने यानी 31 दिसंबर, 2026 तक के लिए पूरी तरह मुफ्त होगी। एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन के में बताया गया है कि आधार मोबाइल ऐप के जरिए ईमेल एड्रेस अपडेट करने की सर्विस के लिए चार्ज (यानी 75) को हटाने और 1 जुलाई, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक छह महीने की अवधि के लिए इसे मुफ्त करने का फैसला किया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत

देश की सबसे बड़ी प्राइवेट रिटेलर कंपनी नयारा एनर्जी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपये और डीजल की कीमत में 3 रुपये की कटौती की है। पिछले दो साल में पहली बार किसी कंपनी ने पेट्रोल-डीजल की कीमत घटाई है। इस कंपनी के पूरे देश में करीब 7,000 पेट्रोल पंप हैं। साथ ही एटीएफ यानी विमान ईंधन की कीमत में भी 5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है।

पासपोर्ट की ज्यादा फीस

विदेश मंत्रालय ने 1 जुलाई 2026 से सामान्य और तत्काल पासपोर्ट के लिए सर्विस फीस बढ़ा दी है। 36-पेज वाले नॉर्मल पासपोर्ट की फ़ीस 1,500 रुपये से बढ़कर 2,500 रुपये कर दी गई है। इसी तरह 60-पेज वाली बुकलेट की कीमत अब 2,000 रुपये की जगह 3,500 रुपये है। तत्काल पासपोर्ट के मामले में 36-पेज वाली बुकलेट की कीमत 5,000 रुपये और 60-पेज वाले वर्शन की कीमत 6,000 रुपये कर दी गई है।

एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड

एचडीएफसी बैंक ने चुनिंदा क्रेडिट कार्ड पर मुफ्त घरेलू एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस के लिए नियमों में बदलाव किया है। 1 जुलाई 2026 से एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड होल्डर्स हर कैलेंडर तिमाही में तीन बार घरेलू एयरपोर्ट लाउंज में मुफ्त जा सकेंगे, बशर्ते उन्होंने पिछली तिमाही में कम से कम 60,000 खर्च किए हों। मसलन जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही में कार्ड होल्डर को तभी लाउंज का फायदा मिलेगा जब उसने अप्रैल-जून तिमाही में कम से कम 60,000 रुपये खर्च किए हों।

आईटीआर-1, आईटीआर-2 डेडलाइन

आईटीआर-1, आईटीआर-2 फॉर्म भरने वाले टैक्सपेयर्स के लिए, फाइनेंशियल ईयर 2025-26 (असेसमेंट ईयर 2026-27) के लिए रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई, 2026 है। 31 जुलाई के बाद रिटर्न फाइल करने वालों को विलंब शुल्क देना होगा। यदि आप 31 जुलाई तक चूक जाते हैं, तो 31 दिसंबर तक जुर्माना भरकर बिलेटेड रिटर्न फाइल करना होगा। यदि कुल इनकम पांच लाख रुपये से अधिक है तो पांच हजार रुपये की पेनल्टी देनी पड़ सकती है। अगर कुल इनकम पांच लाख रुपये से कम है तो एक हजार रुपये जुर्माना लग सकता है। आरबीआई ने बैंकों द्वारा फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स की गलत बिक्री यानी मिससेलिंग को रोकने के लिए नए नियम घोषित किए हैं। नए नियमों के तहत, जिन ग्राहकों को गलत तरीके से प्रोडक्ट्स बेचे गए हैं, वे पूरे पैसे की वापसी और नुकसान के लिए मुआवजे के हकदार होंगे। ये नियम आज यानी 1 जुलाई 2026 से लागू हो गए हैं।

पर्सनल प्रॉब्लम को बिजनेस आइडिया में बदल दिया

ऐसा चला जादू कि राज शमानी और आदित्य धर भी मुरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई के केमिकल इंजीनियर अनुज शाह ने अपनी पर्सनल प्रॉब्लम को बड़े बिजनेस आइडिया में बदल दिया। उन्होंने साल 2022 में अपने मामा दीपक शाह के साथ मिलकर प्रीमियम मेंसवेयर डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर ब्रांड की शुरुआत की। इसका नाम सेंसेज है। यह ब्रांड भारतीय पुरुषों के शरीर की बनावट को ध्यान में रखकर टी-शर्ट्स बनाता है। इसका जादू ऐसा चला कि शुरुआती दिनों में महीने के सिर्फ 50 ऑर्डर से यह स्टार्टअप आज रोजाना 500 से अधिक ऑर्डर डिलीवर कर रहा है। आइए, यहां अनुज शाह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पर्सनल प्रॉब्लम से आया आइडिया: मुंबई के अनुज शाह ने थडोमल शाहनी इंजीनियरिंग कॉलेज से केमिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। कॉलेज के दिनों में उनका वजन थोड़ा ज्यादा था। उन्हें बाजार में औसत भारतीय पुरुषों के शरीर के हिसाब से सही फिटिंग वाले कपड़े ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

स्टैंडर्ड साइज की टी-शर्ट्स उन पर सही नहीं दिखती थीं। इस समस्या से

निपटने के लिए अनुज ने एक अनोखा तरीका निकाला। वह प्रीमियम ब्रांड्स की टी-शर्ट खरीदते। फिर अपनी मां से उसे अपने हिसाब से ऑल्टर करवाते। इस बदलाव के बाद कॉलेज में लोगों ने उनके लुक और फिजीक की तारीफ करनी शुरू कर दी। यहीं से अनुज को समझ आया कि भारत में एवरेज मेल बॉडी टाइप (जैसे स्किनी-फैट या सॉफ्ट बिल्ड) के लिए कपड़ों का कोई खास ब्रांड मौजूद नहीं है। उन्होंने इसी गैप को भरने का फैसला किया।

चेस्ट, पेट की चौड़ाई, आस्तीन की ओपनिंग और कुल लंबाई के एक-एक इंच को मापा गया ताकि यह पेट को सही से कवर करे और बाजुओं पर फिट दिखे। फैब्रिक के लिए उन्होंने मर्सराइज्ड कॉटन, विस्कोस और पफ कॉटन जैसे प्रीमियम ब्लेंड्स को चुना।

● **मामा को आइडिया आया पसंद :** अनुज ने अपना यह आइडिया अपने मामा दीपक शाह से शेयर किया। दीपक खुद एक्सएल साइज के थे। वह कपड़े के बिजनेस की समझ रखते थे। समस्या को समझते हुए मामा तुरंत साथ काम करने को तैयार हो गए। वह स्टार्टअप में बतौर को-फाउंडर शामिल हुए। साल 2021 में दोनों ने अपनी बचत से 25 लाख रुपये लगाकर इस ब्रांड की रूपरेखा तैयार की। 29 मार्च 2022 को आधिकारिक तौर पर इसे मार्केट में लॉन्च किया। मामा-भांजे की जोड़ी ने बाजार में मौजूद टी-शर्ट्स को ऑल्टर करके प्रोटोटाइप बनाए। उन्हें अलग-अलग बॉडी टाइप के कई लोगों पर टेस्ट किया।

अमेरिका ने चार भारतीय कंपनियों पर लगे प्रतिबंध हटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने रूस के सैन्य-औद्योगिक क्षेत्र को प्रौद्योगिकी और उपकरण उपलब्ध कराने के आरोप में प्रतिबंधित की गई चार भारतीय कंपनियों के नाम अपनी प्रतिबंध सूची से हटा दिए हैं। इन कंपनियों को अमेरिकी वित्त विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल की स्पेशली डिजिग्नेटेड नेशनल्स एंड ब्लॉक्ड पर्सन्स सूची से हटा दिया गया है। क्या ये भारत-अमेरिका के संबंधों में आ रही नरमी का संकेत है? क्योंकि टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों के संबंध थोड़े तल्ख चल रहे हैं।

अमेरिकी वित्त विभाग ने क्या कहा

अमेरिकी वित्त विभाग की ओर से मंगलवार को साझा की गई जानकारी के अनुसार, जिन चार भारतीय कंपनियों के नाम सूची से हटाए गए हैं, उनमें हैदराबाद स्थित आरआरजी इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और लोकेश मशीन्स लिमिटेड, अहमदाबाद स्थित गैलेक्सी बेयरिंग्स तथा नई दिल्ली स्थित शौर्य एरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

इसके अलावा, लोकेश मशीन्स लिमिटेड पर रूस की विभिन्न विनिर्माण कंपनियों को मशीन टूल्स की दर्जनों खेप भेजने का आरोप लगाया गया था।

भारतीय कंपनियों पर क्या लगे थे आरोप?

अमेरिका ने अक्टूबर 2024 में गैलेक्सी बेयरिंग्स लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया था। कंपनी पर आरोप था कि उसने रोलर बेयरिंग्स और रोलर असेंबली सहित उच्च प्राथमिकता वाले दोहरे उपयोग के दर्जनों उपकरण रूस की विभिन्न संस्थाओं को निर्यात किए थे।

वहीं, शौर्य एरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड पर रूस को रडार उपकरण, रेडियो नेविगेशन सहायता उपकरण, रेडियो रिमोट कंट्रोल उपकरण और अन्य विद्युत उपकरणों की खेप भेजने का आरोप लगाया गया था। अमेरिका ने आरआरजी इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज पर आरोप लगाया था कि उसने रूस स्थित और एसडीएन सूची में शामिल आर्टेक्स लिमिटेड कंपनी को 100 से अधिक माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स की खेप भेजी थी।

दो दिन की गिरावट के बाद उछला शेयर बाजार, अनिल अंबानी की रिलायंस पावर की लंबी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार ने साल की दूसरी छमाही की शुरुआत पॉजिटिव नोट के साथ की है। पिछले दो दिन की गिरावट के बाद आज बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 500 अंक उछल गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स भी 24,000 अंक से ऊपर चला गया। मीडिया, एफएमसीजी और ऑटो शेयरों में तेजी आई है। साथ ही रियल्टी, कंसट्रक्शन और सीमेंट सेक्टर भी पॉजिटिव दिख रहे हैं। इस बीच

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में करीब 18 फीसदी तेजी आई है। सुबह 11.15 बजे सेंसेक्स 503.61 अंक यानी 0.66 प्रतिशत तेजी के साथ 76,982.28 अंक पर ट्रेड कर रहा था। निफ्टी भी 152.35 अंक यानी 0.64 प्रतिशत ऊपर 24,018.10 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयर तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। अडानी पोर्ट्स, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स और मारुति में उल्लेखनीय तेजी आई है। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फिनसर्व में सबसे ज्यादा गिरावट आई है।

ब्रॉडर बाजार का हाल

निफ्टी पर महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन कंपनी और इटरनल में सबसे ज्यादा तेजी आई है। ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.21 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.41 फीसदी तेजी आई। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टीमीडिया में तेजी रही जबकि निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। इस बीच अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर का शेयर आज कारोबार के दौरान करीब 18 फीसदी उछल गया। इससे पहले इसमें लगातार चार दिन गिरावट आई थी। कंपनी ने एआई और नए जमाने की टेक्नोलॉजी में उतरने की घोषणा की है। इससे कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। पिछले सत्र में यह 24.84 रुपये पर बंद हुआ था और आज 29.40 रुपये तक चढ़ा।

नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड का शेयर रॉकेट सा उड़ा, 175 करोड़ रुपये का मिला है बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को रॉकेट सा उड़ गए हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर बुधवार को 15 पर्सेंट से अधिक चढ़कर 237.05 रुपये पर जा पहुंचे हैं। एक बड़ा ऑर्डर मिलने के बाद राइट्स लिमिटेड के शेयरों में यह तूफानी तेजी आई है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कंसल्टेंसी और इंजीनियरिंग फर्म राइट्स लिमिटेड ने बताया है कि उसे 175.41 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कंपनी को यह ऑर्डर बाबासाहब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी से उसके कैंपस में इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट वर्क्स के लिए मिला है। नवरत्न कंपनी अपने शेयरधारकों को 2 बार बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है।

2 बार बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी: नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड अपने शेयरधारकों को 2 बार बोनस शेयर दे चुकी है। कंपनी ने अगस्त 2019 में अपने निवेशकों को 1:4 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 4 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। कंपनी ने सितंबर 2024 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, नवरत्न कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। पिछले 5 साल में नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड के शेयरों में 72 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 299.95 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का निचला स्तर 175.10 रुपये है।

रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयरों में भी अच्छी तेजी: रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयरों में भी बुधवार को जबरदस्त तेजी आई है। रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयर बुधवार को बीएसइ में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 325.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने अनाउंस किया है कि उसे कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी महानदी कोलफील्ड्स से एक घरेलू ऑर्डर मिला है। कंपनी को मिले इस ऑर्डर की वैल्यू 107.61 करोड़ रुपये है। इस प्रोजेक्ट को 30 जून 2031 तक पूरा किया जाना है। इससे पहले, रेलटेल कॉरपोरेशन ने बताया था कि उसे थाणे म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन से 13.60 करोड़ रुपये के एक डोमेस्टिक कॉन्ट्रैक्ट के लिए लेटर ऑफ इंटेंट मिला है।

नवरत्न कंपनी को मिले ऑर्डर के डीटेल्स

नवरत्न कंपनी राइट्स लिमिटेड को मिले ऑर्डर में इंफ्रास्ट्रक्चरल फैसिलिटीज की प्लानिंग, डिजाइन और डिवेलपमेंट का काम शामिल है। इसके अलावा, कॉन्ट्रैक्ट के तहत यूनिवर्सिटी में दूसरे संबंधित काम किए जाने हैं। कंपनी ने बताया है कि यह कॉन्ट्रैक्ट एक घरेलू इकाई ने दिया है और इसे 30 महीने में पूरा किया जाना है। 31 मार्च 2026 तक के डेटा के मुताबिक, राइट्स लिमिटेड की ऑर्डर बुक 9416 करोड़ रुपये रही, जो कि कंपनी की अब तक की सबसे ज्यादा ऑर्डर बुक है।

और रुलाएगी महंगाई? मॉनसून की बारिश में कमी के बीच खरीफ सीजन की फसलों की घटी बुआई

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉनसून की बारिश में करीब 43 प्रतिशत कमी के बीच धान सहित खरीफ सीजन की फसलों की बुआई में बड़ी गिरावट आई। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 25 जून तक कुल बुआई रकबा 182.72 लाख हेक्टेयर पर था, जबकि सालभर पहले इस तारीख तक 236.46 लाख हेक्टेयर में बुआई हो चुकी थी। इस तरह करीब 23 प्रतिशत कम बुआई हुई है।

मई में खुदरा महंगाई दर के 3.93 प्रतिशत होने के साथ 16 महीनों के ऊंचे स्तर पर पहुंच जाने के बीच खेती का यह हाल चिंता पैदा करने वाला है। खासतौर पर यह देखते हुए कि धान के अलावा दालों, तिलहन, मोटे अनाज और कपास का बुआई रकबा भी सालभर पहले से कम है। केयरएज की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा, देश में अच्छा-खासा अन्न भंडार है, लेकिन मॉनसून की धीमी प्रगति से फूड इंफ्लेशन बढ़ सकती है और ग्रामीण इलाकों में डिमांड प्रभावित हो सकती है।

अल-नीनो की चुनौती

कृषि मंत्रालय पहले ही यूपी सहित 14 राज्य चिन्हित कर चुका है, जहां अल-नीनो के चलते बारिश काफी कम होने का डर है। इस बीच, केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक, देश के 166 मुख्य जलाशयों में 25 जून तक कुल लाइव स्टोरेज

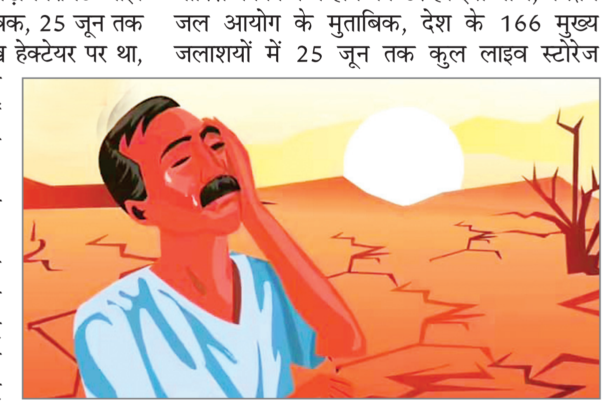

48.405 बिलियन क्यूबिक मीटर था, जो इनकी कुल क्षमता के 23.27 प्रतिशत के बराबर है। पिछले साल इसी समय जलाशयों में जलस्तर 73.21 प्रतिशत था। अल-नीनो से जुड़ी चुनौती पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले हफ्ते कहा था कि 315 जिलों के लिए रणनीति बना ली गई है।

शरवरी-वेदांग रैना की तुलना पर इम्तियाज अली ने तोड़ी चुप्पी

फिल्ममेकर इम्तियाज अली इन दिनों अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर खूब चर्चा में हैं। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर इसके इमोशनल और दिल को छू लेने वाले कहानी के लिए।

एक्टिंग बॉक्सिंग की तरह नहीं होती

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इम्तियाज अली ने फिल्म के दो यंग स्टार्स शरवरी और वेदांग रैना को लेकर चल रही तुलना पर अपनी बात रखी। उन्होंने बहुत ही सादे और समझदारी भरे अंदाज में कहा कि एक्टिंग कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा, 'एक्टिंग बॉक्सिंग की तरह नहीं होती। कलाकार एक-दूसरे के खिलाफ नहीं, बल्कि साथ मिलकर काम करते हैं। कुछ लोगों को वेदांग ज्यादा पसंद आए, तो कुछ को शरवरी, और ये बिल्कुल ठीक है।'

क्या है फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय पर आधारित है, जिसमें प्यार, जुदाई और हीलिंग की इमोशनल कहानी दिखाई गई है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह का किरदार काफी मजबूत है, लेकिन इसके साथ ही शरवरी और वेदांग की लव स्टोरी भी लोगों का दिल जीत रही है।

दोनों ने एक टीम की तरह काम किया है

इम्तियाज अली ने दोनों की केमिस्ट्री की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जब शरवरी और वेदांग साथ में स्क्रीन पर आते हैं, तो सीन और भी खूबसूरत बन जाते हैं। मेरे करियर में मैंने इतनी शानदार को-एक्टर्स की जोड़ी बहुत कम देखी है। दोनों ने एक टीम की तरह काम किया है।'

अपने हॉलीवुड करियर को बॉलीवुड के मुकाबले कमतर आंकती हैं प्रियंका

एक्टर प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा भारतीय एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों जगह कामयाबी हासिल की है। अपने हिंदी फिल्मी करियर के पीक पर वह इंटरनेशनल मौकों की तलाश में अमेरिका चली गईं। हालांकि, कई ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बावजूद प्रियंका को लगता है कि हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में किए गए उनके काम के मुकाबले कम ही है।

हॉलीवुड में अभी बेस्ट काम आना बाकी

कान लायंस सम्मेलन में बोलते हुए प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने करियर पर नजर डाली और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ इसे और आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हाल ही में रिलीज हुई 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के बावजूद प्रियंका ने कहा कि उन्हें लगता है कि हॉलीवुड में उनका बेस्ट काम अभी आना बाकी है। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने हिंदी भाषा के करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग जॉनर में काम किया है। जबकि अमेरिका में हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मैंने ऐसा उतना नहीं किया है।

शादी और मां बनने के बाद बदल जाती हैं प्राथमिकताएं

प्रियंका ने कहा कि अब उनका अगला चरण इस बात पर केंद्रित होगा कि वो हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाएं। अगला बदलाव यह पता लगाने के बारे में है कि मैं अपने हॉलीवुड के काम में अपने किरदारों में वैसी ही विविधता कैसे ला सकती हूं जैसी भारत में ला पाई हूं। इस दौरान प्रियंका ने शादी और मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और माना कि उनकी जिंदगी बहुत ज्यादा बदल गई है। उन्होंने कहा कि आपकी प्राथमिकताएं सच में बदल जाती हैं। अब मैं बस अपना सामान पैक करके किसी फिल्म के लिए नहीं निकल जाती। मैं साल में पांच फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह यात्रा नहीं करती। मैं इस बात को लेकर बहुत ज्यादा सोच-समझकर फैसला करती हूं कि मैं अपना समय कैसे और किसके साथ बिताती हूं। मैं एक कामकाजी मां के तौर पर जिंदगी को संभाल रही हूं। अब मुझे अपनी मां के लिए और भी ज्यादा सम्मान महसूस होता है।

सितंबर 2026 तक पूरी होगी 'राका' की शूटिंग

'एए23' पर काम शुरू करेंगे 'पुष्पा' एक्टर अल्लू अर्जुन

'पुष्पा' फ्रैंचाइजी से पूरे भारत में मशहूर होने के बाद, अल्लू अर्जुन अपने करियर के अगले पड़ाव के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों से अपनी फिल्मों की कामयाबी और ऑफ-स्क्रीन विवादों की वजह से चर्चा में रहे यह एक्टर अब अपने करियर के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

'राका' पर ध्यान दे रहे अल्लू अर्जुन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन अभी 'राका' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन 2026 के आखिर तक चलने की उम्मीद है। खबर है कि एक्टर सितंबर 2026 तक अपना शेड्यूल पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह अपना ध्यान फिल्म 'एए23' पर देना चाहते हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर में शुरू होने की संभावना है।

बड़े प्रोडक्शन की होगी जरूरत

कहा जा रहा है कि फिल्म 'राका' बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसमें बहुत ज्यादा विजुअल इफेक्ट्स और बड़े प्रोडक्शन की जरूरत होगी। बताया यह भी जा रहा है कि फिल्मिंग पूरी होने के बाद भी वीएफएक्स के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से फिल्म को लंबे पोस्ट-प्रोडक्शन प्रोसेस से गुजरना होगा। खबर है कि मेकर्स इसे 2028 के बीच में रिलीज करने की सोच रहे हैं, जिससे उन्हें तकनीकी पहलुओं को बेहतर बनाने और विजुअल को अच्छा करने के लिए काफी समय मिल जाए।

'एए23' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अल्लू अर्जुन 'एए23' पर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ऐलान के बाद से ही लोगों में इसे लेकर काफी उत्सुकता है और इसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर एक कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक और सबसे सफल मास फिल्ममेकर्स में से एक साथ आ रहे हैं।

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें।

चेतना पांडे ने कहा, ''करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।'' अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।' चेतना ने कहा, ''मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।'' चेतना ने कहा, ''मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।'' 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।'

बदलते दौर के साथ कॉमेडी बदली है, हमसे ज्यादा प्रेशर में फिल्म एक्टर्स हैं

अली असगर उन सधे हुए कलाकारों में से है, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताउम्र दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर 'कॉमेडी सर्कस', 'जरा नचके दिखा', 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' जैसे शोज के जरिए वह दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। खास बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर दो टूक राय दी। कहा, 'जैसे-जैसे दौर बदलता है, वैसे-वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब 'कॉमेडी सर्कस' शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करोगे।'

मुंबई में पैदा हुए अली असगर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी ऊब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम रील्स वगैरह के कारण 15-30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं। इसके बाद सारा दारोमदार आपके कंटेंट पर है। यदि कंटेंट में दम नहीं है, परफॉर्मेंस अच्छी नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे। जहां तक क्लीन कॉमेडी की बात है, तो दादा-दादी से लेकर बच्चों तक, पूरा परिवार एकसाथ देख सके, वह कंटेंट तो और भी मुश्किल है।

हमसे ज्यादा प्रेशर फिल्मी कलाकारों पर है

बदलते वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भी प्रेशर बढ़ा है। कई सितारे इस बारे में अपनी बात कह भी चुके हैं। अली कहते हैं, 'प्रेशर तो हर जगह है, हर फील्ड में है। सिनेमा एक्टर्स को सबसे ज्यादा प्रेशर होता है कि शुक्रवार को क्या होगा। उनके सिर पर तो करोड़ों रुपये का दांव लगा होता है। टीवी में हम एक्टर्स का इतना कुछ दांव पर नहीं होता, क्योंकि पैसा, प्रोडक्शन किसी और का है। हम तो किरदार निभाते हैं। जो कैरेक्टर हमें मिलता है, हम उसे अच्छे से निभाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर वह चीज नहीं चलती है, तो उसका दोष भी हमारे ऊपर आ जाता है। कई बार फिल्म नहीं चलती है तो डायरेक्टर को कोई दोष नहीं देता है, बल्कि लोग कहते हैं कि उस कलाकार की फिल्म नहीं चली। लेकिन सच तो यह है कि यह पूरी एक टीम है, कई डिपार्टमेंट उसमें जुड़े होते हैं।'

हर कलाकार के लिए थिएटर जरूरी

अली असगर उन कलाकारों में से हैं, जो टीवी और फिल्मों के साथ ही थिएटर के मंच पर भी लगातार परफॉर्म करते हैं। हाल ही वह दिल्ली में भी रंगमंच पर 'टॉम एंड जैरी' नाम के नाटक की प्रस्तुति करते देखे गए। जब अली असगर से पूछा गया कि टीवी के दर्शक और थिएटर के दर्शकों में क्या अंतर होता है? उन्होंने जवाब दिया, 'जिस शिद्दत से हम थिएटर में परफॉर्म करते हैं, उसी शिद्दत से हमें दर्शकों की प्रतिक्रिया भी मिलती है। यहां आपको तुरंत रिस्पॉन्स मिलता है। जैसे ही प्ले शुरू होता है, आपको ऑडियंस के साथ तुरंत रिश्ता बनाना होता है। वह रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण भी है, आकर्षित भी करता है और जरूरी भी है। वहां आपको बहुत सावधान भी रहना होता है, क्योंकि कोई कट तो होता नहीं है। इसलिए मौके को देखकर ही खुद को सुधारना होता है। मैं तो सभी कलाकारों से कहूंगा कि आप लोग भी आकर थिएटर करें। यह हमारे लिए एक मेंटल एक्सरसाइज है और चैलेंजिंग भी है।'

एम्बाप्पे ने बनाया
वर्ल्ड रिकॉर्ड

एम्बाप्पे ने स्वीडन के खिलाफ दो गोल किए और वो अब फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में नॉकआउट स्टेज में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार खिलाड़ी लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था जिन्होंने टूर्नामेंट के इस स्टेज में आठ-आठ गोल किए थे। एम्बाप्पे फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में नॉकआउट मैचों में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए।

फ्रांस ने स्वीडन को हराया

• एम्बाप्पे के गोल से स्वीडन चित

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हरा दिया और अगले दौर में यानी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई जहां उसका मुकाबला अब पैराग्वे के साथ होगा। स्वीडन के खिलाफ फ्रांस के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे को गजब का खेल दिखाया और दो गोल किए जबकि माइकल ओलिस का खेल भी बेहद दमदार रहा। इस दो गोल की मदद से एम्बाप्पे ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

एम्बाप्पे ने किए दो गोल

मेटलाइफ स्टेडियम में 80,000 से ज्यादा फैंस की मौजूदगी के बीच खेले गए इस मैच में डिडियर डेसचैम्प्स की टीम ने स्वीडन को खेल में जमने का कोई मौका नहीं दिया और शुरू से ही बॉल पर कब्जा, मैदान पर दबदबा और गोल करने के मौके बनाने में आगे रही। फ्रांस के चार अटैकिंग खिलाड़ी एक बार फिर जबरदस्त फॉर्म में दिखे। ओलिस ने मैच के दौरान उस्मान डेम्बेले और एमबापे के साथ शानदार तालमेल बिठाया और लगातार खाली जगहें ढूंढ़ते रहे। एम्बाप्पे ने 45वें और 74वें जबकि बारकोला ने 53वें मिनट में गोल दागा।

मेक्सिको ने इक्वाडोर को हराया

1986 के बाद नॉकआउट में पहली जीत दर्ज की

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। सह-मेजबान टीम ने बुधवार को मैक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इक्वाडोर को 2-0 से हराया। जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ मैक्सिको ने 40 साल बाद विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत दर्ज की। यह 1986 के बाद मैक्सिको का पहला विश्व कप नॉकआउट मुकाबला था। खास बात यह रही कि उस साल भी मैक्सिको मेजबान था और उसने बुल्गारिया को 2-0 से हराकर जीत हासिल की थी। अब 2026 में भी टीम ने उसी स्कोर से जीत दर्ज कर इतिहास दोहरा दिया। इसके अलावा, मैक्सिको 1990 में इटली के बाद पहला मेजबान देश बन गया है जिसने विश्व कप के अपने शुरुआती चारों मैच जीते हैं।

नॉकआउट में सबसे ज्यादा गोल

प्लेयर	गोल	साल
एम्बाप्पे (फ्रांस)	10	2018-2026
लियोनिडास (ब्राजील)	8	1934-1938
रोनाल्डो (ब्राजील)	8	1998-2002
जस्ट फोंटेन (फ्रांस)	7	1958
वावा (ब्राजील)	7	1958-1962
ओल्डरिच (चेकोस्लोवाकिया)	7	1934
पेले (ब्राजील)	7	1958-1970

फीफा वर्ल्ड कप में अब तक एम्बाप्पे के 18 गोल हो गए हैं जो इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं। उन्होंने जर्मनी के महान फुटबॉलर मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और इस खास लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) ही हैं। एम्बाप्पे ने अर्लिंग हालैंड को भी पीछे छोड़ दिया है और अब 2026 एडिशन में उनके नाम सबसे ज्यादा गोल (संयुक्त रूप से) हैं, सिर्फ मेसी (6) के भी इतने ही गोल हैं।

'फ्रांस से हारना कोई शर्म की बात नहीं'

न्यूजर्सी। स्वीडन के मुख्य कोच ग्राहम पॉटर ने फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की टीम फ्रांस से मिली हार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें अपनी टीम के अभियान पर गर्व है। उन्होंने स्वीकार किया कि फ्रांस जैसी मजबूत टीम से हारना किसी भी तरह से शर्म की बात नहीं है। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में स्वीडन ने फ्रांस के खिलाफ 4-4-2 फॉर्मेशन के साथ मैदान में उतरते हुए आत्मविश्वास भरी शुरुआत की। टीम ने आक्रामक रक्षात्मक खेल दिखाया, कई बार गेंद अपने कब्जे में ली और कुछ अच्छे आक्रमण भी किए। लेकिन किलियन एम्बाप्पे के दो गोलों की बदौलत ले ब्लूज़ (फ्रांस) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्वीडन को हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीडन के मुख्य कोच ग्राहम पॉटर ने कहा, 'मुझे अपने खिलाड़ियों से किसी भी तरह की शिकायत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि फ्रांस जैसी टीम से हारना शर्म की बात है। वे बेहतर टीम थे और उनके पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। हमारे लिए यह अभियान आगे बढ़ने की मजबूत नींव है और अब तक के प्रदर्शन पर हमें गर्व होना चाहिए।'

नॉर्वे की पहली फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट जीत पर हालैंड ने कहा

अब सब कुछ है बोनस

आर्लिंगटन। फीफा विश्व कप में नॉर्वे को इतिहास की पहली नॉकआउट जीत दिलाने के बाद स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि 28 वर्षों बाद विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और ग्रुप चरण से आगे बढ़ने के बाद अब टीम के लिए आगे मिलने वाली हर सफलता 'बोनस' के समान है। एरलिंग हालैंड ने फीफा विश्व कप में अपने गोल करने का सिलसिला जारी रखते हुए अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल दागा, जिससे नॉर्वे ने कोट डी आइवर को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार विश्व कप के अंतिम 16 (राउंड ऑफ 16) में जगह बनाई। हालैंड ने कहा, 'यह इतिहास है और इसका अहसास अविश्वसनीय है। हमने 28 साल बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया, फिर ग्रुप चरण पार किया और अब अगले दौर में पहुंचकर न्यूयॉर्क में ब्राजील से मुकाबला करेंगे। यह शानदार है। अब इसके बाद मिलने वाली हर उपलब्धि हमारे लिए बोनस है। अब हम बिना किसी दबाव के खेल सकते हैं और इस पल का आनंद ले सकते हैं, क्योंकि शायद हमें दोबारा ऐसा एहसास कभी नहीं होगा।' पूरे मैच के दौरान कोट डी आइवर के खिलाड़ियों ने हालैंड को काफी हद तक रोककर रखा। हालांकि, दूसरे हाफ में अमाद डियालो के शानदार बराबरी के गोल से मुकाबले में वापसी करने वाली कोट डी आइवर की चुनौती को हालैंड ने अपने निर्णायक गोल से खत्म कर दिया।

मोरक्को से हार कर सफर खत्म

नीदरलैंड के कोच रोनाल्ड कोमैन ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद नीदरलैंड्स के कोच रोनाल्ड कोमैन ने पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी है। राउंड ऑफ 32 में मोरक्को और नीदरलैंड्स टीम का मुकाबला खेला गया, जिसमें नीदरलैंड की टीम को हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ वर्ल्ड कप में उसका सफर समाप्त हो गया है। मोरक्को के खिलाफ खेलते हुए नीदरलैंड की टीम के हार के साथ ही कोच रोनाल्ड कोमैन ने भी कोच का पद छोड़ दिया है। इसी के साथ मैनेजर के तौर पर 'ऑरेंज' (नीदरलैंड्स टीम) के साथ उनका दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया। कोमैन ने 2018 की शुरुआत में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया, जो 2020 के मध्य तक चला। कतर में हुए वर्ल्ड कप के बाद, जिसमें नीदरलैंड्स क्वार्टर-फाइनल तक पहुँचा था, वे 2023 की शुरुआत में उन्होंने बतौर कोच फिर टीम से जुड़े थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर रोनाल्ड कोमैन ने कहा, 'मैंने डच नेशनल टीम के कोच के तौर पर अपना कार्यकाल खत्म करने का फैसला किया है। हम सभी ने एक ऐसे वर्ल्ड कप का सपना देखा था जिसमें हम इतिहास रचेंगे। हम कामयाब नहीं हो पाए। इस बात से मुझसे ज्यादा निराश कोई नहीं है। नेशनल कोच के तौर पर, यह जिम्मेदारी आपकी होती है। मैंने हमेशा इसे महसूस किया है, और हमेशा करता रहूंगा।

उन्होंने आगे कहा, 'इसके अलावा, पिछले कुछ सालों में मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि फुटबॉल से ज्यादा जरूरी चीजें भी हैं। फुटबॉल मेरी जिंदगी रही है, लेकिन सेहत अनमोल है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: मेडल में दिखेगा ग्लासगो का इतिहास

3000 खिलाड़ी, 74 देशों की कहानी और पहली बार ब्रेल-टैक्टाइल डिजाइन

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतना हर खिलाड़ी के लिए करियर के सबसे यादगार पलों में से एक होता है। पोडियम पर खड़े होकर जब खिलाड़ी गले में मेडल पहनता है, तो वह सिर्फ एक प्रतियोगिता का परिणाम नहीं होता, बल्कि वर्षों की मेहनत, संघर्ष और सपनों की पहचान बन जाता है।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मिलने वाले मेडल सिर्फ सफलता का प्रतीक नहीं, बल्कि अपने अंदर पूरे शहर की कहानी भी समेटे होंगे, क्योंकि ऐसे आयोजन सिर्फ खेलों का मंच नहीं होते, बल्कि वे उस शहर की पहचान और संस्कृति को भी दुनिया के सामने लाते हैं, जहां उनका आयोजन होता है।

• **ग्लासगो की पहचान से प्रेरित है मेडल का डिजाइन-** इन मेडल्स को तैयार पुरस्कार विजेता कलाकार, डिजाइनर और मेकर मिलित्सा मिलेंकोवा ने किया है। वह ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट की आर्टिस्ट इन रेजिडेंस भी हैं। मेडल को पारंपरिक गोल आकार से अलग Reuleau& Triangle (घुमावदार त्रिकोणीय आकृति) का रूप दिया गया है। इसकी तीनों बराबर गोल घुमावदार भुजाएं ग्लासगो की पहचान और विरासत को दर्शाती हैं। यही खासियत इसे अब तक के कॉमनवेल्थ गेम्स के पदकों से अलग बनाती है। इस ज्यामितीय आकृति की हर घुमावदार रेखा और हर कोण ग्लासगो शहर की पहचान से जुड़ा है। इसके डिजाइन में शहर के इतिहास और संस्कृति को बेहद बारीकी से शामिल किया गया है। मेडल में ग्लासगो के कोट ऑफ आर्म्स, शहर की औद्योगिक विरासत का प्रतीक फिन्नीस्टन क्रेन और पारंपरिक टार्टन पैटर्न को जगह दी गई है।

जिम्बाब्वे ने किया उलटफेर

WTC की नंबर-4 टीम को पारी और 85 रन से हराया, सबसे बड़ी जीत दर्ज की

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे ने मंगलवार (30 जून) को बड़ा उलटफेर करते हुए बांग्लादेश को पारी और 80 रनों से हराकर टेस्ट क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जिम्बाब्वे की यह जीत बड़ी खास है क्योंकि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 रैंकिंग में बांग्लादेश चौथे नंबर पर है। हालांकि, बांग्लादेश को इस हार से नुकसान नहीं होगा, क्योंकि जिम्बाब्वे डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं है। ऐसे में डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप रैंकिंग पर इसका असर नहीं पड़ेगा।

जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद बांग्लादेश को 140 रनों पर आउट कर दिया। अपनी पहली पारी में 410 रन बनाए। फिर दूसरी पारी में बांग्लादेश को 185 रनों पर समेट दिया। जिम्बाब्वे ने 25 साल से ज्यादा समय बाद लगातार दो टेस्ट जीते हैं। इससे पहले उसे अक्टूबर 2025 में अफगानिस्तान को एक पारी और 73 रन से हराया था।

तीसरी बार जिम्बाब्वे ने लगातार दो टेस्ट जीते- अब बांग्लादेश पर जीत के साथ लगातार दूसरा टेस्ट अपने नाम किया। पिछली बार उन्होंने यह कामयाबी अप्रैल 2001 में हासिल की थी। उन्होंने इत्तेफाक से बांग्लादेश का दो मैचों की सीरीज में सूपड़ा साफ किया था। कुल मिलाकर यह सिर्फ तीसरी बार है जब जिम्बाब्वे ने लगातार दो टेस्ट जीते हैं। इससे पहले 1998 में उन्होंने भारत और पाकिस्तान को भी लगातार मैचों में हराया था।

न्यूमैन न्यामहुरी और ब्लेसिंग मुजरबानी ने झटके 4-4 विकेट- जिम्बाब्वे की जीत में गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई। पहली पारी में न्यूमैन न्यामहुरी ने 4 विकेट झटके थे। दूसरी पारी में ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट झटके। बांग्लादेश के लिए दोनों पारी मिलाकर मोमिनुल हक 60 रन ही अर्धशतक बना पाए। पहली पारी में 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान

● अनमोल इक्का कप्तान, फ्रेडरिक सोयेज की कोचिंग में पहला टूर्नामेंट

नई दिल्ली। डिफेंडर अनमोल इक्का पांच से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे पर 22 सदस्यीय भारतीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे। यह दौरा फ्रांस के कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में टीम की पहली प्रतियोगिता होगी और इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप से पहले तैयारी का एक अहम चरण होगा। दौरे के दौरान युवा भारतीय टीम यूरोप की कुछ सबसे मजबूत टीमों का सामना करेगी।

भारतीय टीम ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इस दौरे से टीम को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का बहुमूल्य अनुभव मिलने की उम्मीद है। साथ ही महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले टीम को अपने संयोजन और खेलने के तरीके को परखने में भी मदद मिलेगी। गोलकीपर के रूप में विवेक लाकड़ा और कुणाल तेवतिया को टीम में जगह मिली है जबकि अनमोल रक्षापंक्ति की कमान संभालेंगे जिसमें रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की और वी मणिमारन भी शामिल हैं।

सुनील गावस्कर ने बताई भारतीय महिला टीम की हार की असली वजह

'ऐसा रविवार फिर नहीं देखना चाहेंगे'

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के लिए रविवार 28 जून 2026 का दिन निराशा से भरा रहा। पुरुष टीम को आयरलैंड के खिलाफ मिली हार और महिला टीम का ऑस्ट्रेलिया के हाथों आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होना, दोनों घटनाओं ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को निराश किया।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इस दोहरी निराशा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसा रविवार भारतीय क्रिकेट प्रेमी दोबारा नहीं देखना चाहेंगे। उन्होंने महिला टीम की हार के पीछे खराब फील्डिंग, फिटनेस से जुड़े सवालों और मैदान पर रणनीतिक कमियों को बड़ी वजह बताया।

महिला टीम की हार पर सुनील गावस्कर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार चौंकाने वाली नहीं थी, लेकिन इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए बेहद अहम था। उस मैच में खराब फील्डिंग ने टीम को नुकसान पहुंचाया और भारत मजबूत स्थिति से मैच गंवा बैठा।

सुनील गावस्कर ने महिला टीम के चयन और फिटनेस को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी पूरी तरह फिट नहीं है, लेकिन टीम के लिए मैच जिताने वाला प्रदर्शन करने की क्षमता रखता है तो उसे खिलाना समझ में आता है, लेकिन ऐसी स्थिति में रिजर्व खिलाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं।

सुनील गावस्कर ने कहा कि मैदान पर कुछ खिलाड़ियों को अंगुलियों पर पट्टी बांधे हुए देखना यह संकेत देता है कि वे शायद पूरी तरह फिट नहीं थे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल एक धारणा हो सकती है और उम्मीद है कि वास्तविक स्थिति इससे अलग हो।

सुनील गावस्कर ने टीम की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ बल्लेबाजों द्वारा एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से रन बनाने की कोशिशों के बावजूद फील्ड प्लेसमेंट में बदलाव नहीं किया गया। उनके मुताबिक, बल्लेबाजों को जोखिम भरे शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की रणनीति अपनाई जा सकती थी।

संक्षिप्त समाचार

नीट-पीजी 2026 परीक्षा में शामिल होने की मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-पीजी-2026 परीक्षा के लिए आवेदन करने और उसमें शामिल होने

की अनुमति देने की मांग को लेकर दो डॉक्टरों की याचिका पर अंतरिम राहत देने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इंकार कर दिया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा व न्यायमूर्ति विनोद कुमार की पीठ ने अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार करते हुए एएफटी के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि याचिकाकर्ताओं ने 2025 के नियमों की वैधता पर सवाल उठाए हैं, उन्हें अंतरिम उपाय के तौर पर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने का कोई आधार नहीं बनता। पीठ ने यह भी कहा कि ऐसी राहत देने का मतलब होगा 2025 के नियमों के अमल को रोकना, जबकि उनकी वैधता पर अभी अंतिम फैसला होना बाकी है। याचिकाकर्ता डॉक्टरों मेजर जयंती चंद्रा व मेजर ईशान सेगन ने आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज के मेडिकल/नॉन-टेक्निकल अधिकारियों के लिए ट्रेनिंग और प्रोफेशनल प्रोग्रेशन नियम- 2025 के तहत बदली हुई योग्यता शर्तों को चुनौती दी है और यह मामला अभी आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) में लंबित है।

सब कुछ नहीं हटेगा': राघव को दिल्ली एचसी से झटका, सिर्फ 5 फर्जी ऑनलाइन दस्तावेज हटेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की भाजपा सांसद राघव चड्ढा की मांग पर सभी सामग्री हटाने से हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने पांच छेड़छाड़ किये गए दस्तावेज हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि बाकी सामग्री मानहानि वाला नहीं है। कोर्ट ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा और मानहानि वाली सामग्री को हटाने के लिए कोई भी व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से भी इनकार कर दिया। कोर्ट ने 21 मई को अंतरिम रोक की अर्जी पर दलीलों की सुनवाई के दौरान शुरुआती तौर पर यह टिप्पणी की थी कि चड्ढा द्वारा बताए गए कंटेंट से व्यक्तिगत अधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं होता है। कोर्ट ने तब यह भी कहा था कि यह राजनीतिक आलोचना जैसा ज्यादा था।

बागियों ने मजबूत कर दिया एनडीए का नंबरगेम, राज्यसभा में सीटें बढ़ीं

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार में कैबिनेट फेरबदल कभी भी हो सकता है। इन अटकलों के बीच दूसरे दलों से आए उन बागियों की चर्चा भी जोर पकड़ रही है, जिन्होंने एनडीए को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। हालांकि, अब तक साफ नहीं है कि इनमें से कितने नेताओं को कैबिनेट में मौका मिलेगा। हाल ही में आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के सांसदों ने पाला बदलकर संसद में एनडीए को समर्थन दे दिया है। बागियों ने कैसे राज्यसभा में बदला नंबरगेम इसकी शुरुआत आप से हुई। पार्टी के राघव चड्ढा और हरभजन सिंह समेत 7 सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐलान कर दिया था। इसके साथ ही दल के उच्च सदन में सदस्यों की संख्या 114 पर पहुंच गई है। वहीं, हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में भी पार्टी को बड़ा फायदा हुआ है। इसके बाद कहा जा रहा है कि टीएमसी के इस्तीफा देने वाले 4 सांसदों की सीटों पर भी भाजपा बढ़त हासिल कर सकती है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के कुछ समय बाद ही टीएमसी में दरारें नजर आने लगी थीं। नतीजा यह हुआ कि विधायकों के बाद पार्टी के 20 सांसदों ने बगावत कर दी, जिसमें काकोली घोष दस्तीदार और सुदीप बंदोपाध्याय जैसे वरिष्ठ नेता भी शामिल थे।

दिल्ली में 650 करोड़ के स्वास्थ्य घोटाले में एक्शन, डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह बर्खास्त

नई दिल्ली, एजेंसी। 650 करोड़ रुपये के स्वास्थ्य घोटाले की जांच के बीच स्वास्थ्य विभाग में एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. सुषमा जैन ने डाटा असिस्टेंट सुमित सिंह की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी।

इसके साथ ही डीजीएचएस कार्यालय में तैनात दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित कर दिया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) से जुड़े मामलों और निजी दवा सप्लायरों से नजदीकी के आरोपों की जांच के बीच की गई है।

सप्लायरों से नजदीकी और खरीद प्रक्रिया में भूमिका की जांच

आदेश के अनुसार सुमित सिंह को सभी सरकारी फाइलें, दस्तावेज, लैपटॉप, पहचान पत्र और अन्य विभागीय सामग्री तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि सुमित सिंह लंबे समय से खरीद और सप्लाई से जुड़े कार्यों में तैनात थे।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि दवा और चिकित्सा सामग्री की खरीद से जुड़े कुछ सप्लायरों के साथ

उनके संबंधों की प्रकृति क्या थी और खरीद प्रक्रिया में उनकी क्या भूमिका रही। इसी मामले में दो जूनियर असिस्टेंट को भी निलंबित किया गया है। हालांकि विभाग ने जांच में उनकी भूमिका को देखते हुए उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। माना जा रहा है कि खरीद प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों, रेकार्ड और फाइल मूवमेंट की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। दो अधिकारियों को भी निलंबित किया जा चुका है।

अमीरों की सोसाइटी में 'सस्ता घर': 31 लाख रुपये में फ्लैट खरीदने का मौका, 15 जुलाई से शुरू होंगे रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका के सेक्टर-19 बी में बने प्रीमियम अपार्टमेंट में कम्युनिटी सर्विस पर्सनल (सीएसपी) हाउसिंग स्कीम के राउंड-2 के तहत 39 ईडब्ल्यूएस फ्लैट उतारे हैं। ये फ्लैट सर्विस स्टाफ क्वार्टर की तरह ही लिए जा सकेंगे। इस अपार्टमेंट के एचआईजी, सुपर एचआईजी और पेंटहाउस फ्लैट ले चुके लोग ही इन फ्लैट्स को ले सकेंगे। इसमें भी वही आवेदक इन फ्लैट के लिए अप्लाई कर सकेंगे, जिन्होंने पहले सीएसपी के तहत कोई फ्लैट नहीं लिया है। इन फ्लैट्स के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 जुलाई सुबह 11 बजे से शुरू होगी। इसकी अंतिम तिथि 12 अगस्त की शाम 6 बजे तक है। जबकि ई-ऑक्शन की प्रक्रिया 21 अगस्त को सुबह 11 से 1 बजे तक होगी। इन फ्लैट्स का रिजर्व प्राइज 31.28 लाख रुपये है। यह सभी फ्लैट्स एम टावर में हैं। हर आवेदक को एक ही फ्लैट मिलेगा। हालांकि वह मल्टीपल फ्लैट्स के लिए आवेदन कर सकता है। इन फ्लैट्स के लिए मैनटेनेंस कॉर्पस फंड में 75000 रुपये और एक साल का मंथली मेंटेनेंस चार्ज 1.50 रुपये प्रति स्क्वायर फीट देना होगा। इस तरह के सर्विस स्टाफ क्वार्टर अलॉट करने की सुविधा अभी डीडीए ने द्वारका के इसी प्रीमियम अपार्टमेंट में शुरू की है।

टिल्लू ताजपुरिया का खास गुर्गा गिरफ्तार, अलीपुर में की थी ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में संगठित अपराध और गैंगस्टर के खिलाफ दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अलीपुर में जमीन कब्जाने के दौरान हुई 12 राउंड फायरिंग मामले में कुख्यात टिल्लू

ताजपुरिया के करीबी गुर्गे संदीप उर्फ दागू महाराज और उसके एक साथी दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, आठ कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई काले रंग की स्कॉर्पियो-एन कार बरामद की है।

30 अक्टूबर 2025 को रामजनपुर गांव में एक विवादित प्लॉट पर कब्जा करने के इरादे से करीब 40 से 45 हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोला था। इलाके में दहशत फैलाने के लिए बदमाशों ने अंधाधुंध 12 राउंड हवाई फायरिंग की, ताले तोड़े और वहां मौजूद लोगों पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस संबंध में अलीपुर थाने में मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोचा

क्राइम ब्रांच के एसीपी गिरीश कौशिक और इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह की टीम को सूचना मिली कि अलीपुर फायरिंग मामले का वांटेड संदीप उर्फ दागू महाराज अपने साथी के साथ काले रंग की स्कॉर्पियो कार से नरेला इलाके में आने वाला है। पुलिस टीम ने नरेला यूईआर-दो रोड और अलीपुर-नरेला रोड को जोड़ने वाली रोड पर संदिग्ध कार वहां पहुंची, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। बदमाशों ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी संदीप उर्फ दागू महाराज (40 वर्ष) सातवीं पास है और साल 2011 में मोबाइल झपटमारी के केस से अपराध की दुनिया में आया था। इसके बाद वह हत्या और हत्या के प्रयास जैसे कई संगीन मामलों में शामिल रहा।

सोनीपत जेल में हुई थी टिल्लू से मुलाकात

साल 2016 से 2022 के बीच जब वह सोनीपत जेल में बंद था, तब उसकी मुलाकात कुख्यात गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया से हुई। टिल्लू ने उसे रुपयों और पावर का लालच देकर अपने गैंग में शामिल किया और जेल से छूटने से पहले एक इंटरनेशनल व्हाट्सएप नंबर दिया।

जेल से बाहर आते ही संदीप ने टिल्लू से संपर्क किया। फरवरी 2023 में टिल्लू के गुर्गों ने उसे सिंघु बॉर्डर के पास एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और कारतूस सौंपे, जिसका इस्तेमाल वह वारदातों में कर रहा था। अलीपुर की वारदात को लेकर संदीप ने कुबूल किया कि टिल्लू गैंग के एक्टिव मेंबर दीपक बालियान ने उसे और उसके भाई शांतनु को हथियार लेकर विवादित प्लॉट पर कब्जा करने के लिए बुलाया था।संदीप उर्फ दागू महाराजः 40 वर्षीय दागू सोनीपत का रहने वाला है। वह टिल्लू ताजपुरिया गैंग का एक्टिव मेंबर है। इस पर दिल्ली और हरियाणा (कुंडली, मुरथल, नरेला) में हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के 6 से ज्यादा संगीन मामले दर्ज हैं।

अवैध पार्किंग की जांच कर रहीं कमेटी चेयरमैन के दफ्तर के सामने हो रहा 'खेल', पड़ताल में खुली निगम की पोल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम में सबसे उच्च पद स्थायी समिति का माना जाता है। इस कुर्सी पर बैठे नेता की अनुमति के बिना निगम में पत्ता तक नहीं हिल सकता। पिछले कुछ दिनों से स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा उत्तर पूर्वी जिले में पार्किंग का निरीक्षण कर रही हैं। कई अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की बात भी कही। कार्रवाई का क्या असर हो रहा है, 'दैनिक जागरण' ने मंगलवार को इसकी पड़ताल की।

न्यू उस्मानपुर स्थित जगदीश टावर में समिति अध्यक्ष का कार्यालय बना हुआ है। इसके ठीक सामने ही धड़ल्ले से अवैध पार्किंग चल रही है। वाहन चालकों से शुल्क वसूला जा रहा है, लेकिन पार्किंग की स्लिप नहीं दी जा रही है। पार्किंग माफिया अनिल शर्मा का दुस्साहस इतना ज्यादा है कि उसे डर नहीं है कि निगम या पुलिस उसपर कार्रवाई करेगी। उसने अपने पक्ष में कहा कि वह अवैध पार्किंग करेगा कोई उसे नहीं रोक सकता। वाहनों की सुरक्षा के नाम पर वह वाहन चालकों से शुल्क वसूल रहा है। न्यू उस्मानपुर थाने के पास जिला प्रशासन की जमीन पर माफिया कब्जा करके अवैध पार्किंग चला रहा है। फोटो मंगलवार दिन में 11:47 बजे की है। सरकारी जमीन पर किया कब्जा वहीं, न्यू उस्मानपुर थाने के

पास जिला प्रशासन की जमीन को माफिया ने कब्जाया हुआ है। इस सरकारी जमीन पर इस अवैध पार्किंग में डग्गामार बसों का अवैध बस अड्डा चलता हुआ मिला। बसों में माल की लोडिंग न अनलोडिंग हो रही थी। आरोप है कि भजनपुरा से एक पूर्व मनोनित पार्षद का भाई यहां अवैध पार्किंग चला रहा है। सरकारी जमीन को घेरने वाले मोहित तोमर ने कहा कि जल्द ही जगह खाली कर देगा। आरपी सेल व थाना पुलिस की मिलीभगत सरकारी जमीन को माफिया ने घेर कैसे लिया। डीएम ने कार्रवाई की बात की। शाम तक डीएम ने जमीन खाली करवा दी और न्यू उस्मानपुर थानाध्यक्ष को पत्र लिखकर कार्रवाई को कहा। न्यू उस्मानपुर व शास्त्री पार्क थाने के पास ही करीब चार पार्किंग अवैध चल रही हैं। डीडीए की सड़कों पर अलग-अलग पार्किंग माफिया का कब्जा है। पड़ताल में पता चला कि आरपी सेल व थाना पुलिस की मिलीभगत से यह धंधा जोरों पर चल रहा है। इन अवैध पार्किंग पर कार्रवाई का जिम्मा दिल्ली नगर निगम के आरपी सेल का है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्षद, विधायक से लेकर सांसद तक कोई ऐसा जनप्रतिनिधि नहीं है, जिन्हें अवैध पार्किंग का न पता हो। राष्ट्रीय राजधानी में किस तरह से संगठित तरीके से अवैध पार्किंग का खेल चल रहा है और सरकारी रेवेन्यू को चपत लगाई जा रही है यह जनप्रतिनिधि अच्छे से जानते हैं।

भारत के एक कदम से घुटनों पर आया पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत द्वारा सिंधु जल समझौता स्थगित करने के बाद से पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है और अब वह दुनिया के सामने सिंधु जल समझौता लागू कराने की गुहार लगा रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान ने एक कथित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। इस सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान ने गीदड़भभकी दिखाते हुए कहा कि अगर सिंधु जल समझौता विफल हो जाता है तो कागजों पर बनी कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह जल समझौता स्थगित कर दिया था।

सिंधु जल समझौता स्थगित रहा तो पाकिस्तान की बढ़ेगी परेशानी: पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था और बिजली उत्पादन सिंधु नदी के जल पर काफी हद तक निर्भर है। सिंधु जल समझौता स्थगित होने से पाकिस्तान को नदियों के जल की मात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। इससे पाकिस्तान को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा सिर्फ जल

बंटवारे की व्यवस्था नहीं है बल्कि क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सहयोग का महत्वपूर्ण साधन भी है। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के मुखिया और सांसद बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल समझौता पाकिस्तान पर कोई एहसान नहीं था। पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर बार-बार सिंधु जल समझौते का मुद्दा उठा रहा है। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को हुए इस वैश्विक सम्मेलन में पाकिस्तान ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया। इस पहल के जरिए पाकिस्तान सिंधु जल समझौते पर अपने पक्ष को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी नेताओं ने दिखाई गीदड़भभकी: पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि यह अपनी तरह का पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार है। इस सम्मेलन में पाकिस्तानी सीनेटर मुसादिक मलिक ने कहा कि सिंधु जल समझौते के तहत दोनों परमाणु शक्तियों के बीच तीन युद्ध हुए हैं। अगर यह संधि कायम नहीं रहती है तो दूसरे विश्वयुद्ध के बाद की कागजों पर कोई भी विश्व व्यवस्था सुरक्षित नहीं रहेगी। मलिक ने सवाल उठाया कि अगर कोई शक्तिशाली देश एकतरफा तरीके से अंतरराष्ट्रीय संधियों का निलंबन करता है तो इससे अंतरराष्ट्रीय संधियों की विश्ववसनीयता कितनी रह जाएगी?

● राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मेलन की तैयारी

ट्रंप की नई सियासी चाल: चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी

इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं। साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। इस बार ट्रंप स्वयं चुनावी बैलेट पर नहीं होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व को अपने समर्थकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई: अस्पतालों पर भारी दबाव

काराकास, एजेंसी। दो जबरदस्त भूकंपों के लगभग एक हफ्ते बाद वेनेजुएला का पहले से कमजोर स्वास्थ्य तंत्र अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच गया है। राहत संगठनों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल घायलों से भर चुके हैं, जबकि आपदा प्रभावित इलाकों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच, सरकार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में आधिकारिक तौर पर बचाए गए लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भूकंप के बाद शुरुआती दो दिनों में 5,380 लोगों को बचाया गया था, जबकि सोमवार को अधिकारियों को केवल चार लोग जिंदा मिले। भूकंप के बाद जीवित लोगों को खोजने का सबसे अहम समय आमतौर पर 48 से 72 घंटे माना जाता है, लेकिन तापमान और पानी या भोजन की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर इससे ज्यादा समय तक भी कोई जीवित रह सकता

है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर तक बचाए गए लोगों में केवल एक छोटा बच्चा जिंदा मिला, जो छह दिनों तक गिरी हुई इमारत के मलबे में फंसा रहा। इन आंकड़ों में देशभर में स्वयंसेवी समूहों द्वारा किए गए कई बचाव अभियान शामिल नहीं हैं। सरकार की धीमी प्रतिक्रिया से निराश होकर इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पहुंचने से कई दिन पहले ही अपने फंसे हुए परिजनों को बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

सरकार के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 1,900 से ज्यादा हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा वास्तविकता से काफी कम हो सकता है, क्योंकि हर दिन मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं तथा मुर्दाघरों में शव रखने की जगह भी कम पड़ रही है। जीवित बचे लोगों के बीच मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने हजारों बेघर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ये लोग कई दिनों से खुले आसमान के नीचे या भीड़भाड़ और गंदगी वाले अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं।

भूकंप से अब तक कितने लोग हुए प्रभावित?: जिनेवा में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमेयर ने कहा कि दशकों से कम निवेश और वर्षों के आर्थिक संकट से जूझ रही वेनेजुएला की स्वास्थ्य व्यवस्था अब अभूतपूर्व दबाव में है। अचानक बढ़े ट्रॉमा के मामलों ने अस्पतालों की क्षमता को पूरी तरह चुनौती दे दी है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता कार्लोटा वोल्फ ने बताया कि वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार भूकंप से 15,800 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो बेघर हो चुके हैं। कई लोग कारों, पार्कों और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताने को मजबूर हैं। वोल्फ ने कहा कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुएरा, जो राजधानी काराकास के पास समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है, वहां बड़ी संख्या में लोग भोजन और पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं।

किन चीजों का खतरा बढ़ा?

लिंडमेयर ने कहा कि शौचालय, स्नान की सुविधा और साबुन जैसी बुनियादी चीजों की कमी के कारण बेघर लोगों में खसरे जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही टीकाकरण की दर कम है। इसके अलावा डेंगू, पीला बुखार और मलेरिया जैसी जलजनित और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने के लिए भी हालात अनुकूल हैं। सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह आए भूकंपों से देशभर में 38 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनका कामकाज प्रभावित हुआ है। ङ्ख।॥ह्र ने अब तक इनमें से 21 अस्पतालों का आकलन किया है। इनमें तीन अस्पताल पूरी तरह बंद हो चुके हैं, छह को गंभीर नुकसान पहुंचा है और बाकी अस्पताल घायलों की लगातार बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं।

सुदूरवर्ती आदिवासी गांव पहुंचकर डीसी ने लिया एसआइआर अभियान का जायजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने जिले में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान के तहत जरीडीह प्रखंड अंतर्गत खुटरी पंचायत के सुदूरवर्ती केंदुआडीह एवं कुसुलमुण्डु गांव का दौरा कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंदुआडीह गांव में खटिया पर बैठकर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) संध्या हांसदा से अभियान की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि अब तक कितने मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) का वितरण किया गया है तथा कितने प्रपत्र प्राप्त हुए हैं। साथ ही, प्राप्त प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की प्रगति की भी समीक्षा की। डीईओ सह डीसी ने मौके पर उपस्थित वॉलिंटियर्स को गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन में बीएलओ को सहयोग करने का निर्देश देते हुए कहा कि अभियान के दौरान एक भी पात्र मतदाता छूटने नहीं पाए, यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यही, कुसुलमुण्डु गांव के बीएलओ अनिता देवी से जानकारी ली।

सुनी ग्रामीणों की बातें, जाना जमीनी हकीकत

भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने औपचारिकता से दूर ग्रामीण परिवेश में खटिया पर बैठकर ग्रामीण मतदाताओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने अभियान से जुड़े अनुभव सुने, ग्रामीणों की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं और सभी से एसआईआर अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जरीडीह बीडीओ कुमार कनिष्क, जरीडीह सीओ ऋतुराज, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

आदिवासी टोला पहुंचकर सुनी समस्याएं, विकास कार्यों के दिए निर्देश

उपायुक्त ने केंदुआडीह गांव के आदिवासी टोला में ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने गांव में मसना (श्मशान स्थल) की आवश्यकता तथा लगातार गिरते भू-जल स्तर के कारण उत्पन्न पेयजल संकट की समस्या उनके समक्ष रखी। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त ने बीडीओ/सीओ एवं बीडब्ल्यूओ जरीडीह को मसना निर्माण का प्रस्ताव तत्काल तैयार कर जिला कार्यालय को भेजने का निर्देश दिया। वहीं, पेयजल संकट के स्थायी समाधान के लिए टोला में डीप बोरिंग की संभावनाओं का आकलन करने तथा निकटवर्ती नदी पर चेक डैम निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जल संरक्षण का दिया संदेश

ग्रामीणों से संवाद के दौरान उपायुक्त ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि बारिश के पानी को मेड़ बनाकर सुरक्षित करें। गांव का पानी गांव में ही बचाएं। जब वर्षा का पानी गांव में ही रुकेगा, तभी भू-जल स्तर बढ़ेगा और पानी सुरक्षित रहेगा। प्रकृति का यह अमूल्य उपहार हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन केवल योजनाएं लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव-गांव पहुंचकर लोगों की वास्तविक जरूरतों को समझते हुए उनका समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। दूरस्थ गांवों के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे, यही जिला प्रशासन का उद्देश्य है।

बोकारो रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़

हटिया-पटना एक्सप्रेस से 11 नाबालिग बच्चे रेस्क्यू, सरगना फरार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल और चाइल्डलाइन की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मानव तस्करी का शिकार होने से 11 नाबालिग बच्चों को बचा लिया है। यह रेस्क्यू ऑपरेशन बीती देर रात हटिया-पटना एक्सप्रेस (ट्रेन संख्याः 18623) में चलाया गया। बचाए गए सभी बच्चों की उम्र 12 से 17 वर्ष के बीच है, जिन्हें पटना बिहार के होटलों में बाल मजदूरी के लिए ले जाया जा रहा था। हालांकि, अंधेरे और भीड़ का फायदा उठाकर बाल तस्करी गिरोह का मुख्य सरगना मौके से फरार होने में कामयाब रहा। रेस्क्यू किए गए सभी 11 बच्चों को आरपीएफ द्वारा बाल कल्याण समिति बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के निदेर्शानुसार, बच्चों को सुरक्षित रूप से बाल गृह (चास) सौंप दिया गया है। फिलहाल बाल गृह में बच्चों को उचित माहौल देकर उनसे पूछताछ की जा रही है और उनकी काउंसलिंग की जा रही है ताकि गिरोह के नेटवर्क का पता लगाया जा सके। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में आरपीएफ की ओर से किरण उरांव, लक्ष्मी कुमारी और राजेश कुमार के साथ-साथ चाइल्डलाइन से अरुण कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई। इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए सहयोगिनी संस्था के समन्वयक तथा 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' के कार्यकर्ता रवि कुमार राय ने कहा कि विभिन्न ट्रेनों के जरिए अंतर्राज्यीय मानव तस्करी गिरोह लगातार बच्चों को अपना निशाना बना रहे हैं। हालांकि रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जाता है, लेकिन बच्चों को बाल तस्करी और बाल दुर्व्यवहार में धकेलने वाले इन गिरोहों पर त्वरित और कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की सख्त जरूरत है। उन्होंने आगे बताया कि इस गंभीर समस्या को देखते हुए सहयोगिनी संस्था द्वारा पूरे बोकारो जिले में बाल तस्करी और बाल मजदूरी के खिलाफ व्यापक रूप से सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

'बिरसा कृषि रथ' को डीसी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना किया

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से डिजिटल 'बिरसा कृषि रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ अगले 15 दिनों तक जिले के सभी प्रखंडों के सभी पंचायतों में भ्रमण करेगा। डीसी ने कहा कि सुपर अल-नीनो के कारण इस वर्ष कम बारिश की संभावना है। ऐसे में सही फसल का चुनाव और वैज्ञानिक सलाह को गांव-गांव तक पहुंचाना रथ का मुख्य उद्देश्य है। रथ के साथ कृषि वैज्ञानिकों की टीम मिट्टी जांच, जैविक खेती, फसल विविधीकरण और आधुनिक यंत्रों के उपयोग की जानकारी देगी। उन्होंने बताया कि रथ के माध्यम से बिरसा हरित ग्राम योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री का किसानों के नाम संदेश भी प्रसारित किया जाएगा। डीडीसी ने कहा कि यह रथ किसानों और कृषि विभाग के बीच सीधा सेतु बनेगा। इस मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, केवीके के वरीय वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

एसआइआर को लेकर कांग्रेस सड़कों पर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर सह प्रवक्ता शकील अख्तर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर पूरी तरह गंभीर है। सर्किट हाउस सभागार में प्रेस वार्ता कर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम बिना उचित कारण सूची से न कटे। श्री अख्तर ने बताया कि जिले के सभी शहरी मतदान केंद्रों पर कांग्रेस के बीएलए-2 घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। कार्यकर्ता मतदाताओं को सूची सत्यापन, नाम जोड़ने और संशोधन की प्रक्रिया की जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारी लगातार धनबाद में कैंप कर रहे हैं और कार्यकताओं को अभियान में सक्रिय रहने को कहा गया है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे अपने नाम का सत्यापन जरूर करें। कोई त्रुटि हो तो तुरंत बूथ स्तर के अधिकारी या पार्टी के बीएलए-2 से संपर्क करें। प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, बोकारो जिलाध्यक्ष जवाहरलाल महथा, मुख्तार खान, शमशेर आलम, काली चरण यादव युवा कांग्रेस अध्यक्ष आदित्य आनंद सहित कई नेता मौजूद थे।

आईटी आइएसएम में नवनियुक्त कर्मचारियों का इंडक्शन प्रशिक्षण संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बुधवार को एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट सेंटर में हुआ। कार्यक्रम में कुल 21 जूनियर असिस्टेंट और 12 जूनियर टेक्नीशियन ने भाग लिया। तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नए कर्मचारियों को संस्थान की कार्यप्रणाली, सेवा नियमों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को स्थापना, लेखा, वित्त एवं क्रय प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें संस्थान के विभिन्न विभागों की भूमिका और आपसी समन्वय के बारे में भी बताया गया। समापन समारोह में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रशिक्षण कर्मचारियों को उनके दायित्वों के निर्वहन में मदद करेगा और संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सरायढेला के होटल न्यू हरि-इन से 9 शातिर साइबर अपराधी गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। साइबर थाना पुलिस ने सरायढेला थाना क्षेत्र के होटल न्यू हरि-इन से 9 शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, साइबर थाना, रामजी राय ने मीडिया को बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार एवं पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने सरायढेला थाना क्षेत्र के होटल न्यू हरि-इन के कमरा नंबर 103 और 108 में छापेमारी कर 9 शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा यह गिरोह आम जनता से साइबर ठगी करने के लिए विभिन्न म्युल खाते इकट्ठा करता था और उन्हें अवैध ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स के संचालकों को बेचता या

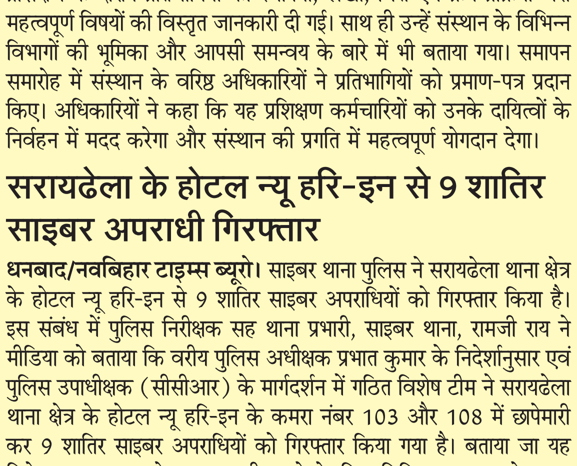

उपलब्ध कराता था। इस माध्यम से भारतीय मुद्रा को अवैध रूप से विदेशों में ट्रांसफर किया जा रहा था। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 12 एंड्रॉइड फोन, 17 सिमकार्ड, अलग-अलग बैंक के 17 एटीएम कार्ड, 4 क्यूआर कोड, 20चेक बुक, 1 पासबुक, ₹50,000/- नगद राशि बरामद हुई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में रोहित दाँ (निरसा, धनबाद), आशीष कुमार (आरा भोजपुर, बिहार), चन्द्रकांत परिदा (खुर्दा, उड़ीसा), महफुज आलम (कुमारधुबी, धनबाद), मिथलेश ठाकुर (भागलपुर, बिहार), मो आबिद आलम (बिहटा, पटना), आशुतोष कुमार आनंद (भागलपुर, बिहार), मनंजर शेर आलम (बिहटा, पटना) तथा मो गुफरान आलम (गोड्डा, झारखण्ड) शामिल है। अपराधियों की गिरफ्तारी में साइबर थाना के पुलिस निरीक्षक विष्णु कुमार गोस्वामी, पंकज कुमार, प्रभुनाथ प्रसाद, गौरव कुमार, गिरधर गोपाल, अंजन मंडल तथा सिटी हॉक्स टीम 7, 8 एवं 9 के पदाधिकारी व जवान शामिल रहे।

सोशल मीडिया पर मिली सूचना पर तत्काल सक्रिय हुआ जिला प्रशासन

बुजुर्ग लोबिन हेंब्रम के घर पहुंची बीडीओ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोशल मीडिया (एक्स) पर कसमार प्रखंड के तेलमुंगा गांव निवासी बुजुर्ग लोबिन हेंब्रम एवं उनके दिव्यांग पुत्र कालिदास हेंब्रम के संबंध में पेंशन नहीं मिलने की जानकारी सामने आते ही उपायुक्त अजय नाथ झा ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने कसमार की प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी को तत्काल स्थल पर जाकर जांच करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

घर पहुंचकर जानी परिवार की स्थिति

उपायुक्त (डीसी) के निर्देश के आलोक में बीडीओ श्रीमती नम्रता जोशी पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव एवं वार्ड सदस्य के साथ लोबिन हेंब्रम के आवास पर पहुंचीं। उन्होंने जमीन पर बैठ परिवार से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं, उपलब्ध दस्तावेजों का सत्यापन किया तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में तत्काल कार्रवाई शुरू कराई।

जाति प्रमाण पत्र के अभाव में लंबित थी पेंशन प्रक्रिया

जांच के दौरान पाया गया कि लोबिन हेंब्रम की आयु मतदाता पहचान पत्र के अनुसार 52 वर्ष है। जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी पेंशन की प्रक्रिया लंबित थी। मौके पर ही पंचायत सचिव एवं वीएलई के माध्यम से उनका जाति प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन कर दिया गया, ताकि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद पेंशन स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

सुकुरमनी देवी के दस्तावेजों का भी किया गया सत्यापन

जांच के दौरान सुकुरमनी देवी के दस्तावेजों का भी सत्यापन किया गया। मतदाता पहचान पत्र के अनुसार उनकी आयु 49 वर्ष पाई गई। नियमानुसार उनकी पात्रता के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिव्यांग पुत्र के लिए बैटरी चालित ट्राइसाइकिल की पहल

लोबिन हेंब्रम के दिव्यांग पुत्र कालिदास हेंब्रम के लिए बैटरी चालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने हेतु आवेदन प्राप्त कर लिया गया है। संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है, ताकि उन्हें शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

सोशल मीडिया पर प्राप्त शिकायतों पर भी होती है त्वरित कार्रवाई

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहे। सोशल मीडिया सहित किसी भी माध्यम से यदि किसी जरूरतमंद की सूचना प्राप्त होती है तो जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं हो।

अतिक्रमण के खिलाफ चास बाजार में चला निगम का बुलडोजर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास शहर में लगातार मिल रही है अतिक्रमण की शिकायत के बाद चास नगर निगम ने बुधवार सुबह विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत की। यह अभियान चेकपोस्ट सब्जी मार्केट से गुजरात कॉलोनी मोड होते हुए सुभाष चौक तक चलाया गया। अभियान के दौरान निगम की टीम के साथ मेयर भोलू पासवान स्वयं मौके पर मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी की। मौके पर पत्रकार से बातचीत करते हुए मेयर भोलू पासवान ने कहा कि शहर वासियों की ओर से अतिक्रमण को लेकर लगातार शिकायते मिल रही थी। इन्हें गंभीरता से लेते हुए नगर निगम ने नियमित कार्रवाई का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक बुधवार को चास के अलग-अलग इलाकों में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाएगा । अगले बुधवार को जोधाडीह मोड क्षेत्र में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा । मेयर ने कहा कि अतिक्रमण हटाने से मुख्य सड़कों पर लगने वाले जाम और जलजमाव की समस्या कम होगी और लोगों का आवागमन अधिक सुगम बनेगा । उन्होंने बताया कि चेक पोस्ट क्षेत्र में अभियान शुरू करने का एक प्रमुख कारण बारिश के दौरान बड़े नाले की नियमित सफाई सुनिश्चित करना भी है ।मेयर के अनुसार बरसात के दिनों में बड़े नाले के अवरुद्ध होने से सड़क पर जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसके कारण आसपास की छोटी नालियां भी जाम हो जाती है।

लॉ कॉलेज पहुंचा न्याय रथ, कानून की बारीकियों से रूबरू हुए विधि के छात्र

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के जन-जागरूकता अभियान के तहत संचालित 'जस्टिस रूट' (न्याय रथ) बुधवार को लॉ कॉलेज, धनबाद पहुंचा। इस अवसर पर विधि के छात्र-छात्राओं को विधिक अधिकारों, विभिन्न सरकारी योजनाओं, मध्यस्थता, लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा नशा नियंत्रण संबंधी कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने विद्यार्थियों को एनडीपीएस अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों, नशे के दुष्परिणामों तथा कानून के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर समाज में विधिक जागरूकता फैलाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। वहीं लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डेप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने विद्यार्थियों को मध्यस्थता, लोक अदालत एवं भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए वैकल्पिक विवाद समाधान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता और लोक अदालत के माध्यम से कम समय और कम खर्च में विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। इस दौरान सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल शैलेंद्र कुमार झा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, निःशुल्क विधिक सहायता, पात्रता, तथा आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न कानूनी सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विधि के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस पर रोटरी ने किया पांच सीए सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब चास द्वारा लेखांकन, कर परामर्श एवं वित्तीय पारदर्शिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पांच चार्टर्ड अकाउंटेंटों को सम्मानित किया गया। सीए अमोल लच्छीरामका, सीए राजेंद्र प्रसाद गोयंका, सीए अनूप अग्रवाल, सीए गौरव मुरारका सीए रवि अग्रवाल को प्रशस्ति-पत्र एवं अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, वित्तीय अनुशासन स्थापित करने तथा कर संबंधी जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी सम्मानित सीए को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्लब के सचिव विनोद चोपड़ा ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट समाज और उद्योग जगत के विश्वसनीय सलाहकार हैं। उनके ज्ञान, ईमानदारी एवं समर्पण से आर्थिक विकास को नई दिशा मिलती है।

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप : बिरंची नारायण

डॉक्टर्स डे पर रोटरी क्लब चास ने 22 चिकित्सकों को किया सम्मानित

बोकारो /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब चास द्वारा मेडिकेंट हॉस्पिटल परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाएं प्रदान करने वाले 22 चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि चिकित्सक समाज के लिए भगवान का दूसरा रूप हैं। वे अपने ज्ञान, सेवा और समर्पण के माध्यम से लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं। विशिष्ट अतिथि श्रीमती नीना नारायण ने कहा कि डॉक्टर का कार्य सैनिक की तरह है। वे हमारी रक्षा में लगे रहते हैं।कार्यक्रम के संयोजक डॉ श्रवण कुमार ने कहा कि डॉक्टर्स डे समाज के प्रति चिकित्सकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है। आयुर्वैदिक डॉक्टर यशस्विनी के अलावा मेडिकेंट के डॉ पीके नायक, डॉक्टर पी पुष्कर, डॉक्टर राहुल राज,डॉक्टर अमित कुमार, डॉक्टर जी शाहा, डॉक्टर शिव शंकर, डॉ जफर इकबाल, डॉक्टर फरहान रोजाना, डॉक्टर पी वर्धन, डॉ आलोक कुमार, डॉ अमित कुमार, डॉ विवेक कुमार, डॉ विशाल मिश्रा, डॉ चंदन सेठ,डॉ रवि रंजन, डॉ नम्रता सिंह, डॉ श्रवण कुमार के अलावा डॉ संजीव कुमार, डॉ सुमन कुमार, डॉ पुष्पा कुमारी को सम्मानित किया गया रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा और मानवीय संवेदनाएं समाज को स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। क्लब के सचिव बिनोद चोपड़ा ने सभी सम्मानित चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रोटरी क्लब आगे भी समाजसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम में सम्मानित चिकित्सकों को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई। समारोह में रोटरी क्लब चास के संजय बैद, कुमार अमरदीप विपिन अग्रवाल,बिनय सिंह, पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, संजय रस्तोगी, शैल रस्तोगी, ज्योति अग्रवाल,पूर्वी केजरीवाल, नेहा अग्रवाल, सिद्धार्थ पारख, अशोक तनेजा, अशोक जैन पी ए जकारिया एवं चिकित्सा जगत से जुड़े अनेक लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर 65 होम्योपैथिक चिकित्सक सम्मानित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर धनबाद होमियोपैथिक डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से बुधवार को होटल रेडिसन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में होम्योपैथिक चिकित्सक शामिल हुए। समारोह के मुख्य अतिथि वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 65 चिकित्सकों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए एसएसपी श्री प्रभात कुमार ने कहा कि डॉक्टर समाज के ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन पर लोगों का सबसे अधिक विश्वास होता है। जब कोई व्यक्ति बीमारी, दुर्घटना या किसी अन्य संकट का सामना करता है, तब चिकित्सक ही उसकी जिंदगी बचाने के लिए सबसे पहले खड़े दिखाई देते हैं। इसी कारण डॉक्टरों को भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर दिन-रात, मौसम और परिस्थितियों की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा में जुटे रहते हैं। कई बार उन्हें अपने परिवार से दूर रहकर भी लोगों की जान बचाने के लिए कार्य करना पड़ता है। यह उनकी सेवा भावना, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। उन्होंने कहा कि समाज को चिकित्सकों के योगदान का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति सदैव आदर का भाव रखना चाहिए। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के तेजी से विकसित होने के बावजूद होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति आज भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि प्राचीन चिकित्सा पद्धति को आधुनिक समय में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना आसान नहीं है, लेकिन होम्योपैथिक चिकित्सक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। यह न केवल गौरव का विषय है बल्कि समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का भी प्रमाण है। उन्होंने सभी चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे होम्योपैथी चिकित्सा की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गरीब, जरूरतमंद और असहाय लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहें। उन्होंने विश्वास जताया कि होम्योपैथिक चिकित्सकों का योगदान भविष्य में भी समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान धनबाद होमियोपैथिक डॉक्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी चिकित्सकों के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। संगठन भविष्य में भी चिकित्सकों के हितों के साथ-साथ जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता रहेगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के डॉ. काजल सरकार, डॉ. विजय कुमार, डॉ. सी.बी. मेहता, डॉ. रानी साजश्री सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों होम्योपैथिक चिकित्सक उपस्थित रहे। समारोह में चिकित्सकों को सम्मानित किए जाने के साथ-साथ उनके अनुभवों का भी साझा किया गया तथा समाज के प्रति उनके योगदान की

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK